दिनमान | तापमान
सूर्योदय 5.12 | सूर्यास्त 6.04 | अधिकतम 30° | न्यूनतम 27°
वर्ष 18, अंक 68 पृष्ठ 8
कोलकाता, बुधवार, 20 अगस्त, 2025
भाद्रपद, कृष्णपक्ष, द्वादशी, वि.सं. 2082
मूल्य: ₹ 3

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक
युवा शक्ति
कोलकाता संस्करण
www.yuvashaktinews.com

सुप्रीम कोर्ट ने दिया राज्य सरकार को बड़ा झटका

26,000 नौकरियों को रद्द करने के खिलाफ सभी पुनर्विचार याचिकाओं को किया खारिज

कोलकाता : सुप्रीम कोर्ट ने एसएससी द्वारा 26,000 नौकरियों को रद्द करने के आदेश के खिलाफ राज्य द्वारा दायर पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी है. मंगलवार को न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि शीर्ष अदालत ने 3 अप्रैल को नौकरियों को रद्द करने का फैसला सुनाने से पहले सभी पक्षों की दलीलें सुनी थीं. मामले पर विस्तृत सुनवाई के बाद, 2016 एसएससी के पूरे पैनल, यानी शिक्षकों और शिक्षाकर्मियों ने 26,000 नौकरियों को रद्द करने का आदेश दिया था.

पश्चिम बंगाल सरकार और स्कूल सेवा आयोग ने 3 अप्रैल के फैसले की समीक्षा के लिए 4 मई को फिर से सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की. उस मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने पाया कि स्कूल सेवा आयोग 2016 की परीक्षा की ओएमआर शीट की मूल या प्रतिरूप प्रति कलकत्ता उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय सहित किसी भी अदालत में उपलब्ध नहीं करा सका. यह विद्यालय सेवा आयोग की विफलता है. इसलिए न्यायालय के पास पूरी भर्ती प्रक्रिया रद्द करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था. ऐसे में, सर्वोच्च न्यायालय को नहीं लगता कि मामले को दोबारा सूचीबद्ध करके सुनवाई करने की आवश्यकता है. इसलिए राज्य की याचिका खारिज कर दी गई है.

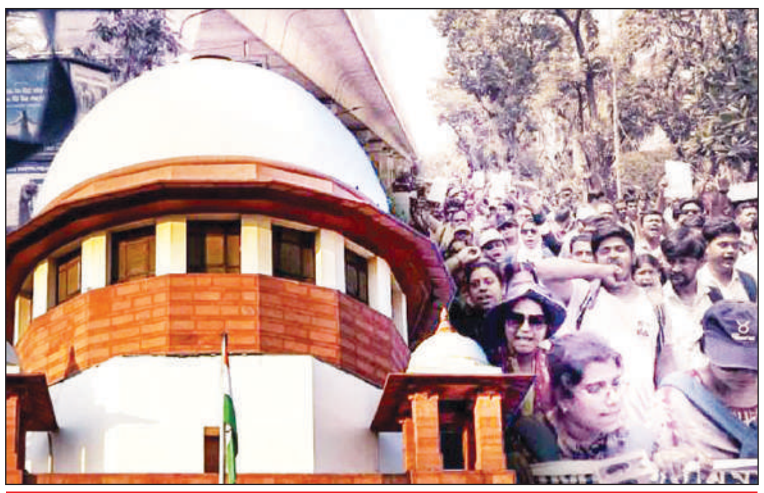

न्यायाधीशों ने 3 अप्रैल के फैसले में दिए गए कथन को दोहराते हुए कहा कि पूरी भर्ती प्रक्रिया भ्रष्ट थी और इसे रद्द करना एक उचित निर्णय है

सर्वोच्च न्यायालय के दो न्यायाधीशों ने शिक्षक भर्ती भ्रष्टाचार मामले में सर्वोच्च न्यायालय में दायर सभी पुनर्विचार याचिकाओं को खारिज कर दिया. न्यायाधीशों ने 3 अप्रैल के फैसले में दिए गए कथन को दोहराते हुए कहा कि पूरी भर्ती भ्रष्ट थी और इसे रद्द करना एक उचित निर्णय है.

न्यायाधीशों ने स्पष्ट रूप से कहा, पश्चिम बंगाल विद्यालय सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) और माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने मामले के जवाब में अपनी गलतियाँ स्वीकार की हैं, सीबीआई और सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति रंजीत बाग समिति की रिपोर्ट में उल्लिखित कई अनियमितताएँ - इन सभी ने भर्ती की पारदर्शिता को सवालों के घेरे में ला दिया है. विद्यालय सेवा आयोग ने मूल ओएमआर शीट या उसकी प्रति न रखकर गैरजिम्मेदारी दिखाई है, जिससे पूरी व्यवस्था भ्रष्ट हो गई है.

अदालत ने कहा कि इस भ्रष्ट प्रक्रिया को जारी रखने का मतलब पूरी भर्ती प्रणाली की पवित्रता पर सवाल उठाना है. इसलिए, पुनर्विचार याचिका के माध्यम से मामले की पुनः सुनवाई की माँग स्वीकार नहीं की जा सकती. सर्वोच्च न्यायालय ने संबंधित अधिकारियों के खिलाफ अदालत की कड़ी टिप्पणियों को भी बरकरार रखा. इस बीच, सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार, एसएससी ने 2016 के एसएससी पैनल के लिए 30 मई तक नई भर्ती परीक्षा कार्यक्रम प्रकाशित कर दिया है.

अदालत ने आदेश दिया था कि 2016 के पैनल के लिए शिक्षक भर्ती प्रक्रिया इस वर्ष 31 दिसंबर तक पूरी कर ली जाए. उस आदेश के अनुपालन में, अगली कक्षा 9-10 की परीक्षाएँ 7 सितंबर को आयोजित की गई. कक्षा 11-12 के लिए शिक्षक भर्ती परीक्षाएँ 14 सितंबर को होंगी. दोनों दिन रविवार है. इस बीच, एसएससी के बेरोजगार शिक्षक और शिक्षाकर्मी नई भर्ती प्रक्रिया के खिलाफ आज भी अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखे हुए हैं.

बंगाल के प्रवासी श्रमिकों के लिए राज्यपाल ने केंद्र और राज्य सरकार को भेजी सिफारिशें

कोलकाता: पश्चिम बंगाल के बाहर कथित रूप से प्रताड़ित किए जा रहे राज्य के प्रवासी मजदूरों के पुनर्वास के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा एक योजना की घोषणा किए जाने के एक दिन बाद, राज्यपाल सी वी आनंद बोस ने इन श्रमिकों के सामने आने वाली चुनौतियों के समाधान के लिए कुछ सिफारिशें पेश की हैं. राजभवन के एक उच्च पदस्थ सूत्र ने मंगलवार को यह जानकारी दी. सूत्र ने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार दोनों को भेजी गई ये सिफारिशें उन राज्यों में शोषण की कथित घटनाओं, सामाजिक सुरक्षा के अभाव और कई बंगाली प्रवासी कामगारों के खराब जीवन स्तर को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच आई हैं जहां वे काम करते हैं.

उन्होंने बताया कि बोस ने केंद्र को भेजी अपनी सिफारिशों में पश्चिम बंगाल प्रवासी श्रमिक पंजीकरण पोर्टल बनाने, अन्य राज्यों के साथ समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने और प्रमुख प्रवासी केंद्रों में श्रम कल्याण अधिकारियों (एलडब्ल्यूओ) की नियुक्ति किए जाने पर जोर दिया है.अधिकारी ने कहा, उन्होंने प्रवासी मजदूरों के लिए किफायती छात्रावास बनाए जाने, एक परिवार एक राशन कार्ड योजना के स्थान पर एक नागरिक एक राशन कार्ड योजना शुरू किए जाने और उन जिलों में कौशल प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने की सिफारिश की है जहां बड़ी संख्या में प्रवासी जाते हैं. बोस ने अनौपचारिक रूप से अर्जित कौशल के प्रमाणन की सुविधा, चौबीसों घंटे बहुभाषी हेल्पलाइन, कानूनी सहायता एवं मध्यस्थता सेवाओं की स्थापना और 'प्लेसमेंट (नौकरी दिलाने में मदद करने वाली) एजेंसियों' की विशेष निगरानी किए जाने की मांग की है.अधिकारी ने कहा, प्रस्तावित पश्चिम बंगाल प्रवासी श्रमिक पंजीकरण पोर्टल एक बहुभाषी, आधार से जुड़ा मंच होगा जिसे प्रवासी श्रमिकों के पंजीकरण और उन पर नजर रखने के लिए बनाया जाएगा. पंजीकरण के बाद, प्रत्येक श्रमिक को भौतिक और डिजिटल दोनों स्वरूपों में एक 'प्रवासी श्रमिक कार्ड' प्राप्त होगा, जो राज्यों में एक पहचान दस्तावेज के रूप में काम करेगा. उन्होंने बताया कि यह कार्ड स्वास्थ्य सेवा, सूक्ष्म बीमा और बैंकिंग जैसी आवश्यक सेवाओं तक पहुंच प्रदान करेगा, जिससे श्रमिकों की अनौपचारिक या शोषणकारी नेटवर्क पर निर्भरता कम होगी. उन्होंने कहा, बंगाल सरकार और महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, गुजरात एवं दिल्ली जैसे राज्यों के बीच औपचारिक समझौता ज्ञापनों संबंधी राज्यपाल का प्रस्ताव न्यूनतम वेतन की व्यवस्था करेगा तथा कार्यस्थल पर सुरक्षा और शिकायत निवारण जैसे क्षेत्रों में जवाबदेही सुनिश्चित करेगा.

वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि बोस की सिफारिशों की व्यापक प्रकृति पश्चिम बंगाल में प्रवासी श्रमिक नीति की अवधारणा में एक उल्लेखनीय बदलाव का प्रतीक है. नौकरशाह ने कहा, हालांकि इसका कार्यान्वयन राज्य और केंद्र सरकार के हाथों में है लेकिन अगर इन प्रस्तावों को अपनाया जाता है तो ये भारत के उन अन्य राज्यों के लिए एक आदर्श बन सकते हैं जहां से प्रवासी अन्य राज्यों में जाते हैं. पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रवासी मजदूरों के पुनर्वास के लिए सोमवार को श्रमश्री योजना की घोषणा की थी और आरोप लगाया था कि वे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्यों में पूर्व नियोजित हमलों का सामना कर रहे हैं. बनर्जी ने कहा था कि इस योजना के तहत, बंगाल लौटने के इच्छुक प्रवासी मजदूरों को 12 महीने के लिए या रोजगार मिलने तक 5,000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी.

नियुक्ति की मांग को लेकर टेट पास अभ्यर्थियों का परिषद अभियान, करुणामयी मोड़ पर बवाल

कोलकाता: साल 2022 में टेट परीक्षा पास करने वाले अभ्यर्थियों ने मंगलवार को तेज़ी से नियुक्ति की मांग को लेकर परिषद अभियान का आह्वान किया. इस आह्वान के बाद सुबह से ही करुणामयी मोड़ पर अभ्यर्थियों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई. जैसे ही आंदोलनकारी करुणामयी से रैली निकालने लगे, पुलिस ने रोकने की कोशिश की और बड़ी संख्या में धरपकड़ शुरू कर दी. देखते ही देखते पूरा इलाका रणक्षेत्र में तब्दील हो गया.

आंदोलनकारियों का कहना था कि उन्हें तत्काल नियुक्ति संबंधी नोटिस दिया जाए और वे किसी भी हालत में पुलिस की रोक-टोक स्वीकार नहीं करेंगे. नारेबाज़ी करते हुए सैकड़ों अभ्यर्थियों ने सड़कों पर धरना दे दिया. आंदोलनकारियों का कहना है कि हमलोग तीन साल से टेट पास करके बैठे हैं. मेरे माता-पिता भी अब उम्मीद खो चुके हैं. हमें लग रहा है कि शायद अब नियुक्ति होगी ही नहीं. हम भी तो इंसान हैं, कब तक इंतज़ार करेंगे? अगर पुलिस या पुलिसकर्मियों के परिवार के लोगों के साथ ऐसा होता तो वे भी हमारी पीड़ा समझ पाते. पुलिस पर आरोप लगाते हुए एक अन्य अभ्यार्थी ने आरोप लगाया है कि पुलिस हमें अपराधियों की तरह गिरफ्तार कर रही है. ऐसा लग रहा है मानो राज्य 'क्रिमिनल स्टेट' में बदल गया हो. पुलिस ने कई अभ्यर्थियों को बलपूर्वक खींचकर गाड़ियों में बैठाया जबकि बड़ी संख्या में विरोधी सड़क पर ही बैठ गए और वहीं से नारेबाज़ी करते रहे. बारिश के बीच साल्टलेक करुणामयी मोड़ घंटों तक अवरुद्ध रहा और यातायात पूरी तरह ठप हो गया.

शारदा पोंजी घोटाले के आरोपी सुदीप्तो सेन व देबजानी मुखर्जी तीन मामलों में बरी

कोलकाता: कोलकाता की एक अदालत ने करोड़ों रुपये के शारदा पोंजी घोटाले के आरोपी सुदीप्तो सेन और सह-आरोपी देबजानी मुखर्जी को उनके खिलाफ लंबित कई मामलों में से तीन में मंगलवार को बरी कर दिया.

आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 406 (आपराधिक विश्वासघात) और 420 (धोखाधड़ी) के तहत आरोप लगाए गए थे. कोलकाता के बिचार भवन स्थित 11वीं न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत ने शारदा समूह के अध्यक्ष सेन और उसकी कथित सहयोगी मुखर्जी को तीनों मामलों में मुकदमे के बाद बरी कर दिया है. इन तीनों मामलों में अभियोजन पक्ष ने करीब 15 गवाह पेश किए थे.दोनों आरोपियों की पैरवी करने वाले वकील ने कहा कि अभियोजन पक्ष निचली अदालत के समक्ष मामला साबित नहीं कर सका, जिसके कारण उन्हें बरी किया गया है. कथित पोंजी घोटाला सामने आने के बाद सेन और मुखर्जी को 23 अप्रैल, 2013 को जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग से गिरफ्तार किया गया था.

दोनों के खिलाफ कई अन्य मामले लंबित हैं, इसलिए वे फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं.

उपराष्ट्रपति चुनाव: राधाकृष्णन और रेड्डी में नौ सितंबर को होगा मुकाबला

नई दिल्ली: उपराष्ट्रपति पद के लिए नौ सितंबर को होने वाले चुनाव में विपक्ष के साझा उम्मीदवार और उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी का मुकाबला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार सी पी राधाकृष्णन से होगा. विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' इस चुनाव को वैचारिक लड़ाई बता रहा है क्योंकि संख्याबल सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत गठबंधन के पक्ष में है. उपराष्ट्रपति चुनाव दक्षिण बनाम दक्षिण के मुकाबले के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि विपक्ष ने तेलंगाना से ताल्लुक रखने वाले रेड्डी को राधाकृष्णन के खिलाफ मैदान में उतारा है जिन्हें उनके शुभचिंतक पचाई तमिल (सच्चा तमिल) कहते हैं.

महाराष्ट्र के राज्यपाल राधाकृष्णन (67) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक वरिष्ठ नेता हैं, जिन्होंने प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल के दौरान कोयंबटूर से दो बार लोकसभा सदस्य के रूप में कार्य किया और बाद में तमिलनाडु में पार्टी का नेतृत्व किया. जुलाई, 2011 में उच्चतम न्यायालय से सेवानिवृत्त हुए 79 वर्षीय रेड्डी एक वरिष्ठ न्यायविद हैं, जिन्हें काले धन के मामलों की जांच में ढिलाई बरतने के लिए तत्कालीन केंद्र सरकार की आलोचना वाले कई ऐतिहासिक फैसलों के लिए जाना जाता है.

उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में, न्यायमूर्ति रेड्डी ने विदेशों में अवैध रूप से रखे गए अघोषित धन को वापस लाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने हेतु एक विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन का आदेश दिया था. विदेशी बैंकों में जमा काला धन को वापस लाना 2014 के लोकसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का एक प्रमुख चुनावी मुद्दा था. राजग राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद के लिए समृद्ध राजनीतिक और प्रशासनिक अनुभव वाले एक बेदाग नेता के रूप में पेश कर रहा है और कह रहा है कि उनका चुना जाना राज्यसभा के सभापति के रूप में भी उपयोगी साबित होगा.

जादवपुर विश्वविद्यालय में सुरक्षा को लेकर हाई कोर्ट सख़्त

सीसीटीवी लगाने पर राज्य सरकार से मांगा जवाब

कोलकाता: जादवपुर विश्वविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों की सुरक्षा मज़बूत करने के लिए प्रस्तावित सीसीटीवी कैमरे लगाने की योजना पर अब अदालत की निगाह है. कलकत्ता हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा मांगे गए 68 लाख रुपये की स्वीकृति पर उसका क्या निर्णय है. अदालत ने सरकार को निर्देश दिया है कि वह इस बारे में अपनी स्थिति अगले 15 दिनों के भीतर स्पष्ट करे.मंगलवार को न्यायमूर्ति सुजय पाल और न्यायमूर्ति स्मिता दास दे की खंडपीठ ने यह आदेश दिया. साथ ही, हाई कोर्ट ने विश्वविद्यालय को भी निर्देश दिया कि वह अदालत में सुरक्षा संबंधी विस्तृत जानकारी पेश करे और बताए कि परिसर के किन-किन स्थानों पर सीसीटीवी लगाए जा रहे हैं. अदालत ने यह सुझाव दिया है कि पूरी प्रक्रिया में विशेषज्ञों की राय ली जाए. सुनवाई के दौरान राष्ट्रीय जांच एजेंसी और सीआरपीएफ ने इस मामले में पक्षकार बनने की अर्जी दी. अदालत की ओर से यह स्पष्ट नहीं किया गया कि भविष्य में केंद्रीय एजेंसियों को इस मामले में शामिल किया जाएगा या नहीं.

चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने की पीएम मोदी से मुलाकात, बताया

जिनपिंग से मिलेंगे मोदी, हो रहा है इंतजार

नयी दिल्ली: चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की है. वांग यी ने प्रधानमंत्री मोदी को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के एजेंडे और चीन-भारत संबंधों में नवीनतम प्रगति से अवगत कराया. वांग के साथ प्रधानमंत्री की ये मुलाकात उनकी आगामी चीन यात्रा से पहले हुई है.

अमेरिका से तल्खी के बीच चीन और भारत अपने रिश्ते बेहतर बनाने में जुट गए हैं. वांग सोमवार को भारत पहुंचे थे. उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अजीत डोभाल से मुलाकात की थी. शाम करीब 6:30 बजे चीनी विदेश मंत्री वांग यी के काफिलो को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आधिकारिक आवास 7 लोक कल्याण मार्ग से रवाना हुआ.'

यह मुलाकात दोनों देशों के बीच बढ़ते सहयोग और आपसी विश्वास को दर्शाती है. भारत और चीन के बीच संबंधों में सुधार न केवल द्विपक्षीय स्तर पर बल्कि क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता के लिए भी महत्वपूर्ण है. इस बैठक के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट कर कहा कि पिछले साल कजान में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ उनकी मुलाकात के बाद से भारत-चीन संबंधों में स्थिरता और प्रगति देखी गई है. प्रधानमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि वे एससीओ समिट के दौरान चीनी राष्ट्रपति के साथ मीटिंग का इंतजार कर रहे हैं. प्रधानमंत्री मोदी ने अपने ट्वीट में कहा, पिछले साल कजान में राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मेरी मुलाकात के बाद से, भारत-चीन संबंधों ने एक-दूसरे के हितों और संवेदनशीलता के सम्मान के साथ निरंतर प्रगति की है. मैं शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के दौरान तियानजिन में होने वाली हमारी अगली मुलाकात का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं. भारत और चीन के बीच स्थिर, विश्वसनीय और रचनात्मक संबंध क्षेत्रीय और वैश्विक शांति एवं समृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान देंगे.

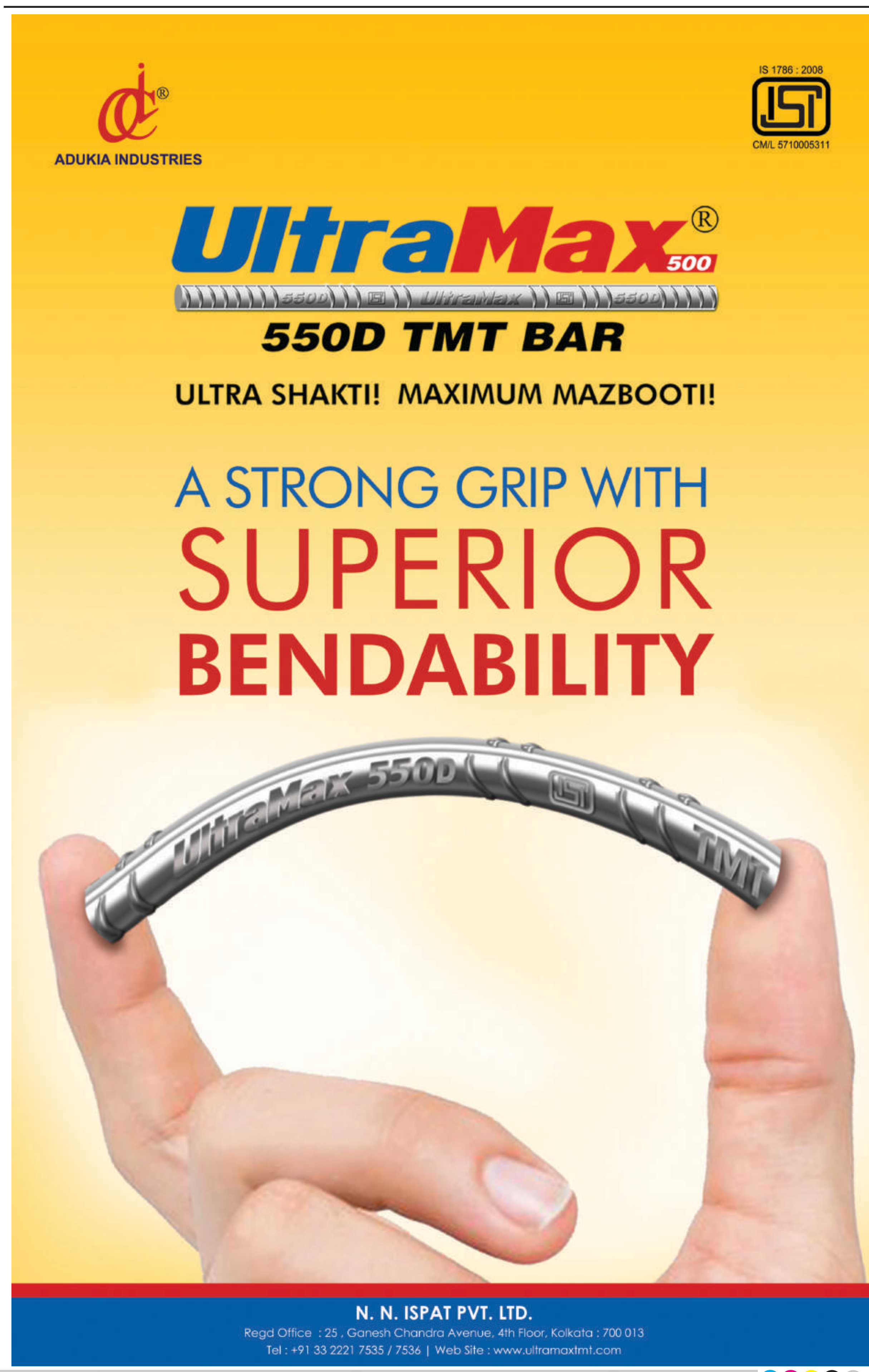

माजेरहाट में 37वीं अखिल भारतीय रेलवे शतरंज चैंपियनशिप शुरू

कोलकाता : 37वीं अखिल भारतीय शतरंज चैंपियनशिप आज (19 अगस्त) पूर्व रेलवे खेल परिसर/माजेरहाट में शुरू हुई. इस वर्ष 16 रेलवे टीमें कुल 127 खिलाड़ियों के साथ भाग ले रही हैं. यह टूर्नामेंट 19 अगस्त से 25 अगस्त 2025 तक यानी 7 दिनों तक चलेगा. यह टूर्नामेंट टीम और व्यक्तिगत दोनों स्तरों पर आयोजित किया जाएगा और इसमें 12 ग्रैंड मास्टर और 17 अंतर्राष्ट्रीय मास्टर भाग ले रहे हैं.

कोन्नगर में कराटे प्रतियोगिता का आयोजन

कोन्नगर : हुगली जिले के कोन्नगर के पास नवग्राम में महाराष्ट्र परिषद में अखिल बंगाल कन्निन्जुकु शतक ओपन कराटे चैंपियनशिप 2025 का आयोजन किया गया. आयोजित कार्यक्रम में कनाईपुर के नन्हे अनिकेत बनर्जी ने शानदार सफलता हासिल की. अनिकेत बनर्जी नवग्राम टेक्नो इंडिया ग्रुप पब्लिक स्कूल में कक्षा 6 का छात्र है. इस दिन अनिकेत ने बिलो ट्वेल्व काता में भाग लिया और प्रथम स्थान प्राप्त किया. अनिकेत ने इससे पहले भी विभिन्न प्रतियोगिताओं में सफलता प्राप्त की है, यह सफलता उसे भविष्य में आगे बढ़ने में मदद करेगी. अनिकेत बनर्जी की मां अर्पिता बनर्जी ने बताया कि ग्लोबल शोटोकन कराटे डू एसोसिएशन ऑफ इंडिया का छात्र अनिकेत लंबे समय से मुख्य तकनीकी निदेशक - जीएसकेएआई, आरसी सचिव - कराटे एसोसिएशन ऑफ बंगाल, रेफरी - कराटे इंडिया ऑर्गनाइजेशन (केआईओ), जज - वर्ल्ड कराटे डू फेडरेशन (डब्ल्यूकेएफ) और एशियन कराटे डू फेडरेशन (एकेएफ), कराटे इंडिया ऑर्गनाइजेशन के आरसी सदस्य तारक नाथ सरदार के साथ नियमित अभ्यास कर रहा है. ग्लोबल शोटोकन कराटे डू एसोसिएशन ऑफ इंडिया और कन्निन्जुकु सहित हुगली जिले के विभिन्न पंचायतों और नगर पालिकाओं के लगभग 250 छात्रों ने इस खेल में भाग लिया. कार्यक्रम में बंगाल ओलंपिक के सचिव जवाहर दास, हुगली जिला स्कूल खेल और खेल सचिव, डॉ सजल तांती, श्रीरामपुर उपजिला स्कूल के खेल सचिव, अभिजीत सिंह, नवग्राम ग्राम पंचायत के प्रधान उपस्थित थे.

सिंगूर नर्सिंग होम में नर्स की रहस्यमयी मौत, पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने बढ़ाया संदेह

हुगली :हुगली जिले के सिंगूर के एक नर्सिंग होम में नंदीग्राम की नर्स की रहस्यमय मौत के चार दिन बाद कल्याणी स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में पोस्टमार्टम किया गया. डॉक्टरों समेत चार फोरेंसिक विशेषज्ञों ने मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में शव परीक्षण किया. पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी की गई.पुलिस सूत्रों के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में चोट के कोई निशान नहीं मिले हैं. मौत का कारण पता लगाने के लिए जांच चल रही है. हालांकि, मौत का कारण जानने के लिए विसरा सुरक्षित रखा गया है. यानी पोस्टमार्टम के दौरान शरीर के अंदरूनी अंगों जैसे लिवर, किडनी, पेट आदि को रासायनिक विश्लेषण के लिए विशेष तरीके से सुरक्षित रखा गया है.नर्स हाल ही में सिंगूर के

नर्सिंग होम में नौकरी पर लगी थी. बताया जाता है कि महज़ तीन दिनों के भीतर ही रहस्यमय तरीके से उनकी मौत हो गई. उनका शव नर्सिंग होम की चौथी मंज़िल पर फंदे से झूलता बरामद किया गया था.घटना के बाद शव को पहले श्रीरामपुर वाल्श अस्पताल, फिर कोलकाता मेडिकल कॉलेज अस्पताल के पुलिस मुर्दाघर में रखा गया. पोस्टमार्टम को लेकर लगातार विवाद और राजनीतिक दबाव के चलते अंततः शव को कल्याणी एम्स भेजा गया. मृतका के परिवार ने इस पूरी घटना की निष्पक्ष जांच को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं और अब केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच कराने की मांग की है. परिवार का आरोप है कि पुलिस शुरू से ही मामले की तहकीकात में लापरवाही बरत रही है.बहरहाल, पुलिस ने इस मामले में नर्सिंग होम के मालिक और मृत नर्स के प्रेमी को गिरफ्तार किया है.

बांसबेरिया में भाजपा का विरोध प्रदर्शन

हुगली : हुगली सांगठनिक जिला भाजपा के बांसबेरिया मण्डल की ओर से गैंजेस जूट मिल के सामने मंगलवार को मजदूरों के समर्थन में एक विरोध प्रदर्शन किया गया. मण्डल अध्यक्ष सुरेश चौधुरी के नेतृत्व में हुई इस विरोध सभा में मजदूरों की समस्याओं को उठाते हुए सात सूत्री मांगें रखी गईं.विरोध प्रदर्शन में भाजपा के हुगली ज़िला महासचिव सुरेश साव, ज़िला उपाध्यक्ष जयराज पाल, नेता हरि मिश्र, विश्वजीत राय और गणेश घंटाई समेत स्थानीय नेतृत्व और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद थे. भाजपा की विरोध सभा दोपहर एक बजे से शाम तीन बजे तक चली. इसके बाद भाजपा नेताओं ने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन जूट मिल पुलिस चौकी के प्रभारी को सौंपा.

डोमकल थाने में आरोपित की पिटाई का आरोप

मुर्शिदाबाद : डोमकल थाने के लॉकअप में एक सब-इंस्पेक्टर और एक सिविक वॉलेंटियर पर एक कैदी की पिटाई करने का आरोप लगा है.सूत्रों के अनुसार, पुलिस ने जलंगी थाना अंतर्गत के नउदापापाड़ा गांव के निवासी सरवर अंसारी को जूट चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया था. कथित तौर पर थाने के लॉकअप में उसकी पिटाई की गई.पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, डोमकल थाने के अंतर्गत धुलौरी पंचायत के गोकुलचक इलाके के निवासियों ने रविवार देर रात जूट चोरी कर भाग रहे सरवर और उसके साथी फिरोज शेख को पकड़ लिया. उन्हें चोरी का जूट दोनों की मारुति वैन में रखा मिला. ग्रामीणों ने आरोपितों को एक बिजली के खंभे से बांध दिया और पुलिस को सूचना दी. पुलिस पहुंची और दोनों को थाने ले

गई.आरोप है कि थाने ले जाने के बाद, डोमकल थाने के सब-इंस्पेक्टर सुजॉय सरकार ने लॉकअप के अंदर सरवर की लकड़ी के रूल से बुरी तरह पिटाई की. उस समय, बाबू नाम का एक सिविक वॉलेंटियर वहां मौजूद था. उसने भी सरवर की रूल से पिटाई की.सूत्रों के अनुसार, पूरी रात पिटाई के बाद, सोमवार रात सरवर को शारीरिक जांच के लिए डोमकल महकमा अस्पताल ले जाया गया. तभी पिटाई की घटना सामने आई.सरवर ने कहा कि पुलिस की पिटाई से वह गंभीर रूप से घायल हो गया है.हालांकि, पुलिस ने पिटाई के आरोपों से इनकार किया है. सोमवार रात मुर्शिदाबाद पुलिस जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रसप्रीत सिंह ने कहा कि पिटाई के आरोप झूठे हैं. आरोपितों को पकड़ने के बाद, ग्रामीणों ने उनकी पिटाई कर दी. अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने यह भी दावा किया कि पिटाई के संबंध में दो ग्रामीणों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है.उल्लेखनीय है कि पांच महीने पहले डोमकल थाने के एक और सब-इंस्पेक्टर पर भी मारपीट का आरोप लगा था. उस अधिकारी को छुट्टी पर भेज दिया गया था. उसके खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू की गई थी. उसके बाद, मारपीट का एक और आरोप लगा है.

मालदा में 12वीं के छात्र को मारी गोली

मालदा : 12वीं कक्षा के एक छात्र को घर से कुछ मीटर की दूरी पर गोली मार दी गई. गंभीर रूप से घायल छात्र को मालदा मेडिकल कालेज अस्पताल ले जाया गया है. घटना सोमवार रात मोथाबारी थाना अंतर्गत पंचानंदपुर के लहरदीटोला इलाके में घटी है. घायल छात्र का नाम अब्दुल शाहिद (19) है. अब्दुल बंगीटोला हाई स्कूल में 12वीं कक्षा का छात्र है. घायल छात्र के बड़े भाई आदिर जलानी ने कहा, मेरा भाई शाम को घर से निकला था. हम उस समय घर पर थे. कुछ घंटों बाद स्थानीय लोगों ने फोन पर बताया कि भाई को गोली मार दी गई है. हम मौके पर पहुंचे और भाई को बरामद कर मालदा मेडिकल में भर्ती कराया. मेरे भाई को सीने में गोली लगी थी. किसने गोली मारी यह साफ़ नहीं है. घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मोटरसाइकिल को जब्त कर जांच शुरू कर दी है.

अस्पताल में बढ़ रही मरीजों की संख्या, उत्तर बंगाल में लेप्टोस्पाइरा का दहशत

सिलीगुड़ी : राजगंज के संन्यासीकाटा ग्राम पंचायत के चेकरमारी गांव समेत आठ और गांव इस समय हेपेटाइटिस और लेप्टोस्पाइरा बीमारी की चपेट में है.स्थानीय लोगों का दावा है कि संक्रमित लोगों की संख्या 150 को पार कर चुकी है. कथित तौर पर स्थानीय लोगों का आरोप है कि संन्यासीकाटा ग्राम पंचायत केचेकरमारी गांव में एक मुर्गी पालन केंद्र है. वहां से गांव में यह रोग फैला है.राजगंज ग्रामीण अस्पताल में पीलिया के लक्षणों वाले मरीजों की लंबी कतार बढ़ती जा रही है. राजगंज के संन्यासीकाटा ग्राम पंचायत के चेकरमारी गांव समेत कुल आठ गांव में पीलिया और लेप्टोस्पाइरा के मरीजों की संख्या बढ़ रही है. कुछ लोग फिर से स्क्रब टाइफस से संक्रमित हो गए है.लेप्टोस्पाइरा क्या है?विशेषज्ञों का कहना है कि यह मूल रूप से चूहों से फैलने वाली बीमारी है. इस बीमारी से संक्रमित लोगों की ज्यादा रिपोर्ट नहीं मिलती है. हाल ही में स्वास्थ्य विभाग ने राजगंज के चेकरमारी गांव में एक साथ लगभग 15 लेप्टोस्पाइरा रोगियों का पता चलने पर कई कदम उठाए है. मंगलवार सुबह से राजगंज ग्रामीण अस्पताल में पीलिया के लक्षणों के साथ कई लोग आ रहे है. पता चला है कि जिन लोगों के रक्त के नमूने लिए गए थे, उनमें और भी नए मरीज पाए गए है.

राजगंज प्रखंड स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राहुल रॉय ने बताया कि गांव में स्क्रीनिंग कैंप चल रहे है.पीलिया से पीड़ित पुराने मरीजों के अलावा मंगलवार को राजगंज ग्रामीण अस्पताल में कई और मरीज भर्ती हुए है. इनमें से ज्यादातर युवा है. गर्भवती महिलाओं को भी इसी लक्षण के साथ भर्ती कराया गया है. फिलहाल, अस्पताल में संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 30 हो गई है. स्थिति को संभालने के लिए 10 और बेड जोड़े गए है. वहीं, 148 लोगों के रक्त के नमूने पहले ही एकत्र किए जा चुके है.

उल्लेखनीय है कि मई में उत्तर बंगाल में एक अज्ञात बुखार के कारण दहशत फैल गई थी.

दिनहाटा के सिताई प्रखंड में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत से ज़िला स्वास्थ्य विभाग सकते में थे. कूचबिहार एमजेएन मेडिकल कॉलेज में एक आइसोलेशन वार्ड खोला गया है.

राज्य स्वास्थ्य विभाग के तीन सदस्य गुरुवार को आइसोलेशन वार्ड की बुनियादी सुविधाओं का मुआयना करने गए थे.इस संबंध में, कूचबिहार एमजेएन अस्पताल मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य निर्मल कुमार मंडल ने बताया, सिताई में हुई मौत की घटना में मृतकों के घरों से नमूने एकत्र किए गए है. मेडिकल कॉलेज में एक विशेष आइसोलेशन वार्ड खोला गया है.

रेलवे न्यूज

चार पूजा स्पेशल ट्रेनें चलेंगी, उपलब्ध होंगी 70,100 अतिरिक्त बर्थ

कोलकाता : पूजा के मद्देनजर विशेष ट्रेनें चलाने से कई लाभ होंगे. ये विशेष ट्रेनें बढ़ती यात्रा मांग को पूरा करती हैं और त्योहार मनाने के इच्छुक लोगों के लिए अधिक सुविधाजनक और कुशल परिवहन विकल्प प्रदान करती हैं. इसके अतिरिक्त, ये पहल पर्यटन को बढ़ावा देती है, स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देती हैं और पूजा एवं दिवाली जैसे अवसरों पर राष्ट्रीय एकता और उत्सव की भावना को बढ़ावा देती हैं. यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए, पूर्व रेलवे ने हावड़ा और रक्सौल, सियालदह और गोरखपुर, आसनसोल और पटना तथा आसनसोल और गोरखपुर के बीच चार विशेष ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है. इन विशेष ट्रेनों के चलने से 70,100 अतिरिक्त बर्थ उपलब्ध होंगी.03043 हावड़ा-रक्सौल पूजा स्पेशल हावड़ा से 23:00 बजे प्रस्थान करेगी. 03044 रक्सौल-हावड़ा पूजा स्पेशल 27 सितंबर और 15 नवंबर के बीच प्रत्येक शनिवार को (8 ट्रिप) चलेगी और अगले दिन 16:15 बजे रक्सौल पहुँचेगी. 03044 रक्सौल-हावड़ा पूजा स्पेशल 28 सितंबर और 16 नवंबर के बीच प्रत्येक रविवार को 17:45 बजे रक्सौल से प्रस्थान करेगी (8 ट्रिप) और अगले दिन 10:50 बजे हावड़ा पहुँचेगी. यह विशेष ट्रेन मार्ग में दोनों दिशाओं में पूर्व रेलवे क्षेत्राधिकार में बैंडेल, बर्द्धमान, दुर्गापुर, आसनसोल, चित्तरंजन, मधुपुर और जसीडीह स्टेशनों पर रुकेगी. ट्रेन में सामान्य द्वितीय श्रेणी, शयनयान श्रेणी और वातानुकूलित सुविधाएं उपलब्ध होंगी.03131 सियालदह-गोरखपुर पूजा स्पेशल सियालदह से 18:15 बजे प्रस्थान करेगी. 03132 गोरखपुर-सियालदह पूजा स्पेशल दिनांक 30 सितंबर और 18 नवंबर के बीच प्रत्येक मंगलवार और गुरुवार को (15 ट्रिप) चलेगी और अगले दिन सुबह 10:30 बजे गोरखपुर पहुँचेगी. 03132 गोरखपुर-सियालदह पूजा स्पेशल दिनांक 01 अक्टूबर और 19 नवंबर के बीच प्रत्येक बुधवार और शुक्रवार को दोपहर 13:00 बजे गोरखपुर से प्रस्थान करेगी (15 ट्रिप) और अगले दिन सुबह 07:30 बजे सियालदह पहुँचेगी. यह ट्रेन मार्ग में दोनों दिशाओं में पूर्व रेलवे क्षेत्राधिकार में बर्द्धमान, दुर्गापुर, आसनसोल, चित्तरंजन, मधुपुर और जसीडीह स्टेशनों पर रुकेगी. इस ट्रेन में सामान्य द्वितीय श्रेणी, शयनयान श्रेणी और वातानुकूलित सुविधाएं उपलब्ध होंगी.03527 आसनसोल-गोरखपुर पूजा स्पेशल दिनांक 13:20 बजे आसनसोल से प्रस्थान करेगी. 03528 गोरखपुर-आसनसोल पूजा स्पेशल 26 सितंबर और 07 नवंबर के बीच प्रत्येक शुक्रवार को (07 ट्रिप) चलेगी और अगले दिन 03:30 बजे गोरखपुर पहुँचेगी. 03528 गोरखपुर-आसनसोल पूजा स्पेशल 27 सितंबर और 08 नवंबर के बीच प्रत्येक शनिवार को (07 ट्रिप) गोरखपुर से सुबह 06:30 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 20:45 बजे आसनसोल पहुँचेगी. यह ट्रेन रास्ते में दोनों दिशाओं में पूर्वी रेलवे क्षेत्राधिकार में चित्तरंजन, जामताड़ा, मधुपुर और जसीडीह स्टेशनों पर रुकेगी. इस ट्रेन में सामान्य द्वितीय श्रेणी, शयनयान श्रेणी और वातानुकूलित आवास उपलब्ध होंगे. 03043 हावड़ा-रक्सौल पूजा स्पेशल, 03131 सियालदह-गोरखपुर पूजा स्पेशल और 03527 आसनसोल-गोरखपुर पूजा स्पेशल की बुकिंग पीआरएस और इंटरनेट के माध्यम से उपलब्ध है.03511 आसनसोल-पटना पूजा स्पेशल 19 अक्टूबर से 09 नवंबर के बीच प्रत्येक रविवार को आसनसोल से 13:20 बजे प्रस्थान करेगी (04 ट्रिप) और उसी दिन 20:15 बजे पटना पहुँचेगी. 03512 पटना-आसनसोल पूजा स्पेशल 19 अक्टूबर से 09 नवंबर के बीच प्रत्येक रविवार को पटना से 21:55 बजे प्रस्थान करेगी (04 ट्रिप) और अगले दिन 04:50 बजे आसनसोल पहुँचेगी. यह ट्रेन मार्ग में दोनों दिशाओं में पूर्वी रेलवे क्षेत्राधिकार में चित्तरंजन, जामताड़ा, मधुपुर और जसीडीह स्टेशनों पर रुकेगी. इस ट्रेन में सामान्य द्वितीय श्रेणी, शयनयान श्रेणी और वातानुकूलित सुविधाएं उपलब्ध होंगी. 03511 आसनसोल-पटना पूजा स्पेशल की बुकिंग की तिथि 20 अगस्त से पीआरएस और इंटरनेट के माध्यम से उपलब्ध होगी.

न्यूज कॉर्नर

कोन्नगर में रंगमंच कलाकार के घर 20 लाख के गहनों की चोरी

कोन्नगर : प्रसिद्ध रंगमंच कलाकार अभिरूप गुप्ता के घर चोरी की घटना घटी. स्थानीय सूत्रों के अनुसार, चोरी रविवार को हुई. कलाकार अभिरूप गुप्ता कुछ दिनों के लिए अपनी बेटी के घर गए हुए थे. चोर घर के पिछले दरवाजे की ग्रिल काटकर घर में घुसे. चोरों ने एक खास आलमारी के लॉकर की चाबी से लॉकर खोला और लगभग 20 लाख रुपये के सोने के गहने और नकदी चुरा ली. सोमवार शाम को अभिरूप गुप्ता ने घर का दरवाजा खोला तो दंग रह गए. बताया जा रहा है कि बाद में उन्होंने कोन्नगर चौकी में चोरी की शिकायत दर्ज कराई. उल्लेखनीय है कि कोन्नगर इलाके में अपराध बढ़ रहे हैं. कुछ दिन पहले कोन्नगर में सत्ताधारी पार्टी के एक नेता की हत्या कर दी गई थी. हिंदमोटर के पड़ोसी इलाके में प्रसिद्ध तैराक पद्मश्री बुला चौधरी के घर से उनके जीते हुए सारे पदक चोरी हो गए, हालांकि चोर को पकड़ लिया गया.

विवाहेत्तर संबंध का विरोध पड़ा महंगा, पति ने उखाड़ा पत्नी का कान

नदिया : जिले के शांतिपुर में अपने पति के विवाहेतर संबंध का विरोध करने पर पति ने महिला का कान उखाड़ लिया. पीड़ित महिला फिलहाल अस्पताल में इलाजरत हैं.स्थानीय सूत्रों के अनुसार, टिंकू देवनाथ और उनकी पत्नी शबरी देवी के बीच घरेलू जीवन में पहले कोई बड़ी समस्या नहीं थी, लेकिन हाल में टिंकू का विवाहेतर संबंध सामने आने के बाद तनाव बढ़ता गया. सोमवार रात दोनों में खूब बहस हुई. इसी दौरान टिंकू ने अपनी पत्नी का कान उखाड़ लिया. चीख पुकार स्थानीय लोग तुरंत पहुंचे और घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया. मंगलवार सुबह महिला ने शांतिपुर थाने में पति के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई. पुलिस अब आरोपित पति की तलाश में जुटी है. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

तृणमूल नेता की हत्या की साजिश नाकाम, हथियार के साथ दो गिरफ्तार

बीरभूम : जिले के सिउड़ी थाने की पुलिस ने सोमवार देर रात दो लोगों को आग्नेयास्त्रों के साथ गिरफ्तार किया. आरोप है कि दोनों एक तृणमूल नेता की हत्या की साजिश रच रहे थे.गिरफ्तार आरोपितों की पहचान हेमंत साहा और स्वर्णेंदु मंडल के रूप में हुई है. दोनों सिउड़ी-1 ब्लॉक के निवासी हैं और इलाके में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के समर्थक माने जाते हैं. पुलिस ने बताया कि आरोपितों को मंगलवार को अदालत में पेश किया गया.पुलिस सूत्रों के अनुसार, पूछताछ में खुलासा हुआ है कि दोनों ने दस हजार में झारखंड से अवैध आग्नेयास्त्र खरीदा था. उनके पास से एक बंदूक और दो कारतूस भी बरामद किए गए हैं. फिलहाल पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि किस वजह से तृणमूल नेता की हत्या की योजना बनाई गई थी.मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आरोपितों को रिमांड पर लेकर और पूछताछ करेगी, ताकि साजिश के पीछे के असली कारण और अन्य शामिल लोगों का पता लगाया जा सके.

खड़गपुर स्टेशन पर लोहे की बीम के नीचे दबकर बच्चे की मौत

कोलकाता : खड़गपुर रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को हुए एक भयावह हादसे में आठ साल के एक बच्चे की मौत हो गई. स्टेशन पर चल रहे अमृत भारत परियोजना के तहत रखी गई भारी-भरकम लोहे की बीम अचानक बच्चे के ऊपर गिर गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई.रेलवे पुलिस के अनुसार, मृत बच्चा अपने पिता के साथ स्टेशन परिसर में ही रहता था. पिता काम पर गए हुए थे, तभी यह हादसा हुआ. बेटे की मौत की खबर मिलते ही वह बदहवास हो गए. पुलिस ने मामले को अस्वाभाविक मौत के तहत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.जानकारी के मुताबिक, खड़गपुर स्टेशन के पांच और छह नंबर प्लेटफॉर्म के बीच कई महीनों से अमृत भारत परियोजना के तहत निर्माण कार्य चल रहा है. इसी काम के लिए प्लेटफॉर्म पर एक विशाल लोहे की बीम खड़ी की गई थी. बच्चा उस बीम के सहारे खेल रहा था, तभी अचानक बीम उसके ऊपर गिर गई. घटना के बाद मौके पर मौजूद रेलवे पुलिस ने तुरंत बच्चे को खड़गपुर महकमा अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया.खड़गपुर डिवीजन की रेलवे पुलिस की एसआरपी देवश्री सन्याल ने घटना को अत्यंत मर्मांतक बताया. उन्होंने कहा कि हम हर पहलू से जांच कर रहे हैं. डीएसपी और ओसी मौके पर पहुंच चुके हैं और विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है.

कोलकाता में शुरू होगा मेट्रो का नया अध्याय

प्रधानमंत्री मोदी देंगे 13.62 किमी की नई कनेक्टिविटी, दशकों की कमी को 10 साल में किया पूरा

कोलकाताः भारत की पहली मेट्रो सिटी कोलकाता अब सबसे तेज़ी से विस्तार पाता हुआ नेटवर्क बनने की दिशा में बढ़ रही है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस पूजा से पहले कोलकातावासियों को 13.62 किलोमीटर की नई मेट्रो लाइन का तोहफा देंगे. मेट्रो रेलवे ने मंगलवार शाम बयान जारी कर बताया कि तीन अहम रूट- ग्रीन लाइन (एस्प्लेनेड-सीलदह), येलो लाइन (नॉआपाड़ा-जय हिंद विमानबंदर) और ऑरेंज लाइन (हेमंत मुखोपाध्याय-बेलियाघाटा) यात्रियों के लिए खोले जाएंगे. इससे हावड़ा मैदान से लेकर साल्ट लेट तक और दक्षिणेश्वर से लेकर दक्षिण कोलकाता के चप्पे-चप्पे तक महानगर कोलकाता मेट्रो से जुड़ जाएगा. 22 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों इसका उद्घाटन होना है. यह केवल बुनियादी ढांचे का विस्तार नहीं बल्कि कोलकाता की जीवनशैली में बड़ा बदलाव लाने वाली पहल मानी जा रही है. दशकों से यातायात जाम, भीड़भाड़ और खासकर दुर्गा पूजा के समय की अव्यवस्था झेलने वाले शहर के लिए यह नया नेटवर्क एक तरह का त्योहारी तोहफ़ा साबित होगा.

1984 से 2014 : धीमी रफ्तार, 2014 के बाद तेज़ प्रगतिः रेलवे ने अपने बयान में बताया है कि कोलकाता ने 1984 में भारत की पहली मेट्रो सेवा शुरू कर देश को गौरव दिया था. लेकिन उसके बाद तीन दशकों तक रफ्तार बेहद धीमी रही. 1984 से 2014 तक केवल 27.99 किलोमीटर मेट्रो ट्रैक बिछ पाया. वहीं, पिछले 10 सालों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 45 किलोमीटर नया नेटवर्क जुड़ा है, जो

पिछले 30 साल के मुकाबले 161 फीसदी अधिक है. यही कारण है कि अब कोलकाता न केवल पहली मेट्रो सिटी कहलाता है बल्कि सबसे तेज़ी से बढ़ता मेट्रो नेटवर्क भी बनने की ओर है.

तीन नई लाइनों का महत्व

ग्रीन लाइन (एस्प्लेनेड-सियालदह) : यह रूट कोलकाता की दो अहम धड़कनों को जोड़ेगा. जहां पहले सड़क मार्ग से एक घंटे तक लगते थे, वहीं अब मेट्रो से सफर 11 मिनट में पूरा होगा. इससे प्रतिदिन करीब छह लाख यात्रियों को लाभ होगा.

येलो लाइन (नॉआपाड़ा-जय हिंद हवाई अड्डा) : लंबे समय से कोलकातावासियों की एयरपोर्ट तक सीधी मेट्रो की मांग अब पूरी होगी. एस्प्लेनेड से नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा तक का सफर, जो सड़क से लगभग एक घंटे में होता था, अब केवल 30 मिनट में पूरा होगा. यात्रियों, एयरपोर्ट कर्मचारियों और परिवारों के लिए यह बड़ी राहत होगी.

ऑरेंज लाइन (हेमंत मुखोपाध्याय-बेलियाघाटा) : इस रूट से साइंस सिटी और बेलियाघाटा के पास स्थित प्रमुख अस्पतालों तक पहुंच आसान होगी. मरीजों और उनके परिजनों के साथ-साथ छात्रों और नौकरीपेशा लोगों को भी लाभ मिलेगा.

भविष्य में यही लाइन आईटी हब सॉल्ट लेक सेक्टर त से जुड़कर युवा पेशेवरों को बेहतर सुविधा देगी.

ट्रैफिक जाम और प्रदूषण से राहतः रेलवे ने बताया है कि कोलकाता की बड़ी चुनौती हमेशा से ट्रैफिक जाम रही है. सियालदह फ्लाईओवर, ईएम बाईपास और एयरपोर्ट रोड जैसे इलाकों में भीड़भाड़ आम बात है. नई मेट्रो लाइनें न केवल सड़क यातायात का बोझ घटाएंगी बल्कि प्रदूषण और यात्रा से जुड़ा तनाव भी कम करेंगी. पूजा जैसे त्योहारों में जब लाखों लोग शहर की गलियों में उतरते हैं, तब यह मेट्रो नेटवर्क 'जाम-मुक्त यात्रा' का भरोसा देगा. कुल मिलाकर कहें तो नई लाइनों के शुरू होने से यात्रियों को रोज़ाना कई घंटे की बचत होगी. उदाहरण के लिए, एस्प्लेनेड से हावड़ा मैदान तक का सफर, जो सड़क से लगभग 20 मिनट में तय होता था, अब मेट्रो से केवल पांच मिनट में पूरा होगा. इसका सीधा असर लोगों की जीवनशैली पर पड़ेगा-परिवार, पढ़ाई और काम के लिए अधिक समय मिलेगा.

स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावाः मेट्रो के विस्तार से केवल यात्रियों को ही लाभ नहीं होगा बल्कि शहर की अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी. दमदम, गरियाहाट, पार्क स्ट्रीट और एस्प्लेनेड जैसे इलाकों में कारोबार और रोज़गार के अवसर बढ़ेंगे. स्टेशनों के आसपास छोटे दुकानदारों और कारोबारियों को अतिरिक्त ग्राहक मिलेंगे, वहीं बेहतर कनेक्टिविटी के कारण उद्योग और निवेश भी आकर्षित होंगे.कोलकाता मेट्रो अब केवल एक परिवहन साधन नहीं, बल्कि पूरे शहरी ढांचे का हिस्सा बन चुकी है.

दमदम, सियालदह और हावड़ा जैसे इंटरचेंज स्टेशनों से यह उपनगरीय रेल और अन्य सार्वजनिक परिवहन से जुड़कर यात्रियों को बहुस्तरीय और निर्बाध सफर का अनुभव कराती है.

कोलकाता का गौरव, कोलकाता का क्षणः 1984 में शुरू हुई मेट्रो सेवा पीढ़ियों की पहचान और गौरव रही है. अब दशकों बाद शहर फिर एक नए गौरव अध्याय में प्रवेश कर रहा है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह तोहफ़ा केवल यात्रा को आसान नहीं बनाएगा, बल्कि कोलकातावासियों को दिलों से जोड़ने वाला सफर साबित होगा.दुर्गा पूजा के अवसर पर जब पूरा शहर उमंग और भक्ति में डूबा होगा, तब यह नई मेट्रो कनेक्टिविटी सिटी ऑफ़ जॉय के नाम को और सशक्त करेगी.

यूनियन का भूख हड़ताल 21 अगस्त को

सिलीगुड़ी : उत्तर बंगाल स्टेट ट्रांसपोर्ट एम्प्लाइज यूनियन की सिलीगुड़ी शाखा ने कर्मचारियों की उचित मांगों को लेकर 21 अगस्त को भूख हड़ताल का आह्वान किया है.उत्तर बंगाल स्टेट ट्रांसपोर्ट एम्प्लाइज यूनियन के सदस्यों ने मंगलवार को पत्रकार सम्मेलन कर इसकी जानकारी दी है. यूनियन के सदस्यों का आरोप है कि कर्मचारी लंबे समय से बकाया वेतन नहीं मिला है. जबकि यूनियन नौकरी की अनिश्चितता और कर्मचारियों की संख्या में कमी जैसी समस्याओं का समाधान न होने से बेहद नाराज है. वर्तमान में सेवा केवल 400 कर्मचारियों के साथ चल रही है, जो पर्याप्त नहीं है. सरकार की गैर-जिम्मेदारी और निजीकरण की राह पर चलने की कोशिश परिवहन कर्मचारियों के जीवन और आजीविका को खतरे में डाल रही है. जिससे उत्तर बंगाल की युवा पीढ़ी भी परिवहन क्षेत्र में रोजगार के अवसरों से वंचित हो रही है.

विधायक डाक्टर पोद्दार ने विकास से जुड़े कार्यों पर विस्तृत चर्चा की

कुल्टी : मंगलवार को सेल डीआईसी, बर्नपुर के साथ कुल्टी के विधायक डाक्टर अजय कुमार पोद्दार ने बैठक कर कुल्टी विधानसभा के विकास से जुड़े विभिन्न कार्यों पर विस्तृत चर्चा की. साथ ही लम्बित कार्यों को लेकर भी आग्रह किया. कि उन्हें शीघ्रता से पूर्ण किया जाए.बैठक के दौरान स्टैच्यू ऑफ इक्वैलिटी डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर जी की प्रतिमा स्थापित करने हेतु स्थल का निरीक्षण किया गया. और सेल रोड की मरम्मत के विषय पर भी चर्चा की गई.इस अवसर पर कुल्टी के विधायक डॉ. अजय पोद्दार भी उपस्थित रहे. और क्षेत्र के समग्र विकास कार्यों को गति देने पर विचार-विमर्श किया.वही डीआइसी ने भी आश्वासन दिया कि हर समस्या को जल्द ही समाधान किया जाएगा.मौके पर कुल्टी सेल ग्रोथ के सीजीएम सुशांतो घोष,भाजपा जिला उपाध्यक्ष केशव पोद्दार सहित काफी सारे भाजपा समर्थक मौजूद थे.

न्यूज कॉर्नर

बंगाल बीजेएमसी में बदलाव से कईयों के पर कतरे

कोलकाताः भारतीय जनता मज़दूर सेल, पश्चिम बंगाल प्रदेश कमेटी की बैठक भारत सेवा हॉल में बीजेएमसी के राष्ट्रीय चेयरमैन डॉ. विश्वप्रिय रॉय चौधरी के नेतृत्व में आयोजित की गई. बैठक में बीजेएमसी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अर्नब चटर्जी मिंटू ने कई महत्वपूर्ण संगठनात्मक बदलाव के साथ ही पश्चिम बंगाल राज्य कमेटी और जिला कमेटियों की नई नियुक्तियों की औपचारिक घोषणा की. इस दौरान बीजेपी नेशनल कांउसिल के सदस्य राजकमल पाठक, बीजेएमसी के राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष दीपक शर्मा, प्रदेश महासचिव, हरियाणा संजय भारद्वाज, बंगाल के प्रदेश महासचिव (संगठन) प्रोसेनजीत कर, प्रदेश महासचिव तपन मैती, दक्षिण महासचिव वसीम अहमद, महासचिव, बारासात ट्रस्टूटल दत्ता व अन्य ने अपनी बात कही. बैठक में उपस्थित नेताओं ने संगठन के भावी एजेंडे, रणनीतियों और आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की. श्रमिकों को सशक्त बनाने, उनके अधिकारों की रक्षा करने और श्रम कानूनों, कल्याणकारी योजनाओं और ट्रेड यूनियनों की मज़बूती के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक रोडमैप तैयार किया गया.

केरल की सरकारी किताब में नेताजी पर आपत्तिजनक सामग्री पर तृणमूल बोली- तुरंत माफी मांगे सरकार

कोलकाताः केरल की एक सरकारी स्कूल की किताब में नेताजी सुभाषचंद्र बोस के देश छोड़ने को ब्रिटिशों के डर से भागना लिखा गया, जिसके बाद बड़ा विवाद खड़ा हो गया. तृणमूल कांग्रेस ने इसपर आक्रोश व्यक्त हुए कहा कि ये सीपीएम की बांग्ला विरोधी सोच का नतीजा है. असल में, चौथी कक्षा के टीचरों के लिए बनी एक गाइडबुक में यह लाइन लिखी गई थी. इसे स्टेट काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एससीईआरटी) ने तैयार किया था. मामला सामने आते ही बवाल बढ़ा, तो केरल सरकार ने सफाई दी कि ये भूल थी, जिसे तुरंत सुधार लिया गया है. साथ ही, जिन लोगों ने ये गड़बड़ी की, उन्हें आगे किसी भी काम से हटा दिया गया है. राज्य के शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने कहा, जैसे ही मामला सामने आया, तुरंत सुधार के आदेश दिए गए. किताबों में सिर्फ सही इतिहास ही रहेगा. हमारी सरकार कभी भी केंद्र की तरह इतिहास से छेड़छाड़ नहीं करती, इसलिए एससीईआरटी को साफ बता दिया गया है कि गलती करनेवालों को सभी जिम्मेदारियों से हटा दिया जाए. वहीं, तृणमूल कांग्रेस ने इसे जानबूझकर किया गया कदम बताया. पार्टी के राज्यसभा सांसद ऋतब्रत बंद्योपाध्याय ने कहा, नेताजी का देश छोड़ना, उनका मोहम्मद जियाउद्दीन नाम से बीमा एजेंट बनकर बाहर जाना और फिर आज़ाद हिंद फौज के जरिए आज़ादी की लड़ाई लड़ना-ये सबको पता है. तो सवाल ये है कि सीपीएम को ये इतिहास मालूम नहीं था, या उन्होंने जानबूझकर नजरअंदाज किया? उन्होंने आरोप लगाया, ये गलती नहीं बल्कि साफ-साफ बांग्ला आइकन को छोटा दिखाने की कोशिश है. सीपीएम हमेशा से बांग्ला विरोधी रही है. नेताजी का अपमान हुआ है और इसके लिए उन्हें खुलकर माफी मांगनी चाहिए.

त्योहारों के मौके पर अर्थव्यवस्था को झटका देने की साजिश नाकाम, 500 रुपए के 995 जाली नोट जब्त

कोलकाताः दुर्गापूजा और दीपावली जैसे त्योहारों के दौरान देश की आर्थिक स्थिति को प्रभावित करने की योजना को पश्चिम बंगाल पुलिस ने नाकाम कर दिया. सोमवार रात कोलकाता पुलिस की एसटीएफ और जंगीपुर जिले के क्राइम कंट्रोल यूनिट की संयुक्त कार्रवाई से फरक्का थाने की पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया, जिनके पास से 500 रुपए के 995 जाली नोट बरामद हुए. पुलिस सूत्रों ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान झारखंड के साहेबगंज निवासी खालिक शेख और कर्नाटक के बेंगलुरु निवासी मोहम्मद जाफर के रूप में हुई है. दोनों को 10 दिनों की पुलिस रिमांड के आवेदन के साथ मंगलवार को अदालत में पेश किया गया. जांच जारी है. एसडीपीओ फरक्का, शेख शमसुद्दीन ने बताया कि यह कार्रवाई रात लगभग नौ बजे की गई. पुलिस ने एक ऑटो को रोककर दो लोगों के बैग की तलाशी ली, जिसमें भारी संख्या में फर्जी नोट पाए गए.

कस्बा में फिर हुआ गैंगरेप

फिल्म में काम दिलाने के नाम पर मॉडल से बार-बार गैंगरेप

कोलकाता : लॉ कॉलेज के बाद कस्बा में एक और गैंगरेप की घटना सामने आई है. एक मॉडल ने दो व्यक्तियों पर फिल्म में काम दिलाने के नाम पर गैंगरेप के गंभीर आरोप लगाए हैं. युवती का आरोप है कि उसे कस्बा में अलग-अलग जगहों पर ले जाया गया और कई बार गैंगरेप किया गया. पुलिस ने बताया कि जिन दो लोगों पर आरोप लगे हैं, उनके नाम एस.एस.उद्दीन और राजश्री डे हैं. कोलकाता पुलिस के डिटेक्टिव चीफ रूपेश कुमार ने बताया कि सोमवार रात को एक युवती कस्बा थाने आई और गैंगरेप की शिकायत दर्ज कराई. दोनों आरोपियों के खिलाफ गैंगरेप का मामला दर्ज कर लिया गया है. घटना की जांच जारी है. पुलिस सूत्रों के मुताबिक, जांच शुरू कर दी गई है और पुलिस दोनों युवकों की पहचान की जांच कर रही है. साथ ही, यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या कोई फिल्मी कलाकार इन दोनों युवकों के संपर्क में है. युवती ने पुलिस को बताया कि घटना 2023 में शुरू हुई थी. उस दौरान दोनों आरोपियों ने उससे सोशल मीडिया पर बात की थी. यह बातचीत धीरे-धीरे दोस्ती में बदल गई. युवती मूल रूप से एक मॉडल है. दोनों युवकों ने खुद

को फिल्म निर्माता बताते हुए युवती को टॉलीवुड और बॉलीवुड में काम दिलाने का वादा किया. उन्होंने मनोरंजन उद्योग के कलाकारों से अपने संबंधों का दावा करके उसका विश्वास भी जीत लिया. लड़की ने आरोप लगाया कि दोनों युवक उसे मनोरंजन उद्योग की विभिन्न पार्टियों में ले जाते थे. फिर, फिल्मों में काम दिलाने के नाम पर, वे उसे कस्बा में कई जगहों पर ले गए और उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए.

बाद में, लड़की को पता चला कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है. दोनों युवक न तो निर्माता हैं और न ही उनका मनोरंजन उद्योग के किसी भी कलाकार से कोई संबंध है. लड़की का दावा है कि इसके बाद, उसने कई बार दोनों युवकों से संपर्क करने की कोशिश की लेकिन कथित तौर पर वे उसके साथ आगे कोई संबंध नहीं रखना चाहते थे. शिकायत में यह भी कहा गया है कि घटना को गुप्त रखने के लिए उसे धमकाया गया. इसके बाद, लड़की को मजबूरन पुलिस से संपर्क करना पड़ा. लालबाजार सूत्रों के अनुसार, लड़की की मेडिकल जांच की व्यवस्था की जा रही है और जांचकर्ता इस घटना की जांच के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रहे हैं. दोनों आरोपी युवकों के खिलाफ सामूहिक बलात्कार का मामला भी दर्ज किया गया है. गौरतलब है कि कुछ महीने पहले कस्बा इलाके के एक लॉ कॉलेज में एक छात्रा पर सामूहिक बलात्कार का आरोप लगा था. उस घटना में कॉलेज के एक पूर्व छात्र और दो छात्रों को गिरफ्तार किया गया था. इस घटना के खत्म होते ही कस्बा में फिर से सामूहिक बलात्कार के आरोप सामने आने से इलाके में तनाव फैल गया है.

अभिषेक बनर्जी ने तृणमूल कार्यकर्ताओं को दी सख्त चेतावनी

गुटबाज़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी

कोलकाताः तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी ने मंगलवार को संगठन मज़बूत करने के लिए बारासात संगठनात्मक ज़िले के नेताओं के साथ अहम बैठक की. 2026 पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले हुई इस बैठक में उन्होंने गुटबाज़ी को लेकर कड़ा संदेश दिया और स्पष्ट कहा कि पार्टी में किसी भी तरह की आपसी लड़ाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी. बैठक को लेकर पार्टी सूत्रों ने बताया कि बारासात ज़िले में कई बार गुटीय संघर्ष की शिकायतें सामने आई थीं, जिसके मद्देनज़र अभिषेक बनर्जी ने यह चेतावनी दी. उन्होंने ज़िला नेताओं से कहा कि वे आपसी मतभेदों को तुरंत सुलझाएं और संगठन को एकजुट रखकर मज़बूत करें. अभिषेक ने इस दौरान वरिष्ठ नेताओं के योगदान की सराहना करते हुए नए नेताओं से उन्हें सम्मान देने की अपील की.

उन्होंने साफ निर्देश दिया कि संगठनात्मक ढांचे को मज़बूत करने के लिए पुराने और नए नेतृत्व के बीच संतुलन बनाए रखा जाए. बैठक अभिषेक बनर्जी के कैमैक स्ट्रीट स्थित कार्यालय में हुई. इसमें पूर्व मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक से भी उन्होंने मुलाक़ात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली. सूत्रों के मुताबिक, बैठक में ब्लॉक अध्यक्ष बदलने के मुद्दे पर भी चर्चा हुई और यह साफ़ किया गया कि अंतिम निर्णय पार्टी नेतृत्व ही करेगा. इसके अलावा यह नियम भी दोहराया गया कि कोई भी नेता पार्टी में दो पदों पर नहीं रह सकता. साथ ही, युवा तृणमूल के लिए पूर्व में तय की गई 40 वर्ष की ऊपरी आयु सीमा का पालन सुनिश्चित करने का भी निर्देश अभिषेक ने दिया. पार्टी जानकारों का मानना है कि आगामी विधानसभा चुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस अपने संगठन को दुरुस्त करने और गुटबाज़ी पर अंकुश लगाने की कवायद में जुटी है.

आनंदपुर नहर से युवक-युवती के शव बरामद, हत्या और आत्महत्या की आशंका

कोलकाताः पूर्व कोलकाता के आनंदपुर नहर इलाके में सोमवार रात से लापता एक युवक और युवती के शव मंगलवार को बरामद किए गए. एनडीआरएफ की टीम ने तलाशी अभियान चलाकर पहले युवक का शव देर रात और मंगलवार सुबह युवती का शव बरामद किया. पुलिस को आशंका है कि यह मामला हत्या और आत्महत्या से जुड़ा हो सकता है. मृत युवक की पहचान रोहित अग्रवाला (25) के रूप में हुई है. मिली जानकारी के अनुसार, युवक सोमवार रात करीब 10 बजे अपनी परिचित युवती को स्कूटी चलाना सिखाने आनंदपुर नहर किनारे गया था. दोनों पास के पंचन्ना ग्राम इलाके के रहने वाले थे और एक-दूसरे को लंबे समय से जानते थे. परिजनों के अनुसार देर रात तक घर नहीं लौटने पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी. इसके बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए एनडीआरएफ की मदद से तलाशी शुरू की. तलाशी अभियान के दौरान नहर किनारे युवती की स्कूटी खड़ी मिली, जबकि दोनों लापता थे. प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उन्होंने रात में युवती की चीख सुनी थी और जब बाहर आए तो केवल स्कूटी नहर किनारे दिखी. इसके बाद आसपास के लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी थी. पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आशंका है कि दोनों के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ और इस तरह बढ़ गया कि युवक ने पहले युवती को पानी में धक्का दिया होगा और फिर खुद भी कूदकर आत्महत्या कर ली. घटनास्थल से एक मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है. मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि रिपोर्ट आने के बाद ही असली कारण साफ होगा. साथ ही परिवार और स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है. स्थानीय लोगों ने घटना पर हैरानी जताई है. उनका कहना है कि दोनों अक्सर साथ में देखे जाते थे और ऐसे हादसे की उम्मीद किसी को नहीं थी.

राज्य की शिक्षा व्यवस्था ध्वस्ति के कगार पर: शुभेंदु अधिकारी

कोलकाताः पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया है कि तृणमूल कांग्रेस सरकार की लापरवाही और राजनीतिक स्वार्थ के कारण राज्य की शिक्षा व्यवस्था पतन के कगार पर पहुंच गई है. उन्होंने इस संकट से निपटने के लिए राज्यपाल सी. वी. आनंद बोस से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है. अधिकारी ने बताया कि उनके नेतृत्व में पंद्रह सदस्यीय भारतीय जनता पार्टी प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा. इस ज्ञापन में शिक्षा व्यवस्था को बचाने और युवाओं के भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए त्वरित कार्रवाई की मांग की गई. ज्ञापन में कहा गया है कि उच्च माध्यमिक परीक्षा परिणाम घोषित हुए तीन महीने से अधिक हो चुके हैं, लेकिन अब तक सरकारी कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है. वहीं, संयुक्त

प्रवेश परीक्षा के परिणाम भी राज्य में घोषित नहीं किए गए, जबकि अन्य राज्यों में न केवल प्रवेश पूरे हो चुके हैं, बल्कि कक्षाएं भी आरंभ हो गई हैं. अधिकारी ने आरोप लगाया कि यह स्वतंत्र भारत के इतिहास में अभूतपूर्व स्थिति है. करीब पांच लाख छात्रों का भविष्य अधर में लटका हुआ है. भारतीय जनता पार्टी नेता ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आरोप लगाया कि वे बच्चों के भविष्य से अधिक वोट बैंक की राजनीति और तुष्टिकरण को तरजीह दे रही हैं. ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि राज्य सरकार राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग सूची में शामिल न होने के बावजूद 76 मुस्लिम समुदायों को ओबीसी वर्ग में शामिल करने की साजिश कर रही है. शुभेंदु अधिकारी ने आगे कहा कि सरकारी संस्थानों में प्रवेश प्रक्रिया रोककर निजी संस्थानों को फलने-फूलने देना शिक्षा संकट की बड़ी वजह है. उनके अनुसार, मुख्यमंत्री शिक्षा व्यवस्था के पूर्ण निजीकरण की दिशा में बढ़ रही हैं और छात्रों के भविष्य को मुनाफाखोर संस्थानों के हाथों सौंप रही हैं. नंदीग्राम से विधायक अधिकारी ने राज्यवासियों से अपील करते हुए कहा कि यह लड़ाई आने वाली पीढ़ी के लिए है. हर जागरूक नागरिक को इस अन्याय के खिलाफ आवाज उठानी होगी. आइए, हम सब मिलकर बंगाल के पांच लाख से अधिक छात्रों का भविष्य सुरक्षित करें.

पूर्व रेलवे के प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक डॉ.उदय शंकर झा के द्वारा मिला सम्मान

हावड़ा के मुख्य टिकट निरीक्षक (जेनरल) महेंद्र प्रसाद को मिला पीसीसीएम एवार्ड

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: सोमवार को प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक कार्यालय कोलकाता में महेंद्र प्रसाद मुख्य टिकट निरीक्षक (जेनरल) पूर्व रेलवे हावड़ा को प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक डॉक्टर उदय शंकर झा एवं वरीय वाणिज्य प्रबंधक की उपस्थिति में पीसीसीएम अवार्ड से नवाजा गया है. यह अवार्ड पूर्व रेलवे में कार्यरत वाणिज्य कर्मचारियों को उनके बेहतर एवं सराहनीय कार्य करने के लिए दिया जाता है, जिससे रेल कर्मचारी एवं पदाधिकारी का मनोबल बढ़ता है और कार्य क्षमता में बढ़ोतरी होती है. महेंद्र प्रसाद इस पद पर रहते हुए बहुत ही प्रेम और ईमानदारी से कार्य करते रहे हैं खासकर ट्रेन मैनिंग एवं टिकट चेकिंग व राजस्व वसूली के क्षेत्र में इन्होंने बेहतरीन उदाहरण पेश किया है साथ ही साथ टिकट चेकिंग कर्मचारी चाहे वह एमिनिटी हो या लोकल स्कॉड में हो, इन्होंने सभी की समस्याओं को प्रेम पूर्वक सुनते हुए उसका निदान करते हैं, श्री प्रसाद का कहना है कि मैं इस यूनिट को प्रेम और ईमानदारी के साथ चलाता हूं. स्वच्छता के क्षेत्र में भी इन्होंने उल्लेखनीय कार्य किए हैं, जब से वे इस पद पर आए हैं अपनी बेहतर सूझ-बूझ से कार्यालय का स्वरूप बदल दिया है, बिल्कुल स्वच्छ वातावरण बना दिया है, जिससे सभी कर्मियों को अपने कार्यालय में कार्य करते हुए अच्छा महसुस होता है. वास्तव में वे इस सम्मान के वाजिब हकदार थे,उन्होंने पीसीसीएम अवार्ड दिए जाने पर पूर्व रेलवे के पीसीसीएम डॉ उदय शंकर झा, सीनियर डीसीएम राहुल रंजन, डीसीएम हरिनारायण गांगुली के प्रति आभार प्रकट किया. साथ ही साथ उनके इस उपलब्धि पर लोगों ने श्री प्रसाद को शुभकामनाएं दी हैं जिसमें मुख्य रूप से एसीएम उदय शंकर ठाकुर, एसीएम सरिता कुमारी, सीटीआई(1) संजीव साहा, मुख्य टिकट निरीक्षक बी.एन. घोष, मुख्य टिकट निरीक्षक इंद्रजीत सरकार, मुख्य टिकट निरीक्षक राजीव सिंह सहित हावड़ा के समस्त चेकिंग स्टाप की ओर से इस उपलब्धि के लिए श्री प्रसाद को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं.

दागी शिक्षक बताकर बंगाल स्कूल सर्विस कमिशन ने किया सौ उम्मीदवारों का आवेदन पत्र रद्द

कोलकाताः पश्चिम बंगाल स्कूल सर्विस कमीशन ने आगामी सेकंड स्टेट लेवल सिलेक्शन टेस्ट 2025 के लिए लगभग सौ उम्मीदवारों के आवेदन रद्द कर दिए हैं. रद्द किए गए आवेदन उन शिक्षकों के हैं जिन्हें वर्ष 2016 की भर्ती प्रक्रिया में दागी माना गया था. आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, उम्मीदवारों को तब झटका लगा जब उन्होंने एडमिट कार्ड डाउनलोड करने की कोशिश की और पाया कि उनके आवेदन अस्वीकृत हो चुके हैं. शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि राज्य की भर्ती प्रक्रिया में पहली बार इस स्तर पर आवेदन रद्द किए गए हैं. गौरतलब है कि तीन अप्रैल 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने 2016 की भर्ती प्रक्रिया के तहत नियुक्त लगभग 26 हजार शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्ति रद्द कर दी थी. इनमें से 17 हजार दो सौ छह शिक्षकों को 31 दिसंबर 2025 तक सेवा में रहने की अनुमति दी गई, जबकि शेष एक हजार 803 को दागी करार दिया गया था. इन्हीं में से करीब सौ लोगों ने नई परीक्षा के लिए आवेदन किया था.

मध्यमग्राम ब्लास्ट : उत्तर प्रदेश के युवक की मौत के आरोप में महिला और उसका पति गिरफ्तार

कोलकाताः उत्तर 24 परगना ज़िले के मध्यमग्राम हाई स्कूल के पास हुए विस्फोट में उत्तर प्रदेश के 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई थी. इस मामले में पुलिस ने एक दंपत्ति को गिरफ्तार किया है. मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश निवासी सच्चिदानंद मिश्रा के रूप में हुई है. प्रारंभिक जांच से पता चला है कि मृतक का एक विवाहित महिला से संबंध था और इसी को लेकर महिला व उसके पति के बीच अक्सर विवाद होता था. पुलिस के अनुसार, मिश्रा कथित तौर पर महिला के पति की हत्या करने की नीयत से मध्यमग्राम आया था. रविवार देर रात करीब एक बजे जब वह एक बैग लेकर हाई स्कूल के सामने से गुजर रहा था, तभी उसमें विस्फोट हो गया. सीसीटीवी फुटेज में धमाका दर्ज हुआ है. गंभीर रूप से घायल मिश्रा को तुरंत बारासात अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई. जांच अधिकारियों ने बताया कि मिश्रा एक आईटीआई छात्र था और हरियाणा की एक ग्लास फैक्ट्री में काम करता था. उसके पास से कोई पारंपरिक विस्फोटक नहीं मिला, बल्कि कुछ इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए गए. आशंका है कि उसने गलती से डिवाइस को सक्रिय कर दिया जिससे धमाका हुआ. पुलिस का कहना है कि मिश्रा पहले भी कई बार मध्यमग्राम आ चुका था और महिला के पति की अनुपस्थिति में वहीं ठहरता था. घटना से तीन दिन पहले भी वह इसी इलाके में मौजूद था. बारासात पुलिस ज़िले की एसपी प्रतिक्षा झारकड़िया ने बताया कि मृतक के इंस्टाग्राम प्रोफ़ाइल से उसके निजी जीवन में तनाव की जानकारी मिली है. युवती से प्रेम संबंध भी था संभवत उसी के कारण वह यहां आया हुआ था. घटनाक्रम के बाद युवती को पूछताछ के लिए बुलाया गया और पूछताछ के आधार पर उसको और उसके पति को गिरफ्तार कर लिया गया है. पुलिस अपनी तरफ से इस घटनाक्रम के हर एक पहलू की गंभीरता से जांच कर रही है. इस बीच, सोमवार सुबह मृतक के पिता अश्विनीकुमार मिश्रा मध्यमग्राम थाने पहुंचे. उन्होंने कहा कि उन्हें बेटे के कोलकाता आने या किसी निजी संबंध की जानकारी नहीं थी. उन्होंने पुलिस से बेटे के मोबाइल फोन की जांच की मांग की है.

भाजपा ने श्रमश्री योजना को बताया धप्पाश्री, सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

कोलकाताः पश्चिम बंगाल भाजपा ने राज्य सरकार की नई श्रमश्री योजना पर सवाल खड़े किए हैं. पार्टी के राज्य प्रवक्ता अधिवक्ता देवजीत सरकार ने मंगलवार को सॉल्ट लेक स्थित भाजपा कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस योजना को धप्पाश्री परियोजना करार दिया. उन्होंने कहा है कि कोविड काल में जब केंद्र सरकार ने प्रवासी मजदूरों के लिए विशेष ट्रेनें चलाई थीं, तब मुख्यमंत्री ने उन ट्रेनों को कोरोना ट्रेन कहकर उपहास किया था. लेकिन अब चुनाव से पहले मुख्यमंत्री श्रमिक भत्ता की घोषणा कर रही हैं, जबकि न तो इसके लिए कोई ठोस वित्तीय खाका पेश किया गया है और न ही बजट के स्रोत स्पष्ट हैं. देवजीत सरकार ने आरोप लगाया कि सरकार प्रवासी मजदूरों की सही संख्या और परिभाषा को लेकर भी भ्रम फैला रही है. मुख्यमंत्री कहती हैं कि राज्य में प्रवासी मजदूरों की संख्या 22 लाख है, जबकि भाजपा के पास उपलब्ध आंकड़े बताते हैं कि यह संख्या 40 लाख तक हो सकती है. ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर कितने लोगों को यह भत्ता मिलेगा, किन-किन पेशों को इसमें शामिल किया जाएगा और क्या इस योजना पर उचित ऑडिट हुआ है. जब सरकार कोर्ट में यह कह रही है कि कर्मचारियों को डीए नहीं दिया जा सकता तो इस योजना के लिए पैसे कहां से आएगा ? उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पिछली योजनाओं चाहे आवास योजना हो या अम्फान राहत में असली लाभार्थियों को दरकिनार कर तृणमूल समर्थकों को लाभ पहुंचाया गया. ऐसे में आशंका है कि श्रमश्री योजना भी चुनाव से पहले तृणमूल कैडरों तक धन पहुंचाने का जरिया बनेगी. भाजपा प्रवक्ता ने कहा है कि पार्टी को श्रमिकों को भत्ता देने पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन जनता के टैक्स का पैसा यदि तृणमूल कार्यकर्ताओं की जेब में जाएगा, तो इस योजना को भाजपा श्रमश्री नहीं बल्कि धप्पाश्री परियोजना ही कहेगी.

दिव्य शक्ति करती है लेंस का मार्गदर्शन : विश्व फोटोग्राफी दिवस पर द हेरिटेज अकादमी में ख्यात फोटोग्राफर सत्यकी घोष

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाताः दृश्यात्मक कहानी कहने के इस उत्सव में, द हेरिटेज अकादमी के मीडिया साइंस विभाग ने 19 अगस्त को विश्व फोटोग्राफी दिवस मनाया. इस अवसर को ख्यातनाम फोटोग्राफर श्री सत्यकी घोष के प्रेरणादायक मुख्य वक्तव्य ने विशेष बना दिया. वे महान दिवंगत श्री नेमाई घोष के सुपुत्र हैं, जो सिनेमा के महानायक सत्यजित रे के साथ अपने कार्य के लिए प्रसिद्ध थे. आधुनिक फोटोग्राफी में अपनी अलग पहचान बनाने वाले सत्यकी घोष ने कैमरे के पीछे की कला और आध्यात्मिकता पर गहन विचार साझा किए. उन्होंने कहा- फोटोग्राफी का संबंध ईश्वर से है. फोटोग्राफर को यह संकेत दिव्य शक्ति देती है कि कौन-सा क्षण

तस्वीर के लिए सर्वश्रेष्ठ है. उनके इस कथन से सभागार में पहले गहन नीरवता छा गई, और फिर जोरदार तालियों की गड़गड़ाहट से वातावरण गूँज उठा. इस अवसर पर शहर के लगभग 60 कॉलेजों के छात्रों की चुनी हुई कृतियों की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें पोर्ट्रेट और लैंडस्केप फोटोग्राफी शामिल थी. सत्यकी घोष की मौजूदगी-जो एक ओर परंपरा की विरासत और दूसरी ओर आधुनिक दृष्टि का संगम हैं-ने इस अवसर को विशेष गहराई प्रदान की. शिक्षक, विद्यार्थी और फोटोग्राफी प्रेमी एक साथ इकट्ठे हुए ताकि छवियों की रूपांतरण शक्ति का सम्मान कर सकें और यह समझ सकें कि लेंस न केवल क्षणों को कैद करता है, बल्कि अनदेखे सत्यों को भी उजागर करता है. मीडिया साइंस विभाग की डीन प्रोफेसर मधुपा बक्शी ने कहा - आज सत्यकी घोष का आगमन केवल फोटोग्राफी को श्रद्धांजलि नहीं है, बल्कि उस विरासत को भी सम्मान देना है, जो भारतीय सिनेमा के स्वर्ण युग से जुड़ी है. उद्घाटन सत्र में द हेरिटेज अकादमी के प्राचार्य प्रोफेसर गौर बनर्जी और हेरिटेज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के प्राचार्य प्रोफेसर बसब चौधुरी ने भी अपने विचार रखे. समापन एक खुले प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ, जिसमें सत्यकी घोष ने युवा फोटोग्राफरों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपनी प्रवृत्तियों पर भरोसा करें, गहराई से अवलोकन करें और क्षण के सामने सदैव विनम्र बने रहें.

पश्चिम बंगाल में 25 अगस्त तक भारी बारिश के आसार

कोलकाताः बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी युक्त हवाओं और मानसून की सक्रियता की वजह से पश्चिम बंगाल में 25 अगस्त तक भारी बारिश होने की संभावना है. भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को यह जानकारी दी. आईएमडी के मुताबिक कोलकाता, उत्तर और दक्षिण 24 परगना, पूर्व और पश्चिम मेदिनीपुर, हावड़ा, हुगली, नदिया, पूर्व बर्धमान, बांकुड़ा और झारग्राम जिलों में बिजली, मेघगर्जन और तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना है. विभाग के मुताबिक 25 अगस्त तक कुछ दक्षिणी जिलों में भारी वर्षा होने की संभावना है. उसने बताया कि इस अवधि के दौरान उत्तरी जिलों के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है, जबकि अलीपुरद्वार और जलपाईगुड़ी जिलों में भारी बारिश हो सकती है.

आपकी वेदना, हमारी संवेदना

युवा शक्ति समाचार पत्र उठावना का विज्ञापन मात्र 1500 रुपये में प्रकाशित करता है

(साइज 12x8)

सम्पर्क :
मो. : 9831572125, 9831494084
www.yuvashakti.news.com
email: yuvashakti@hotmail.com

संपादकीय

कामयाब होने के लिए स्वयं पर भरोसा होना चाहिए

कोलकाता | बुधवार | 20 अगस्त 2025

लाइलाज प्लास्टिक

इसमें दो राय नहीं कि मानव जीवन की सुविधा के लिये बना प्लास्टिक आज हमारी धरती के लिये ही घातक साबित हो रहा है. दूसरे शब्दों में कहें तो प्लास्टिक हमारे ग्रह का दम घोंट रहा है. निस्संदेह, इसको नष्ट करना बेहद कठिन है क्योंकि धरती में दबाएं तो भूमि की उर्वरता पर संकट आता है. इसको जलाएं तो विषैली गैसों से वातावरण प्रदूषित होता है. ये जल्दी से गलता भी नहीं है. अब तो महानगरों व शहरों की जलनिकासी को प्लास्टिक गहरे तक बाधित कर रहा है. यहां तक कि प्लास्टिक के बारीक कण मनुष्य के शरीर में प्रवेश कर रहे हैं. प्लास्टिक समुद्र में जा रहा है तो मछलियों को जहरीला बना रहा है. नदी, पहाड़ और मैदान सब प्लास्टिक कचरे के आगोश में हैं. लेकिन सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि भयावह संकट के बावजूद इससे निबटने के उपायों को लेकर वैश्विक सहमति नहीं बन पा रही है. वैश्विक प्लास्टिक संधि पर जिनेवा वार्ता विफल होने से इस बाबत वैश्विक विभाजन पूरी तरह उजागर हो गया है. दरअसल, लगभग सत्तर देशों का एक उच्च महत्वाकांक्षी समूह, जो प्लास्टिक पर वैश्विक सीमा और खतरनाक रसायनों पर नियंत्रण की मांग कर रहा है, अब तेल व पेट्रोकेमिकल उत्पादक एक समूह के खिलाफ खड़ा है, जो रीसाइक्लिंग, अपशिष्ट प्रबंधन और स्वैच्छिक प्रतिबद्धताओं को दर्शा रहे हैं. इस समूह में भारत भी शामिल है, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा प्लास्टिक प्रदूषक होने का दर्जा दिया जा रहा है. कहा जा रहा है कि वैश्विक प्लास्टिक उत्सर्जन में लगभग बीस फीसदी हिस्सा भारत का है. भारत इस बात पर जोर देता रहा है कि इस दौरान चरणबद्ध समाप्ति की समय सीमा वाले उत्पादों या रसायनों की कोई वैश्विक सूची नहीं होनी चाहिए. भारत की दलील तार्किक है कि विभिन्न देशों की राष्ट्रीय परिस्थितियों और क्षमताओं पर उचित विचार किया जाना चाहिए. विडंबना यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले पेट्रोकेमिकल क्षेत्र, माइक्रो प्लास्टिक प्रदूषण का भी एक प्रमुख स्रोत है. लेकिन इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि इस तरह के प्रदूषण का पारिस्थितिकीय तंत्र, जैव विविधता और मानव स्वास्थ्य पर गहरा असर होता है. खासकर हमारे शरीर पर पड़ने वाले घातक प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. निश्चित रूप से यह एक हकीकत है कि औद्योगिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन साधना एक टेढ़ी खीर है. लेकिन इसके बावजूद इस दिशा में सार्थक प्रयास करने जरूरी हैं. इस संकट से मुकाबला करने के लिये भारत को समान विचारधारा व परिस्थितियों वाले चीन, रूस और सऊदी अरब जैसे देशों के साथ मिलकर काम करना होगा. बहुत संभव है कि प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय कानून बाध्यकारी साधन के रूप में कारगर सिद्ध हो सके, लेकिन इससे लोगों और पर्यावरण के प्रति सरकारों की जिम्मेदारी कम नहीं हो सकती. बहुत संभव है कि प्रदूषणकारी उद्योगों पर कार्रवाई कड़ा संदेश दे सकती है. वहीं दूसरी ओर भारत सरकार को पहचाने गए एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध की प्रभावशीलता और उसके प्रवर्तन में कमियों का भी गंभीरता से आकलन करना चाहिए. इसके लिये जनजागरण अभियान चलाने की भी जरूरत है ताकि लोग प्लास्टिक के विकल्प अपनाने के प्रति उत्साह दिखाएं. अंततः सभी प्रमुख हितधारकों – केंद्र सरकार व राज्यों की सरकारों, जनता, उद्योग जगत को देश में प्लास्टिक के खतरनाक स्तर को कम करने में मदद करने के लिये आगे आना होगा. हमें ध्यान रखना होगा कि भारत को विकसित, आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने का सपना पर्यावरण अनुकूल दृष्टिकोण को अपनाए बिना पूरा नहीं हो सकता. यह हमारे पर्यावरण संरक्षण के अलावा नागरिकों के स्वास्थ्य से भी जुड़ा मुद्दा भी है. लोगों को समझना होगा कि सिंगल यूज प्लास्टिक के विकल्प अपनाने में उनका ही हित है. हम बाजार से सामान लाने में प्लास्टिक के थैलियों के इस्तेमाल के बजाय कपड़े या अन्य वैकल्पिक साधनों को अपनाएं. हमें स्कूली पाठ्यक्रमों में भी प्लास्टिक संकट को एक विषय के रूप में अपनाना होगा. ताकि देश की भावी पीढ़ी प्लास्टिक के खतरों से अवगत हो. हमारी साझी पहल ही रंग ला सकती है.

बुजुर्ग बदल रहे अर्थव्यवस्था की चाल, चमकने लगी 'सिल्वर इकोनॉमी'

– हरीश शिवनानी

अपने सनक भरे टैरिफ वार के चलते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पिछले दिनों जब भारत को 'डेड इकोनॉमी' बताकर अतिरिक्त व्यापार कर थोप दिया तो भारत सहित दुनियाभर के अर्थशास्त्रियों ने उनकी बात पर बहुत हैरानी ज़ाहिर की. वज़ह कि, इस समय दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था भारत ही है. विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के मुताबिक भारतीय अर्थव्यवस्था 6.4 से 6.7 फीसदी की दर से बढ़ रही है जबकि अमेरिका की 1.9 की दर से, यानी दो से भी कम. भारत की इस बढ़ती अर्थव्यवस्था में समाज के एक ऐसे वर्ग का हाथ है, जिसे अब तक 'अनुत्पादक' माना जाता रहा है. आज का 60 प्लस आयु वर्ग भारत में एक आर्थिक शक्ति बन कर उभर रहा है. यह समूह धन और उपभोक्ता खर्च के एक बड़े हिस्से को नियंत्रित कर रहा है. हाल के वर्षों में बुजुर्ग पीढ़ी में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है, जो मितव्ययिता और पोते-पोतियों की देखभाल पर केंद्रित घर-केंद्रित जीवनशैली की अपनी पारंपरिक छवि से हटकर नई छवि गढ़ रही है. यह पीढ़ी अब भारत की 'सिल्वर इकोनॉमी' को चमका रही है. 'सिल्वर इकोनॉमी' शब्द बुजुर्ग आबादी से जुड़ी आर्थिक गतिविधियों को समाहित कर उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं को बताती है. वित्त वर्ष 2023-24 में बुजुर्गों ने भारतीय अर्थव्यवस्था में करीब 68 अरब डॉलर का योगदान दिया है जो भारत के सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) का तीन प्रतिशत है. गैर सरकारी संगठन 'रोहिणी निलेकणी फिलान्थ्रोपीज' की हाल ही जारी रिपोर्ट 'लोंगेविटी: ए न्यू वे आफ अंडरस्टैंडिंग ऐजिंग' में कहा गया है कि वृद्धजनों की ज़रूरतों में आर्थिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण, भागीदारी की स्वतंत्रता और सामाजिक जुड़ाव प्रमुख हैं. भारत में आर्थिक सुधारों और छठा और सातवां वेतन आयोग लागू होने के बाद औसत वास्तविक आय में वृद्धि हुई है. 'सिल्वर इकोनॉमी' को बढ़ाने में बुजुर्गों का योगदान दो तरह से है. प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष. प्रत्यक्ष योगदान के तहत बुजुर्गों की आय विभिन्न स्रोतों से आती है, जो उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर निर्भर करती है. ग्रामीण क्षेत्रों में 35 प्रतिशत से अधिक बुजुर्ग खेती, कुटीर उद्योगों या छोटे व्यवसाय, दुकानदारी में संलग्न हैं तो नगरीय बुजुर्ग कौशल आधारित कार्यों पर. इनमें सेवानिवृत्त शिक्षक, डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, वित्त-कर, शैक्षणिक या तकनीकी सलाहकार की भूमिका में आय अर्जित कर रहे हैं. इनके अलावा पेंशन, सामाजिक सुरक्षा राशि, सावधि जमा राशि, प्रॉपर्टी किराया छोटी बचत के अलावा स्टॉक मार्केट, निवेश, अन्य अंशकालिक कार्य से भी उनकी आय होती है. इससे अलग बुजुर्गों का अर्थव्यवस्था में अप्रत्यक्ष योगदान भी बढ़ रहा है. मसलन, पारिवारिक देखभाल की श्रेणी में वे प्रति वर्ष लगभग 14 अरब घंटे बच्चों की देखभाल में समय देते हैं, जिससे उनके परिवार की युवा पीढ़ी निश्चित होकर व्यवसाय, नौकरी, प्रोफेशनल गतिविधियों में भाग ले पाती है. इसी तरह बुजुर्ग प्रति वर्ष 2.6 अरब घंटे वे सामुदायिक कार्यों (जैसे धार्मिक-सामाजिक-सामुदायिक आयोजन, स्थानीय प्रशासन) में योगदान देकर उनका व्यय बचाकर अपना योगदान देते हैं. आय प्राप्ति के बाद बुजुर्ग अपनी आय को अनेक क्षेत्रों में खर्च करते हैं, जिससे अर्थव्यवस्था को गति मिलती है. पहला और महत्वपूर्ण बिंदु है स्वास्थ्य. रिटायरमेंट और कमजोर होते शरीर से भी बुजुर्ग योगदान देकर अर्थव्यवस्था की चाल बदल रहे हैं. हेल्थ और फार्मा उद्योग तो अधिकतम बुजुर्गों पर ही निर्भर है. बुजुर्ग परिवार स्वास्थ्य पर औसतन 12 प्रतिशत खर्च करते हैं. राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग के अनुसार, उम्र-संबंधी बीमारियों आम हैं, जिससे दवाओं, अस्पतालों, स्वास्थ्य-बीमा, हैल्थ सप्लीमेंट्स,और सहायक चिकित्सा उपकरणों की मांग बढ़ती है. भारत में साल 2027 तक स्वास्थ्य सेवाओं के 1.74 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है. अमीर बुजुर्ग 'सीनियर लिविंग कम्युनिटीज' में निवेश करते हैं, जबकि मध्यम वर्ग धार्मिक पर्यटन (जैसे तीर्थयात्रा) पर खर्च करता है. इस सेक्टर में यह वर्ग तेजी से प्रमुख उपभोक्ता शक्ति बनता जा रहा है. इसके अलावा, यह पीढ़ी अब अपने व्यक्तित्व को निखारने पर भी ध्यान दे रही है. यह समूह पहले से अधिक अधिक सौंदर्य प्रसाधन, वस्त्र और आभूषण भी खरीद रहा है, जिससे घरेलू और विदेशी, दोनों ही लक्ज़री ब्रांडों को लाभ हो रहा है. बुजुर्ग अपनी बचत को सावधि जमा, म्यूचुअल फंड, या अन्य निवेश में लगाते हैं, जिससे वित्तीय क्षेत्र में पूंजी प्रवाह बढ़ता है. पके हुए चांदी जैसे बालों वाली आधुनिक बुजुर्ग पीढ़ी की बढ़ी हुई संपत्ति ने धन प्रबंधन, वित्तीय नियोजन और बीमा क्षेत्रों में वृद्धि को प्रोत्साहित किया है. आधुनिक दौर में वृद्धाश्रमों और डे-केयर केंद्रों की मांग बढ़ रही है, जो रोजगार सृजन और सेवा क्षेत्र को बढ़ावा देता है. विशेष डिज़ाइन वाले ये घर रियल एस्टेट कंपनियों द्वारा बनाए जाते हैं जो बुजुर्ग उपभोक्ताओं को सेवाएँ प्रदान करते हैं. ये तथ्य इस बात के संकेतक हैं कि भारत में बुजुर्गों पर आधारित बाजार तेज़ी से बढ़ रहा है. आर्थिक विश्लेषकों के मुताबिक सालाना 6.2 प्रतिशत की गति से बढ़ती 'सिल्वर इकोनॉमी' 2030 तक 12 बिलियन डॉलर तक हो सकती है और मौजूदा स्थिति बनी रहती है, तो 2050 तक करीब 35 करोड़ की बुजुर्ग जनसंख्या और उनकी खर्च करने की क्षमता एक ट्रिलियन डॉलर हो जाएगी जो जीडीपी में 4-5 प्रतिशत अतिरिक्त योगदान देगी. *(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)*

अपनी ही बिसात पर मात खा रहा है विपक्ष

–ललित गर्ग

भारत का लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है. यह केवल संख्याओं और मतों का खेल नहीं है, बल्कि एक ऐसी जीवंत प्रक्रिया है जिसमें सत्ता और विपक्ष दोनों की समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका होती है. सत्ता पक्ष जहां शासन संचालन और नीतियों को लागू करने के लिए जिम्मेदार होता है, वहीं विपक्ष लोकतंत्र का प्रहरी बनकर उसके हर कदम पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है, असंतोष को स्वर देता है और जनभावनाओं को दिशा देता है. लेकिन वर्तमान विपक्ष इन भूमिकाओं में नकारा साबित हो रहा है, ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्ष अपनी ही बिसात पर मात खा रहा है, जिस तरह से विपक्ष और विशेषतः कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वोट चोरी, ईवीएम में गड़बड़ी एवं मतदाता सूचियों के विशेष गहन परीक्षण पर बेतूके एवं आधारहीन आरोप लगाये हैं, उससे संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग की गरिमा एवं प्रतिष्ठा तो आहत हुई ही है, लेकिन विपक्ष की भूमिका भी कठघरे में दिख रही है. यह अच्छा हुआ कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने प्रेस कांफ्रेंस कर वोट चोरी सहित ऐसे ही बेहूदा, आधारहीन एवं गुमराह करने वाले राहुल गांधी के आरोपों का न केवल बिन्दुबार जबाव दिया, बल्कि उन्हें बेनकाब करते हुए यह भी कहा कि वे या तो अपने निराधार आरोपों के सन्दर्भ में शपथ पत्र दें या सात दिनों के भीतर देश से माफी मांगें. निश्चित ही राहुल गांधी को ऐसी चेतावनी देना आवश्यक हो गया था, क्योंकि वे अपने संकीर्ण एवं स्वार्थी राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिये लोकतंत्र की संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा को धुंधलाने की सारी हदें पार चुके हैं. हाल के दिनों में जिस तरह चुनाव आयोग, मतदाता सूची और वोट चोरी के आरोपों को लेकर बहस छिड़ी है, उसने इस प्रश्न को फिर से गहराई से सोचने को बाध्य किया है कि क्या लोकतंत्र में विपक्ष बेबुनियाद आरोप लगाते हुए अपनी भूमिका को प्रश्नों के घेरे में कब तक डालता रहेगा? विपक्ष बिना ठोस प्रमाण के बड़े आरोप लगाकर लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े कर देता है. क्या जनहित के नाम पर जनता के व्यापक हित से जुड़े सुधारों का विरोध करना विपक्ष का शगल बन गया है? पिछले एक दशक से विपक्ष लोकतंत्र को सशक्त बनाने की अपनी भूमिका की बजाय उसे कमजोर एवं जर्जर करने में जुटा है. उसने सत्ता-पक्ष को घेरने के लिये जरूरी मुद्दों को सकारात्मक तरीकों से उठाने की बजाय विध्वंसात्मक तरीकों से विकास के जनहितकारी मुद्दों को भी विवाद का मुद्दा बनाते हुए सारी हदें पार कर पार दी है. आधार को बैंक अकाउंट से जोड़ने का मामला हो या अनुच्छेद 370 को खत्म करना हो. सीएए-एनआरसी का मामला हो या हाल में चुनाव आयोग द्वारा बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन परीक्षण अभियान हो. विपक्ष मोदी सरकार के इन विकासमूलक सुधारों को जनहित के खिलाफ बताते हुए मुखर विरोध कर रहा हैं, जो लोकतंत्र को धुंधलाने की एक बड़ी साजिश प्रतीत होती है. निश्चित ही विपक्ष की इस खींचतान में सबसे बड़ी क्षति जनता की आस्था की होती है. जब चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता संदिग्ध बनाई जाती है, तो लोकतंत्र की नींव हिलने लगती है. लोकतंत्र में हार-जीत से भी बड़ा मुद्दा चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता होता है. विपक्ष केवल सत्ता की आलोचना करने के लिए नहीं है. उसका दायित्व है कि वह जनता की समस्याओं जैसे बेरोजगारी, महंगाई, जीएसटी की अतिश्योक्तिपूर्ण वसूली, पर्यावरण, सफाई, नारी की असुरक्षा जैसे ज्वलंत मुद्दों को उजागर

यही कारण है कि आज बार-बार सुप्रीम कोर्ट से हस्तक्षेप की माँग उठती है. यह स्थिति लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है, क्योंकि इसका अर्थ है कि जनता और राजनीतिक दल चुनाव आयोग व अन्य संवैधानिक संस्थाओं पर भरोसा नहीं कर पा रहे. इसलिए न्यायपालिका की भूमिका भी अब केवल विवाद सुलझाने की नहीं रह गई है, बल्कि लोकतंत्र के विश्वास को पुनः स्थापित करने की हो गई है, जबकि यह कार्य राजनीतिक दलों एवं चुनी हुई सरकारों का होता है. लोकतंत्र का सार यही है कि सत्ता और विपक्ष दोनों एक-दूसरे के पूरक हों, शत्रु नहीं. विपक्ष को केवल विरोध की राजनीति से बाहर आकर वैकल्पिक दृष्टिकोण देना होगा, और सत्ता-पक्ष को भी यह समझना होगा कि विपक्ष की आलोचना लोकतंत्र का अभिन्न हिस्सा है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रारंभ से ही विपक्ष को महत्व दिया है, उन्होंने संवेदनशील सरकार के साथ सृजनात्मक नेतृत्व का परिचय दिया है लेकिन विपक्ष जब आग्रह, पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह से घिरा हो तो सकारात्मक दिशाएं कैसे उद्घाटित हो सकती है? आज की राजनीति में लोकतंत्र और विपक्ष के बीच खींचतान तेज़ है. यह टकराव लोकतंत्र को कमजोर करने वाला नहीं बल्कि उसे और परिपक्व बनाने वाला होना चाहिए.

तरह संसद को ठप करने, व्यक्तिगत हमलों, दुष्प्रचार और असंवेदनशील आचरण पर आमादा है, उसने लोकतंत्र की गरिमा को ठेस पहुँचाई है. संसद सत्र, जहाँ जनता की समस्याओं का समाधान खोजा जाना चाहिए, वहाँ विपक्ष का रवैया अवरोध पैदा करने वाला अधिक दिखता है. महत्वपूर्ण विधेयकों पर सार्थक चर्चा के बजाय नारेबाज़ी और वॉकआउट आम बात हो गई है. यह स्थिति केवल सरकार ही नहीं, पूरे राष्ट्र के लिए घातक है. इतिहास गवाह है कि जब-जब विपक्ष ने रचनात्मक भूमिका निभाई है तो लोकतंत्र और मजबूत हुआ है. 1977 में आपातकाल के विरोध से लेकर 1989 तक विपक्ष ने लोकतंत्र को बचाने और पुनर्जीवित करने का कार्य किया. लेकिन 2014 के बाद से जिस तरह विपक्ष अपरिपक्व, निरंतर बिखरा हुआ, नेतृत्वविहीन और नकारात्मक एजेंडे पर केंद्रित रहा है, उसने लोकतांत्रिक संस्कृति को आघात पहुँचाया है. विदेशी ताकतें हमेशा से भारत की आंतरिक कमजोरी का फायदा उठाने की फिराक में रहती हैं. जब विपक्ष सरकार की नीतियों का विरोध करने के नाम पर राष्ट्र-विरोध, राष्ट्रीय सुरक्षा, सेना की कार्रवाई या विदेश नीति तक पर सवाल उठाने लगता है, तो इसका सीधा लाभ पाकिस्तान और चीन जैसे देशों को मिलता है. अंतरराष्ट्रीय मंच पर

करे, ठोस विकल्प प्रस्तुत करे और लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती में योगदान दे. केवल आरोप-प्रत्यारोप में उलझकर यदि विपक्ष अपनी ऊर्जा खर्च कर देता है तो वह जनता का विश्वास खो देता है. यही कारण है कि आज विपक्ष की स्थिति कमजोर मानी जा रही है, क्योंकि वह केवल आरोप लगाता हुआ दिखता है, समाधान प्रस्तुत करने में पिछड़ जाता है. सत्ता पक्ष को भी यह नहीं भूलना चाहिए कि लोकतंत्र केवल बहुमत से नहीं चलता, बल्कि सहमति और पारदर्शिता से भी चलता है. यदि विपक्ष लगातार सवाल उठा रहा है तो सत्ता पक्ष का कर्तव्य है कि वह धैर्यपूर्वक उत्तर दे, जाँच के रास्ते खोले और हर आरोप को तथ्यों से परखे. विपक्ष को नकार देना लोकतंत्र को कमजोर करना है. जब सत्ता और विपक्ष के बीच टकराव बढ़ता है, तब न्यायपालिका अंतिम सहारा बनती है.

आवश्यकता इस बात की है कि विपक्ष अपनी रचनात्मक भूमिका निभाए और सत्ता पक्ष उसकी आलोचना को स्वीकार कर उत्तरदायित्वपूर्ण जवाब दे. तभी लोकतंत्र की असली शक्ति और जनता के विश्वास को बनाए रखा जा सकता है. लोकतंत्र की शक्ति केवल सरकार में नहीं बल्कि एक सशक्त और रचनात्मक विपक्ष में भी निहित होती है. विपक्ष लोकतांत्रिक ढांचे का आवश्यक स्तंभ है, जो सत्ता पर निगरानी रखता है, नीतियों में कमियों को उजागर करता है और जनता की आवाज़ को सदन तक पहुँचाता है. लेकिन जब विपक्ष अपनी इस जिम्मेदारी को भूलकर केवल नकारात्मक राजनीति पर उतर आए, तो लोकतंत्र की नींव कमजोर होने लगती है और देश की छवि तथा स्थिरता पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो जाता है. आज भारत का विपक्ष जिस

भारत की छवि को धूमिल करना विपक्ष का उद्देश्य नहीं होना चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य से हालात यही इशारा कर रहे हैं. लोकतंत्र में मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन मतभेद को 'विघटन' में बदल देना खतरनाक है. विपक्ष को याद रखना होगा कि उसकी जिम्मेदारी केवल सत्ता पाने की नहीं, बल्कि देश की स्थिरता और विकास को सही दिशा देने की भी है. अगर विपक्ष अपने दायित्वों को नकारात्मक राजनीति में खोता रहा तो यह न केवल उसके लिए बल्कि पूरे लोकतंत्र के लिए आत्मघाती सिद्ध होगा. आज समय की मांग है कि विपक्ष आत्ममंथन करे, अपनी नीतियों और रणनीतियों को परखे तथा केवल विरोध के लिए विरोध करने की बजाय वैकल्पिक दृष्टि और ठोस समाधान प्रस्तुत करे. यही सच्चे लोकतंत्र का तकाज़ा है और यही राष्ट्रहित का मार्ग.

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

आपका जन्मदिन मंगलमय हो — 20 अगस्त

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ. आपकी जन्मतिथि 20 अगस्त है. अंक ज्योतिष के अनुसार आपकी जन्मतिथि का स्वामी ग्रह चन्द्रमा है. आपका जन्मांक कर्क राशि के अन्तर्गत आता है. इस माह का अधिपति ग्रह मंगल है. आप मंगल एवं चन्द्रमा ग्रह से आजीवन प्रभावी रहेंगे. आपका स्वभाव मृदु व दयालु प्रवृत्ति का होगा. अतीन्द्रिय ज्ञान की आप में अद्भुत क्षमता होगी. आप सादगी भरा जीवन व्यतीत करना चाहेंगे. आप आकर्षक प्रतिभा के धनी होंगे. आपके जीवन में एकाग्रता का अभाव रहेगा. आप छोटी-सी ही असफलता से निराश हो जायेंगे. आपका मुख्य उद्देश्य लक्ष्य की प्राप्ति करना होगा. आपको जनसम्पर्क से लाभ प्राप्त होगा. आप किसी भी समस्या पर तुरन्त निर्णय नहीं ले पायेंगे. अत्यधिक उदारता आपके लिए नुकसान दायक रहेगी. आप यथार्थवादी होंगे. यथार्थवादी होते हुए भी हमेशा कल्पना लोक में खोये रहेंगे. आप में प्रदर्शन की भावना अधिक रहेगी. चन्द्रमा तत्व की प्रधानता के कारण आप में स्त्रीत्व गुण की अधिकता रहेगी. जीवन में सफलता हेतु अपने अराध्य देव की पूजा एवं अर्चना बराबर करें. अपने दैनिक जीवन में सफेद रंग की वस्तुओं का प्रयोग करें. सफेद रंग की वस्तुओं का दान करें. गाय को घी लगा पराठा खिलावें. मुफ्त में किसी वस्तु की चाह न करें परोपकार करें. भाग्योदय के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें.

आपके लिए अनुकूल :-

मन्त्र	:	ॐ सों सोमाय नमः	मास	:	अप्रैल, सितम्बर एवं नवम्बर
व्रत	:	सोमवार	वर्ष	:	2, 11, 20, 29, 38, 47, 56, 65
दिन	:	सोमवार, मंगलवार एवं शुक्रवार	रंग	:	सफेद एवं क्रीम
दिनांक	:	2, 11, 20, 29	जन्मरत्न	:	मोती
उपरत्न	:	मून स्टोन	अंक	:	1, 4, 7
जड़ी	:	अनार की जड़	दिशा	:	नैऋत्य

यंत्र

7	2	9
8	6	4
3	10	15

वर्ष का महत्वपूर्ण समय – 20 जून से 20 जुलाई

हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित व अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद

विमल जैन एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, पंचक्रोशी मार्ग, भोजूबीर, वाराणसी-221002 मो0 : 09335414722

आपका आज का दिन 2025

मेषः आज रात्रि 6/36 बजे तक सफलता का सुयोग, सद्विचारों का उदय, आत्मिक शांति, शेष समय में कठिनाइयां, व्यवहार में लापरवाही नुकसानदायक, शत्रु सक्रिय।

वृषभः विचाराधीन योजना पर कार्यारम्भ, पारिवारिक समस्याओं के समाधान का मार्ग प्रशस्त, नवसमाचार की प्राप्ति से प्रसन्नता, प्रेम सम्बन्धों में अनुकूलता, धनागम भी।

मिथुनः पुरुषार्थ से कार्यसिद्धि, विशिष्टजनों से सम्पर्क उपयोगी, ज्ञान-विज्ञान की ओर अभिरुचि, राजकीय पक्ष से सहयोग, परिवार में उपस्थित मतभेद समाप्त।

कर्क : आज रात्रि 6/36 बजे तक निराशा, राजकीय पक्ष से उलझनें, स्वजनों से मनमुटाव, शेष समय शुभ, विनियोजित धन का प्रतिफल प्राप्त, नवउत्तरदायित्व का निर्वाह।

सिंह : आज रात्रि 6/36 बजे तक कठिनाइयों में कमी, समस्या का समाधान, स्वास्थ्य में सुधार, शेष समय किसी योजना को लेकर चिन्तित, मानसिक तनाव।

कन्याः कार्य-व्यवसाय में उन्नति, प्रियजनों के माध्यम से कुछेक मसले हल, आय के नवीन स्रोत, उपस्थित पारिवारिक सद्भाव, वैवाहिक जीवन में संतोष, यात्रा सुखद।

तुलाः मनोभिलाषित योजना मूर्तरूप में परिणित, शत्रु पराभूत, मित्रों से वांछित सहयोग, पठन-पाठन में रुचि, धन संचय की ओर प्रवृत्ति, प्रेम सम्बन्धों में प्रगाढ़ता।

वृश्चिक : आज रात्रि 6/36 बजे तक समय अशुभ, परिस्थितियों में व्यतिक्रम, स्वास्थ्य विपरीत, धन हानि भी, शेष समय में दिनचर्या व्यवस्थित, साहसिक प्रयास में प्रगति।

धनु : आज रात्रि 6/36 बजे तक समय संतोषजनक, लाभ का सुयोग, सुसंदेश की प्राप्ति, आपसी सम्बन्ध मधुर, शेष समय में प्रतिकूलता, योजना अधूरी, द्रव्य की क्षति।

मकरः निराशा का समापन, स्वास्थ्य सुधार पर, व्यक्तिगत जीवन में महत्वपूर्ण घटना घटित, दूसरों के आश्वासनों से मानसिक राहत, घरेलू वातावरण सुखद।

कुम्भः विचाराधीन योजना मूर्तरूप में परिणित, रचनात्मक गतिविधियों में वृद्धि, मनोविनोद के अवसर, प्रेम-सम्बन्धों में प्रगाढ़ता, आहार-विहार में नवीनता।

मीनः आज रात्रि 6/36 बजे तक इच्छापूति में व्यवधान, बढ़ते हुए खर्च से चिन्तित, अकारण भ्रमण, शेष समय बेहतर, व्यक्तिगत समस्या का समाधान, आत्मिक शांति।

- ज्योतिषाचार्य विमल जैन, वाराणसी, मो. नं. 09335414722

मानव धर्म-शास्त्र

लेखक : लक्ष्मी नारायण मीणा

मानव धर्मशास्त्र के प्रणेता
अवधूत देवी दास जी महाराज

अष्टम स्कन्ध

जन्मत सुत रां उचारी । पीड़ा प्रसव विगत महतारी ।।
चहुँदिसि भयउ प्रकृति उछाहु । मंगल सुगन अनुकूल सबाहु ।।

व्याख्या - जन्म लेते ही पुत्र ने रां नाम का उच्चारण किया, जिससे माता की प्रसव पीड़ा तुरन्त दूर हो गई । चारों तरफ प्रकृति में उत्साह छा गया तथा समस्त मंगलकारी सगुन होने लग गए ।

समाचार सुनि ऋषि सब आए । देखि मुख छवि आशीष बरसाए ।।
बालक इहँ होइब ब्रम्ह ग्यानी । सकल ऋषि मुनि कहा बखानी ।।

व्याख्या - समाचार सुनकर सब ऋषि आए और बालक की छवि देखकर आर्शीवाद देने लगे । सब ऋषि - मुनियों ने कहा कि यह बालक ब्रम्हज्ञानी होगा ।

दो - हुआ न होइब योगी ऐहि सम बाल कपाल असि परी रेख ।
नाम कपिल भल होइब इँह कहहिं ऋषि जन नक्षत्र देख ।।5।।

व्याख्या - ऋषि लोग नक्षत्रों का विचार कर कहने लगे कि इस बालक के समान योगी न तो कोई हुआ है और न होगा । क्योंकि बालक के कपाल पर ऐसी रेखा है । अत: इस बालक का नाम ' कपिल ' अच्छा होगा ।

ब्रम्ह चिन्तन करहि दिनु राति । भयउ बड़ कपिल ऐहि भांति ।।
मुनि आश्रम भा आनन्द धामा । सुत क्रीड़ा मुदित कर्दम बामा ।।

व्याख्या - ब्रम्ह का रात - दिन चिन्तन करते हुए कपिल बड़ा होमे लगा । मुनि कर्दन का आश्रम आनन्द का घर बन गया तथा पुत्र की क्रीडा देखकर कर्दम की पत्नी प्रसन्न रहने लगी ।

अक्षय ऊर्जा दिवस (20 अगस्त) पर विशेष

अक्षय ऊर्जा : असीम शक्ति, स्वच्छ भविष्य

– योगेश कुमार गोयल

पृथ्वी पर ऊर्जा के परम्परागत साधन बहुत सीमित मात्रा में उपलब्ध हैं, ऐसे में खतरा मंडरा रहा है कि यदि ऊर्जा के इन पारम्परिक स्रोतों का इसी प्रकार दोहन किया जाता रहा तो इन परम्परागत स्रोतों के समाप्त होने पर गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाएगी. यही कारण है कि पूरी दुनिया में गैर परम्परागत ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने की जरूरत महसूस की जाने लगी और इसी कारण अक्षय ऊर्जा स्रोतों से ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति करने के प्रयास शुरू हुए. अक्षय का अर्थ है, जिसका कभी क्षय न हो अर्थात् अक्षय ऊर्जा वास्तव में ऊर्जा का असीम और अनंत विकल्प है और आज के समय में यह किसी भी राष्ट्र के अक्षय विकास का प्रमुख स्तंभ भी है. पिछले कुछ वर्षों से पर्यावरणीय चिंताओं को देखते हुए ऐसी ऊर्जा तथा तकनीकें विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिनसे ग्लोबल वार्मिंग की विकराल होती समस्या से दुनिया को कुछ राहत मिल सके. किसी भी राष्ट्र को विकसित बनाने के लिए आज प्रदूषणरहित अक्षय ऊर्जा स्रोतों का समुचित उपयोग किए जाने की आवश्यकता भी है. देश में अक्षय ऊर्जा के विकास और उपयोग को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए ही वर्ष 2004 से हर साल 20 अगस्त को 'अक्षय ऊर्जा दिवस' भी मनाया जाता है. आज न केवल भारत में बल्कि समूची दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं. ऐसे में अक्षय ऊर्जा ही ऐसा विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगी लेकिन अक्षय ऊर्जा की राह में भी कई चुनौतियां मुंह बाये सामने खड़ी हैं. अक्षय ऊर्जा उत्पादन की देशभर में कई छोटी-छोटी इकाईयां हैं, जिन्हें एक ग्रिड में लाना बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य है. इससे बिजली की गुणवत्ता प्रभावित होती है. भारत में अक्षय ऊर्जा के विविध स्रोतों का अपार भंडार मौजूद है लेकिन इनसे ऊर्जा उत्पादन करने वाले अधिकांश उपकरण विदेशों से आयात किए जाते हैं. नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के अनुसार, कुछ साल पहले सौर ऊर्जा के लिए करीब 90 प्रतिशत उपकरण विदेशों से आयात किए गए थे, जिससे बिजली उत्पादन की लागत काफी बढ़ गई. 2023-24 के आंकड़ों के अनुसार, अब भी भारत की सौर सेल और मॉड्यूल की जरूरत का अधिकांश हिस्सा, कभी-कभी 90 प्रतिशत तक, आयात से ही पूरा होता रहा है. हालांकि हाल के वर्षों में एएलएमएम नियम और पीएलआई स्कीम के कारण यह निर्भरता घट रही है. 2023-24 में चीन से सौर सेल्स का 53 प्रतिशत और मॉड्यूल्स का 63 प्रतिशत भारत में आया. देश में ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच अंतर भी तेजी से बढ़ रहा है. केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के आंकड़ों के अनुसार देश में कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता 450 गीगावॉट से अधिक हो चुकी है, जिसमें अब 230 गीगावॉट से अधिक अक्षय ऊर्जा से प्राप्त हो रहा है, जिसमें सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, बायो-पावर और छोटे हाइड्रो प्रोजेक्ट्स शामिल हैं. इसके अतिरिक्त अधिक बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं से तथा परमाणु ऊर्जा से भी अक्षय ऊर्जा का उत्पादन किया जा रहा है. कुल बिजली उत्पादन में अब अक्षय ऊर्जा का हिस्सा अब लगातार बढ़ रहा है, जो भारत को दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल करता है. भारत में ऊर्जा खपत भी तेजी से बढ़ रही है. अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) का अनुमान है कि वर्ष 2040 तक भारत में ऊर्जा की कुल मांग वर्तमान की तुलना में लगभग दोगुनी हो जाएगी. विशेषकर बिजली तथा ईंधन के रूप में उपभोग की जा रही ऊर्जा की मांग घरेलू एवं कृषि क्षेत्र के अलावा औद्योगिक क्षेत्रों में भी लगातार बढ़ रही है. औद्योगिक क्षेत्रों में ही बिजली तथा पैट्रोलियम जैसे ऊर्जा के महत्वपूर्ण स्रोतों का लगभग 55 प्रतिशत उपभोग किया जाता है. हम जिस बिजली से अपने घरों, दुकानों या दफ्तरों को रोशन करते हैं, जिस बिजली या पैट्रोलियम इत्यादि ऊर्जा के अन्य स्रोतों का इस्तेमाल कर खेती-बाड़ी या उद्योग-धंधों के जरिये देश को विकास के पथ पर अग्रसर किया जाता है, क्या हमने कभी सोचा है कि वह बिजली या ऊर्जा के अन्य स्रोत हमें कितनी बड़ी कीमत पर हासिल होते हैं? यह कीमत न केवल आर्थिक रूप से बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी धरती पर विद्यमान हर प्राणी पर बहुत भारी पड़ती है. भारत में थर्मल पावर स्टेशनों में बिजली पैदा करने के लिए प्रतिदिन लगभग 18 लाख टन कोयले की खपत होती है. आज भी देश की लगभग 55 प्रतिशत से अधिक बिजली कोयले से ही पैदा होती है, शेष बिजली अक्षय ऊर्जा स्रोतों, जल, गैस व परमाणु ऊर्जा स्रोतों से प्राप्त होती है. दुनियाभर में ऊर्जा क्षेत्र में लगभग 75 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन बिजली उत्पादन से ही होता है. यही कारण है कि अब सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा स्रोतों को विशेष महत्व दिया जाने लगा है. अंतर्राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, यदि अक्षय ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता पर विशेष ध्यान दिया जाए तो वर्ष 2050 तक वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को 70 प्रतिशत तक घटाया जा सकता है. भारत ने भी 2030 तक 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता हासिल करने और नेट जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य वर्ष 2070 तक प्राप्त करने का संकल्प लिया है. अक्षय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा देने से हमारी ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच का अंतर कम होता जाएगा और इससे प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सामाजिक जीवन स्तर में भी सुधार होगा. भारत में अब ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, स्मार्ट ग्रिड, बैटरी स्टोरेज और इलैक्ट्रिक मोबिलिटी जैसे कदम भी तेजी से आगे बढ़ाए जा रहे हैं, जो अक्षय ऊर्जा को व्यावहारिक और टिकाऊ बनाएंगे. ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत वर्ष 2030 तक 5 मिलियन मीट्रिक टन उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है, जिससे भारत न केवल अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करेगा बल्कि निर्यातक देश भी बन सकेगा. सही मायने में अक्षय ऊर्जा ही आज भारत में विभिन्न रूपों में ऊर्जा की जरूरतों का प्रमुख विकल्प है, जो पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ टिकाऊ भी है. भारत धीरे-धीरे ही सही, अब इस दिशा में आगे बढ़ रहा है और आज समय है कि हम आर्थिक बदहाली और भारी पर्यावरणीय विनाश की कीमत पर ताप, जल एवं परमाणु ऊर्जा जैसे पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भर रहने के बजाय अपेक्षाकृत बेहद सस्ते और कार्बन रहित पर्यावरण हितैषी ऊर्जा स्रोतों के व्यापक स्तर पर विकास के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ें. साथ ही हमें ऊर्जा की बचत की आदतें भी अपनानी होंगी क्योंकि ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग ही हमें सुरक्षित, समृद्ध और स्वच्छ भविष्य की ओर ले जाएगा. ***(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)***

महाराष्ट्र जैसे बिहार में भी बहुजनों की वोट चुराने की हो रही है साजिश : राहुल गांधी

नवादा : अपनी वोटर अधिकार यात्रा के तीसरे दिन नवादा में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि महाराष्ट्र की तरह बिहार में भी बहुजनों की वोट चुराने की साजिश चल रही है . जिसके विरुद्ध सजगता से काम कर वोट चोरों को सबक सिखाये. वे मंगलवार को नवादा के भगत सिंह चौराहे पर खचाखच भरी भीड़ से जन संवाद कर रहे थे.उन्होंने कहा कि वोट अधिकार यात्रा के माध्यम से गरीबों को जगाने का मैं काम कर रहा हूं. आपकी एक वोट की रक्षा के लिए मैं हर कुर्बानी दूंगा. केंद्र सरकार चुनाव आयोग से मिलकर एसआईआर के नाम पर वोट चुराने का नया हथियार तैयार किया है . जिसका इस्तेमाल बिहार में किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि लाखों ऐसे लोग हैं, जिसे बगैर पूछे हस्ताक्षर बनाये उनके फॉर्म सबमिट कर दिए गए.उन्होंने कहा कि गरीब तबके के लोगों को वोटर लिस्ट के नाम हटाने का सबसे बड़ा साजिश के रूप में एसआईआर को बड़ा हथियार बनाया जा रहा है. जिसके विरुद्ध मैं वोटर अधिकार यात्रा कर रहा हू . उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर अगर आप सजग नहीं होंगे, तो आपको वोट से बेदखल कर दिया जाएगा. उन्होंने कहा कि कर्नाटक में भी बड़े पैमाने पर वोटो की चोरी की गई है . जिसे मैं सारा फार्मूला का पर्दाफाश किया हूं. उन्होंने कहा कि मेरे एक सवाल का भी जवाब चुनाव आयोग ने नहीं दिया . उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता के रूप में चुनाव आयोग काम कर रही है. लेकिन भारत जैसे सजग प्रजातंत्र में ऐसा चलने वाला नहीं है.मौके पर बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि हर कीमत पर वोट चोरी को रोकना है. जिसके लिए जनता सजग होकर आंदोलन करें .तभी उनकी हकमारी रुक सकती. भाकपा माले के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपांकर भट्टाचार्य ने गरीब गुरुवा तबके के लोगों को सजगता के साथ काम करने की बात कही .उन्होंने कहा कि वोट चोरी कर प्रजातंत्र को कलंकित किया जा रहा है .एक तरह से माने तो भारत में प्रजातंत्र मिटाने की एक बड़ी साजिश चल रही है. इसको हर कीमत पर नाकाम करना है.इस यात्रा के स्वागत में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व विधायक नरेंद्र कुमार उर्फ नुनु बाबू, राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता पूर्व विधायक कौशल यादव ,विधान पार्षद सलमान रागिब के साथही बड़ी संख्या में कदावर नेता भी उपस्थित थे.

न्यूज कॉर्नर

स्वास्थ्य विभाग ने मलेरिया और कालाजार के मच्छरों को नष्ट करने की जानकारी दी

मिर्जाचौकी : मंगलबार को स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य विभाग के पर्यवेक्षक प्रवीर कुमार सिन्हा के द्वारा मलेरिया और कालाजार से फैलने वाले मच्छरों के उन्मूलन करने का जानकारी साझा किया. उन्होंने बताया कि मच्छरों को नष्ट करने के लिए केमिकल का घोल छिड़काव करने का विधिवत जानकारी दिया.

लंबित अबुआ आवास योजना को लेकर बीडीओ ने की बैठक

उधवा : प्रखंड कार्यालय कक्ष में मंगलवार को बीडीओ सह सीओ जयंत कुमार तिवारी की अध्यक्षता में अबुआ आवास योजना को लेकर समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई. इस दौरान उन्होंने आवास कर्मियों के साथ लंबित आवास योजना की समीक्षा किया एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिया. समीक्षा के दौरान प्रखंड समन्वयक आवास संदीप कुमार ने बताया कि विगत वर्ष 2023-24 में कुल 329 आवास तथा 2024-25 में कुल 329 आवास लंबित है. साथ ही बताया कि मोहनपुर, आतापुर, मसना, कटहलबाड़ी, सुतियारपाड़ा पंचायत में ज्यादातर अबुआ आवास लंबित है. उन्होंने बताया कि लंबित आवास योजना के लाभुकों को नोटिस सौंपकर आवास कार्य पूरा करने का निर्देश दिया गया है. उन्होंने सभी पंचायतों में आवास पूर्णता का अभियान चलाकर एक सप्ताह के भीतर आवास निर्माण कार्य पूरा करने का निर्देश दिया. कहा कि निर्माण कार्य पूरा नहीं करने वाले लाभुकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. मौके पर जनसेवक सह आवास प्रभारी ओमप्रकाश साहा, ग्राम रोजगार सेवक सह आवास प्रभारी राम प्रसाद चौधरी, जावेद इकबाल,महाताब आलम, मुजाम्मिल अंसारी सहित अन्य मौजूद थे.

धनबाद मंडल मे अनावश्यक एसीपी की दो घटनाएँ ,एक व्यक्ति पर मामला दर्ज

धनबाद : अलार्म चेन पुलिंग भारतीय रेलवे में आपातकालीन स्थिति में ट्रेन रोकने की सुविधा है, लेकिन कई यात्री देर से आने वाले लोगों को चढ़ाने, बीच रास्ते में अपने गाँव या घर के पास उतरने या अनावश्यक रूप से चेन खींच देते हैं, जिससे ट्रेनों के परिचालन में अनावश्यक विलम्ब एवं अन्य ट्रेनों का परिचालन प्रभावित होता है. अनावश्यक रुकावट के दौरान ट्रेन सुनसान या असुरक्षित स्थान पर रुक सकती है, जिससे यात्रियों की सुरक्षा को खतरा होता है और अपराध की संभावना बढ़ जाती है. इसके अलावा ईंधन की बर्बादी, संचालन लागत में वृद्धि और पूरे नेटवर्क की समयबद्धता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है. इस दुरुपयोग को रोकने के लिए भारतीय रेलवे अधिनियम, 1989 की धारा 141 के तहत दोषियों पर 1,000 तक का जुर्माना या एक वर्ष तक का कारावास या दोनों दंड का प्रावधान है. धनबाद मंडल द्वारा अनावश्यक अलार्म चेन पुलिंग की रोकथाम हेतु लगातार प्रयास किए जा रहे हैं. इसी क्रम में दिनांक 18.08.2025 को मंडल में अनावश्यक एसीपी की दो घटनाएँ हुईं. इनमें से एक मामले में एक व्यक्ति पर धारा 141 रेल अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज कर न्यायालय भेजा गया.

मोहबनी में बस और पिकअप में दर्दनाक हादसा, दर्जनों लोग घायल

गोविंदपुर : मोहबनी पंचायत के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है. मंगलवार की सुबह एक बस और पिकअप वैन की सीधी टक्कर में लगभग एक दर्जन लोग घायल हो गए. घायलों में बस के यात्री और पिकअप वैन में सवार लोग दोनों शामिल हैं.यह हादसा सुबह करीब 10 बजे हुआ. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस तेज रफ्तार से आ रही थी और अचानक एक मोड़ पर सामने से आ रही पिकअप वैन से जा टकराई. टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों के अगले हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए. पिकअप वैन में सवार कई लोग फंस गए, जिन्हें स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से बाहर निकाला गया. हादसे की सूचना मिलते ही गोविंदपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने स्थानीय लोगों की सहायता से सभी घायलों को तुरंत पास के अस्पतालों में पहुंचाया. कुछ गंभीर रूप से घायल लोगों को धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसएनएमएमसीएच) रेफर किया गया है.पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है, लेकिन प्रथम दृष्टया यह हादसा बस की तेज रफ्तार और ड्राइवर की लापरवाही की वजह से हुआ प्रतीत होता है. इस हादसे के बाद हाईवे पर कुछ देर के लिए यातायात बाधित हो गया था, जिसे पुलिस ने तुरंत नियंत्रित कर सुचारू किया. इस घटना ने एक बार फिर हाईवे पर सुरक्षा उपायों और तेज रफ्तार वाहनों के खतरों को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं.

तेघड़ा के श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मेला में करोड़ों के अवैध शराब की हुई खरीद बिक्री

तेघड़ा/ बेगूसराय (युवा शक्ति ब्यूरो) : तेघड़ा के ऐतिहासिक श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मेला में एक ओर फोटो खिंचवा भावी प्रत्याशी एवं छुटभैया सड़क छाप नेता जिसके पीछे समर्थन में एक जनता साथ नहीं चलता है वैसे स्वघोषित प्रत्याशियों और नेताओं को मंडपों पर उद्घाटन में फोटो खिंचवाते आतुर हुये देखा गया. वहीं दूसरी ओर संपूर्ण मेला परिक्षेत्र में चौक चौराहों गली मुहल्लों में खुलेआम धड़ल्ले से पुलिस और प्रशासन के आंखों और दूसरी आंख नगर क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरे के सामने शराब की खरीद बिक्री हुई. मेला देखने आये मनचले दर्शकों और स्थानीय स्तर के नशेड़ियों ने धड़ल्ले से शराब पीकर नशे में धूत होकर मेला के भीड़ में अभद्र और अश्लील हरकतें करते देखे गये. मेला के दौरान ड्यूटी में तैनात पुलिस पदाधिकारियों ने शराबियों और शराब कारोबारियों पर नकेल कसने में विफल रहे. एक अनुमान के अनुसार बताया जाता है कि चार दिवसीय मेला के दौरान करोड़ों रूपये से अधिक का प्रतिबंधित विदेशी और देशी शराब का अवैध कारोबार हुआ. बताया यह भी जाता है कि पुलिस और प्रशासन के संरक्षण में तेघड़ा थाना क्षेत्र में अवैध शराब का कारोबार वर्षों से धड़ल्ले से फल फूल रहा है. शराब के अवैध कारोबार में पर्दा के पीछे अनेक नामचीन हस्तियों का नाकाबपोश चेहरा छुपा हुआ है.

व्यवसायी के बेटे ने की आत्महत्या

सिलीगुड़ी : शहर में एक जाने माने व्यवसायी के बेटे ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली है. मृतक का नाम प्रतीक अग्रवाल बताया गया है.पुलिस सूत्रों के अनुसार, प्रतीक विवाहित था और उसका एक बच्चा भी है.प्राथमिक जांच के अनुसार, प्रतीक पारिवारिक विवाद के चलते कुछ दिनों से मानसिक तनाव में था. इस बीच आज दोपहर वह घर आया और अपने कमरे में खुद को बंद कर लिया. कुछ देर बाद उसके कमरे से गोली चलने की आवाज आई. परिवार वालों ने तुरंत घटना की जानकारी पुलिस को दी. खबर पाकर भक्तिनगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया. जहां प्रतीक का शव पड़ा था. शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज व अस्पताल भेजा दिया. वहीं, पुलिस ने घटनास्थल से एक बंदूक बरामद भी किया है.

मोतिहारी में डिजिटल अरेस्ट कर साइबर ठगी करने वाले गिरोह का खुलासा

पूर्वी चंपारण: जिले के साइबर थाना पुलिस ने डीएसपी अभिनव पराशर के नेतृत्व में एक बड़े साइबर फ्रॉड गिरोह का खुलासा करते हुए गिरोह के 6 सदस्यो को गिरफ्तार किया है. ये सभी डिजिटल अरेस्ट के द्वारा साइबर ठगी को अंजाम दे रहे थे.पकड़े गए अपराधियों में चकिया थाना क्षेत्र के दिलशान अहमद,आसिक जमाल,शिभु तिवारी ,संदीप कुमार, रवि रंजन कुमार और इरशाद शामिल है. पूछताछ के दौरान गिरफ्तार सभी अपराधियों ने स्वीकार किया कि वे बिजली बिल अपडेट करने, लोन दिलाने और पुलिस बनकर डिजिटल अरेस्ट के नाम पर लोगों से ठगी करते थे,साथ ही यह लोग फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर लोगों को झांसे में लेकर बिजली बिल अपडेट, लोन सुविधा और पुलिसिया कार्रवाई की धमकी देकर ठगी को अंजाम देते थे.साइबर डीएसपी के अनुसार इनके पास से बरामद मोबाइल की जांच में व्हाटसअप और क्यूआर कोड से कई बैंक खाते से संदिग्ध लेनदेन के सबूत मिले हैं.पकड़े गये लोगो के निशानदेही पर अब तक इस गिरोह के 12 सदस्यों की पहचान की जा चुकी है,जिसमे कुछ अपराधी राज्य से बाहर रहकर ठगी को अंजाम देकर ठगी के पैसे अपने साथियों के खातों में भेजते थे.गिरफ्तार अपराधियों के विरूद्ध मोतिहारी साइबर थाना में आईटी एक्ट के तहत कांड संख्या 132/25 दर्ज कर अग्रतर कारवाई की जा रही है. पुलिस इनके पास से 9 मोबाइल फोन,2 एटीएम कार्ड, 2 बैंक पासबुक, 3 चेकबुक, एक बायोमेट्रिक मशीन और एक क्यूआर स्कैनर सहित कई डिजिटल दस्तावेज बरामद किया हैं. पुलिस इस गिरोह के अन्य के विरूद्ध छापेमारी में जुटी है.छापेमारी टीम में पुलिस उपाधीक्षक अभिनव पराशर के अलावे इंस्पेक्टर मुमताज आलम, राजीव कुमार सिन्हा, मनीष कुमार,नवीन कुमार, उप-निरीक्षक सौरभ आजाद, प्रियंका कुमारी व सशस्त्र बल शामिल थे.

मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, 10 करोड़ रुपये की स्मैक जब्त

मुजफ्फरनगर : मुजफ्फरनगर जिले के बुढ़ाना क्षेत्र में पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए चार कथित तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से लगभग 10 करोड़ रुपये की स्मैक बरामद की. वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) संजय कुमार ने मंगलवार को संवाददाताओं को बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस ने बुढ़ाना इलाके में एक कार को रोक कर उसकी तलाशी ली तो उसमें से एक किलोग्राम से ज्यादा स्मैक बरामद की गई. बरामद मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 10 करोड़ रुपये बताई जाती है. उन्होंने बताया कि पुलिस ने इस मामले में कार सवार चार लोगों अब्दुल कादिर, अबरार, बाबर और रेहान को गिरफ्तार किया है और तस्करी में इस्तेमाल की गई गाड़ी को भी जब्त कर लिया है. कुमार ने कहा, पूछताछ के दौरान पता चला कि यह गिरोह बरेली से पश्चिमी उत्तर प्रदेश और मुंबई, दिल्ली और चंडीगढ़ में मादक पदार्थ की आपूर्ति में सक्रिय था. उन्होंने बताया कि पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है. मामले की विस्तृत जांच जारी है और पुलिस इस नेटवर्क में शामिल लोगों का पता लगाने की कोशिश कर रही है.

गोल संस्थान ने धूमधाम से मनाया 28वां स्थापना दिवस

धनबाद: कोयलांचल में मेडिकल व इंजिनियरिंग की तैयारी कराने वाली विश्वनीय एवं भरोसेमंद संस्थान गोल इंस्टीट्यूट ने सोमवार को बड़े हर्ष और उल्लास के साथ अपना 28वां स्थापना दिवस मनाया. इस अवसर पर संस्थान ने अपनी अब तक की उपलब्धियों का स्मरण किया साथ ही आने वाले वर्षों में विद्यार्थियों को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का संकल्प भी लिया. समारोह की शुरुआत अध्ययनरत छात्रों की उपस्थिति में गोल के सभी शिक्षकगण एवं सदस्यों ने दीप प्रज्वलन एवं केक काटकर की . पूरे कैंपस को आकर्षक रूप से सजाया गया जहां वातावरण उत्साह एवं उमंग से भरा हुआ था विदित हो कि 1997 में गोल संस्थान के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक श्री बिपिन सिंह के द्वारा एक छोटे से प्रयास के रूप में शुरू हुआ यह सफर आज एक विशाल आंदोलन का रूप ले चुका है. पिछले 28 वर्षों में गोल इंस्टीट्यूट ने मेडिकल एवं इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी में अपनी अलग पहचान बनाई है और अब तक लगभग 18,000+ से अधिक विद्यार्थियों ने सफलता हांसिल कर संस्थान को गौरवान्वित किया है. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गोल धनबाद के केंद्र निदेशक श्री संजय आनंद ने कहा कि हमारी सबसे बड़ी ताकत हमारे विद्यार्थी हैं. उनकी मेहनत, लगन और विश्वास ने ही हमें यहाँ तक पहुँचाया है. 28 वर्षों की यह यात्रा केवल संस्थान की नहीं बल्कि उन सभी छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों की साझा मेहनत और समर्पण का परिणाम है. उन्होंने आगे कहा कि आनेवाले वर्षों में संस्थान और अधिक आधुनिक तकनीक, अनुभवी शिक्षकों एवं वैज्ञानिक पद्धति से विद्यार्थियों को तैयार करेगा ताकि वे राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में और भी बेहतर प्रदर्शन कर सकें. गोल संस्थान धनबाद के अकादमिक विशेषज्ञ – दीपक कुमार एवं भारती सिन्हा ने कहा कि धनबाद में शुरूआती वर्ष से ही विषय विशेषज्ञ शिक्षक देश के विभिन्न जगहों से आकर यहां के छात्रों को उच्च कोटी की शिक्षा मुहैया कराते रहें है . हर सफलता के पीछे विद्यार्थियों की मेहनत और परिवारों का विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी पूँजी है. हमारी टीम हमेशा यही प्रयास करती रही है कि हर छात्र को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासित माहौल और सफलता की सही दिशा मिले. आने वाले वर्षों में हम और अधिक मेहनत तथा समर्पण के साथ विद्यार्थियों को उनके सपनों की मंजिल तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं.कार्यक्रम को सफल संचालन करते हुए अरूण, सुनील, रानी, पूजा, उमेश, मो0 वसिम, दिलीप सहित गोल टीम के सभी सदस्य एवं शिक्षकगण इस 28 वर्षों की गौरवशाली यात्रा का हिस्सा बनने पर गर्व महसूस करते हुए संस्थान की निरंतर प्रगति की कामना की.

शिविर में पार्टी झंडा लेकर पहुंचे तृणमूल कार्यकर्ता

बांकुड़ा : जिले के गंगाजलघाटी ब्लॉक के लोटियाबनी इलाके के उच्च विद्यालय में आयोजित 'आमादेर पाड़ा आमादेर समाधान' शिविर में तृणमूल कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं द्वारा पार्टी का झंडा लेकर प्रवेश करने से विवाद हो गया.शिविर स्थानीय बूथ 259, 260 और 262 के लोगों की समस्याओं का समाधान करने के लिए आयोजित किया गया था, जिसमें राज्य के मंत्री अरूप राय और बांकुड़ा के जिला पदाधिकारी सियाद एन सहित प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे. इसी दौरान कुछ तृणमूल कार्यकर्ता पार्टी का झंडा लेकर शिविर में दाखिल हुए. हालांकि तुरंत ही तृणमूल नेतृत्व ने झंडा लिए कार्यकर्ताओं को शिविर से बाहर भेज दिया.पार्टी के गंगाजलघाटी-2 ब्लॉक के अध्यक्ष जीतेन गराई ने कहा कि यह किसी रणनीति का हिस्सा नहीं था, बल्कि भावनाओं में बहकर कुछ कार्यकर्ता स्वयं ही झंडा लेकर पहुंच गए थे, उन्हें तुरंत हटाया गया.

एन. कॉलेज, पटना में प्रबंधन विभाग के समन्वयक बने प्रो. कलानाथ मिश्र

युवाशक्ति न्यूज पटना: ए. एन. कॉलेज, पटना के हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. कलानाथ मिश्र को प्रबंधन विभाग (एमबीए एवं बीबीए) का समन्वयक नियुक्त किया गया है. कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो. रेखा रानी के जारी आदेश के अनुसार, प्रो. मिश्रा को यह अतिरिक्त दायित्व उनके वर्तमान विभागीय कार्यों के साथ दिया गया है.इस नियुक्ति पर कॉलेज शिक्षकों ने प्रो. मिश्रा को बधाई दी है और प्रबंधन विभाग को उनके नेतृत्व में नई ऊँचाइयों तक पहुँचने की आशा व्यक्त की है.

ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान से की औपचारिक मुलाकात

युवाशक्ति न्यूज

पटना: श्रवण कुमार, मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, बिहार सरकार ने शिवराज सिंह चौहान, केन्द्रीय मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग से उनके कार्यालय कक्ष में अंग वस्त्र देकर औपचारिक मुलाकात किया. इस मुलाकात में बिहार राज्य के लिए ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित योजना प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में योजना मद में प्रथम किश्त के द्वितीय भाग की राशि विमुक्त करने का अनुरोध किया .माननीय मंत्री ने मुलाकात के दौरान कहा कि ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 को मिलाकर राज्य को कुल 12 लाख 26 हजार 428 लक्ष्य उपलब्ध कराया गया है . प्राप्त लक्ष्य से राज्य के गरीब आवास विहीन एवं कच्चे आवासों में रहने वाले परिवारों को आवास का लाभ दिया गया है . इनमें से 11 लाख 35 हजार 947 परिवारों को प्रथम किश्त, 7 लाख 47 हजार 91 परिवारों को द्वितीय किश्त एवं 3 लाख 26 हजार 407 परिवारों को तृतीय किश्त का भुगतान किया गया है. मंत्री कुमार ने मुलाकात के दौरान यह भी कहा कि इस योजना के प्रथम किश्त की द्वितीय भाग हेतु 1 हजार 497 करोड़ रूपये राशि अविलंब विमुक्त किये जाने की आवश्यकता है जिससे निर्धारित स्तर तक आवास निर्माण पूर्ण किये हुए लाभुकों को सुचारू रूप से अनुमान्य सहायता राशि का भुगतान किया जाय ताकि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में योजना मद में प्रथम किश्त के द्वितीय भाग की राशि शीघ्र विमुक्त किया जाय ताकि लाभुक अपने आवासों को ससमय पूर्ण करा सकें.मुलाकात के क्रम में केन्द्रीय मंत्री,शिवराज सिंह चौहान ने श्रवण कुमार, मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, बिहार सरकार को आश्वासन दिया कि बिहार के ग्रामीण जनता के हित में मांगो पर साकारात्मक विचार करते हुए इसे जल्द से जल्द जारी किया जाएगा .

भोजपुरी गायक अभिनेता पवन सिंह के खिलाफ वाराणसी में दर्ज होगा मुकदमा

वाराणसी: भोजपुरी गायक और अभिनेता पवन सिंह की मुश्किलें बढ़ेगी. अभिनेता सहित चार लोगों के खिलाफ कैंट पुलिस को मुकदमा दर्ज करने का आदेश मुख्य न्यायाधीश मजिस्ट्रेट द्वितीय की अदालत ने मंगलवार को दिया है. न्यायालय ने होटल और ट्रैवेल व्यापारी विशाल सिंह की अर्जी पर यह आदेश दिया है. व्यापारी ने प्रार्थना पत्र के जरिए 1.25 करोड़ रुपये ठगी का आरोप लगाया है.कैंट थाना क्षेत्र के नदेसर निवासी व्यापारी विशाल सिंह के दिए गए प्रार्थना पत्र के अनुसार जब वह मुम्बई में पढ़ने गए थे तभी उनकी मुलाकात प्रेमशंकर राय और सीमा राय नामक पति -पत्नी से परिचय हुआ . दोनों फिल्म निर्माण से अपने को जुड़ा बताते थे. दोनों फिल्म में निवेश के लिए मुझे भी प्रस्ताव देते रहे. दोनों उसके मुम्बई स्थित आवास पर भी आते थे. दोनों ने भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह से उसकी मुलाकात वाराणसी में उसके कार्यालय में कराई. दोनों की बात में आकर विशाल ने इनकी कम्पनी श्रेयस फिल्म प्राइवेट लि. के खाते में अपने व अपने भाई के पार्टनरशिप कम्पनी रिद्धिका इण्टरप्राइजेज के खाते से कई तिथियों पर 38 लाख रुपये जमा कराया. इसके बाद नम्बर 2018 में फिल्म भोजपुरी फिल्म बॉस की शूटिंग शुरू हुई. इसके बाद प्रेम शंकर, सीमा राय, पवन सिंह और उनके सहयोगी अरविन्द चौबे से नदेसर स्थित होटल सिटी इन में बातचीत हुई. सभी ने मिलकर फिल्म के खर्चों व हिस्सेदारी को लेकर कम्पनी के लेटरहेड पर एक दस्तावेज दिया. जिसमें विशाल सिंह को फिल्म का निर्माता दर्शाया गया और मुनाफे का 50 प्रतिशत निर्माता को, 25 प्रतिशत सह-निर्माता, 20 प्रतिशत अभिनेता और 5 प्रतिशत निर्देशक के देने की बात लिखी गई थी.

अनुबंध पत्र मिलने के बाद फिल्म की शूटिंग हुईं . इस फिल्म का सारा खर्च लगभग 1.25 करोड़ रुपये विशाल ने वहन किया. इसके अतिरिक्त होटल तथा ट्रैवेल्स एजेंसी का बिल भी चुकाया .

फिल्म बनने के बाद उसे कोई लाभ नही हुआ. उसे जानकारी मिली कि फिल्म बिक चुकी है. करोड़ों रुपए का लाभ भी हुआ है. इसमें उसे निवेश का हिस्सा नहीं दिया गया. रकम मांगने पर अभिनेता पवन सिंह ने जान से मारने की धमकी भी दी. इस संबंध में उसने वाराणसी के कैंट थाने में एफआईआर दर्ज करने के लिए प्रार्थना पत्र दिया था. लेकिन उस पर कोई कार्रवाही नहीं हुई. इसके बाद उसने न्यायालय का सहारा लिया. न्यायालय ने प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के बाद संबंधित आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया. न्यायालय के आदेश पर अभिनेता पवन सिंह, प्रेम शंकर राय,सीमा राय व एक अन्य पर मुकदमा दर्ज होगा.

बिहार में नागमणि, आनंद मिश्रा और आशुतोष कुमार ने थामा भाजपा का दामन

पटना: बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले दलबदलने की कवायद शुरु हो गई है. पूर्व केंद्रीय मंत्री नागमणि और उनकी पत्नी सुचित्रा सिंह के अलावा पूर्व आईपीएस अधिकारी आनंद मिश्रा और आशुतोष कुमार समेत कई नेताओं ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है.

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल और दोनों उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा की मौजूदगी में इन नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है. पटना स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित समारोह में दिलीप जायसवाल ने जिन नेताओं को भाजपा की सदस्यता दिलाई, उनमें पूर्व आईपीएस आनंद मिश्रा, पूर्व केंद्रीय मंत्री नागमणि और उनकी पत्नी सुचित्रा सिन्हा, जहानाबाद लोकसभा सीट से उम्मीदवार रह चुके आशुतोष मिश्रा और पूर्व राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकपा) नेता अवधेश शामिल हैं.भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने इस मौके पर कहा कि हम तमाम नेताओं का पार्टी में स्वागत करते हैं. इनके आने से पार्टी और बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को मजबूती मिलेगी. उन्होंने कहा कि आने वाले समय में सभी नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जाएगी. ये तमाम ऐसे नेता हैं, जिन्होंने लंबा राजनीतिक जीवन जिया है. इनके पास अनुभव भी हैं और हम उनके अनुभव का लाभ उठाना चाहते हैं.

उन्होंने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री नागमणि बड़े समाजवादी नेता जगदेव प्रसाद के बेटे हैं. वह कई दलों में रह चुके हैं. 14वीं बार वह किसी पार्टी में शामिल हुए हैं. 2011 बैच के आईपीएस अधिकारी रहे आनंद मिश्रा ने 2024 में नौकरी छोड़ दी थी. भाजपा से टिकट चाहते थे. लेकिन जब टिकट नहीं मिला तो निर्दलीय ही बक्सर सीट से मैदान में उतर गए.

हालांकि, उनको हार का सामना करना पड़ा. बाद में वह प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी में शामिल हो गए. लेकिन आज भाजपा का दामन थाम लिया है.ब्राह्मण-भूमिहार एकता मंच चलाने वाले अशुतोष मिश्रा भी भाजपा में शामिल हो गए हैं. उन्होंने 2024 में जहानबाद सीट से बतौर निर्दलीय उम्मीदवार लोकसभा का चुनाव लड़ा था. लेकिन करारी हार मिली थी. अपने बयानों को लेकर वह अक्सर विवादों में रहते हैं.

न्यूज कॉर्नर

एशियाई चैंपियनशिप: मनु ने जीता कांस्य, जूनियर वर्ग में रश्मिका ने साधा स्वर्ण पर निशाना

शिमकेंट (कजाकिस्तान): ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली भारत की स्टार निशानेबाज मनु भाकर ने मंगलवार को यहां एशियाई निशानेबाजी चैम्पियनशिप की महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता जबकि रश्मिका सहगल ने जूनियर महिला एयर पिस्टल स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल किया. रश्मिका ने व्यक्तिगत के साथ टीम स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक हासिल किया. भाकर ने आठ महिलाओं के फाइनल में 219.7 अंक हासिल कर तीसरा स्थान हासिल किया. चीन की कियान्के मा ने 243.2 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि कोरिया की जिन यांग को 241.6 अंक के साथ रजत पदक मिला. रश्मिका ने फिर से कमाल का प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में भारत का तीसरा व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता. उन्होंने 241.9 का स्कोर करके रजत पदक जीतने वाली कोरियाई हान सेउंगह्यून को 4.3 अंक की बड़े अंतर से पछाड़ा. यह रश्मिका (क्वालिफिकेशन स्कोर 582) के लिए दोहरी सफलता थी क्योंकि उन्होंने इस स्पर्धा में वंशिका चौधरी (573) और मोहिनी सिंह (565) के साथ मिलकर टीम स्वर्ण पदक जीता. भाकर ने क्वालिफिकेशन में 583 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहकर फाइनल में प्रवेश किया था. कोरिया की येजिन ओह ने 585 अंक के साथ क्वालिफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया, लेकिन वह केवल रैंकिंग अंक के लिए इस प्रतियोगिता भाग ले रही थीं, जिससे चीन की कियानक्सुन याओ शीर्ष रैंक की निशानेबाज के रूप में फाइनल में पहुंच गईं. भारत की अन्य निशानेबाजों में इस प्रतियोगिता में केवल रैंकिंग अंकों के लिए भाग ले रही ईशा सिंह 577 अंकों के साथ नौवें, सुरुचि सिंह 574 अंकों के साथ 12वें, पलक 573 अंकों के साथ 17वें और सुरभि राव 570 अंकों के साथ 25वें स्थान पर रहीं. भाकर, सुरुचि सिंह और पलक की तिकड़ी टीम स्पर्धा में 1730 के कुल स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रही. महिलाओं की जूनियर वर्ग में रश्मिका को कोरिया की हान से शुरुआत में कड़ी चुनौती मिली लेकिन भारतीय निशानेबाज ने 13वें प्रयास में बढ़त बनाने के बाद इसे आखिर तक बरकरार रखा. उन्होंने 15वें प्रयास में 10.9 अंक के निशाने के साथ अपना प्रभुत्व कायम किया. भारत ने प्रतियोगिता में अब तक पांच स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदक जीते हैं.

बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप: तन्वी, उन्नति और भार्गव भारतीय टीम में

नयी दिल्ली: तेजी से उभरती हुई बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा और उन्नति हुड्डा, भार्गव राम अरिगेला और विश्व तेज गोब्बुरू छह से 19 अक्टूबर तक गुवाहाटी में होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप में 25 सदस्यीय भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे. भारतीय टीम में एशियाई जूनियर चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता वेन्नाला कलागोटला और रक्षिता श्री भी शामिल हैं, जिससे यह इस प्रतिष्ठित जूनियर प्रतियोगिता के लिए सबसे मजबूत भारतीय टीम बन गई है. सुहांदिनाता कप (मिश्रित टीम चैंपियनशिप) छह से 11 अक्टूबर तक खेला जाएगा, जिसके बाद 13 से 19 अक्टूबर तक राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में व्यक्तिगत स्पर्धाएं होंगी. भारतीय बैडमिंटन संघ के सचिव संजय मिश्रा ने विज्ञप्ति में कहा, "हम इसको लेकर बहुत उत्साहित हैं कि भारत अपने घरेलू मैदान पर विश्व जूनियर चैंपियनशिप के लिए अपनी सबसे मजबूत टीम उतारेगा. मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे खिलाड़ी पोडियम पर पहुंचने में सफल रहेंगे." भारत ने आखिरी बार 2008 में इस टूर्नामेंट की मेज़बानी की थी. तब साइना नेहवाल स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय शटलर बनी थीं, जबकि आरएमवी गुरु साई दत्त ने लड़कों के एकल वर्ग में कांस्य पदक जीता था. देश ने अब तक इस प्रतियोगिता में चार रजत और छह कांस्य सहित 11 पदक जीते हैं. भारतीय टीम इस प्रकार है: **लड़कों के एकल (अंडर19):** रौनक चौहान, ज्ञान दत्तू टी.टी., लालथज़ुआला एच, सूर्याक्ष रावत. **लड़कियों के एकल (अंडर19):** तन्वी शर्मा, वेन्नाला कलागोटला, उन्नति हुड्डा, रक्षिता श्री एस. **लड़कों के युगल (अंडर19):** सुमिथ ए.आर./भाव्या छाबड़ा, भार्गव राम अरिगेला/विश्व तेज गोब्बुरू, विष्णु केदार कोडे/मिथिलेश पी. कृष्णन. **लड़कियों के युगल (अंडर19):** वेन्नाला कलागोटला/रेशिका यू, गायत्री रावत/मनसा रावत, आन्या बिष्ट/एंजेल पुनेरा. **मिश्रित युगल (अंडर19):** भाव्या छाबड़ा/विशाखा टोप्पो, लालरामसंगा सी/तारिणी सूरी, विष्णु केदार कोडे/कीर्ति मनचला, वंश देव/डियांका वाल्दिया.

एशिया कप पुरुष हॉकी टूर्नामेंट में पाकिस्तान और ओमान की जगह बांग्लादेश और कजाखस्तान खेलेंगे

नयी दिल्ली: पाकिस्तान और ओमान की जगह बिहार के राजगीर में 29 अगस्त से होने वाले पुरुष एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में बांग्लादेश और कजाखस्तान खेलेंगे. मंगलवार को जारी टूर्नामेंट के कार्यक्रम में यह जानकारी दी गई. मेजबान भारत को चीन, जापान और कजाखस्तान के साथ ग्रुप ए में रखा गया है जबकि पूल बी में मलेशिया, कोरिया, चीनी ताइपे और बांग्लादेश को जगह मिली है. मलेशिया और बांग्लादेश के मुकाबले के साथ 29 अगस्त को इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट की शुरुआत होगी जबकि प्रतियोगिता के पहले दिन के अंतिम मुकाबले में भारत और चीन आमने-सामने होंगे. फाइनल, तीसरे स्थान का प्ले ऑफ और पांचवें-छठे स्थान का क्लासीफिकेशन मुकाबला सात सितंबर को होगा. भारत सरकार ने कहा था कि वह टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तानी खिलाड़ियों को वीजा मुहैया कराएगी लेकिन पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने सुरक्षा कारणों से यात्रा करने से इनकार कर दिया. आयोजकों ने आठ टीम के इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान की जगह लेने के लिए पहले ही बांग्लादेश से संपर्क कर लिया था. पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के साथ सैन्य टकराव के कारण पाकिस्तान के एशिया कप में प्रतिनिधित्व को लेकर अनिश्चितता थी. यह 2026 विश्व कप की क्वालीफाइंग प्रतियोगिता भी है.

एशिया कप की भारतीय टीम में गिल बने उपकप्तान; बुमराह को मिला मौका लेकिन अय्यर चूके

मुंबई: टेस्ट कप्तान शुभमन गिल को नौ सितंबर से यूएई में शुरू होने वाले एशिया कप के लिए भारत की 15 सदस्यीय टी20 का उपकप्तान बनाया गया है जबकि दिग्गज तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की लंबे समय के बाद छोटे प्रारूप की टीम में वापसी हुई है. खिलाड़ियों के विकल्प में अधिकता के कारण टीम में लगातार दो आईपीएल फाइनल खेलने और 2024 में खिताब जीतने वाले कप्तान और आक्रामक बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को मौका नहीं मिला है. पच्चीस साल के गिल ने अपना पिछला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 2024 में पल्लेकेले में श्रीलंका के खिलाफ खेला था. वह अब सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम में अक्षर पटेल की जगह उप-कप्तान होंगे. भारत को एशिया कप के ग्रुप ए में पाकिस्तान, ओमान और यूएई के साथ रखा गया है. गिल को टीम में शामिल किया जाना कोई हैरानी की बात नहीं थी. उन्होंने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच मैचों की ड्रॉ (2-2) रही श्रृंखला में चार शतक जड़े थे. मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने यहां टीम की घोषणा के लिए आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''गिल ने इंग्लैंड दौरे पर हमारी उम्मीदों से बढ़कर प्रदर्शन किया.'' टीम प्रबंधन को हालांकि गिल के बल्लेबाजी क्रम को लेकर काफी सोच-विचार करना होगा क्योंकि अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन ने पिछले कुछ समय से शीर्ष क्रम में एक प्रभावी जोड़ी बनाई है. अगरकर ने इसे सिरदर्द मानने के बजाय एक अच्छी समस्या करार दिया. उन्होंने कहा, ''अब (शीर्ष क्रम के लिए) अधिक विकल्प हैं और शुभमन वैसे भी शानदार लय में हैं. यह टीम जब दुबई पहुंचेगी तो प्रतिद्वंद्वी टीम और परिस्थितियों के अनुसार अंतिम एकादश पर फैसला कर सकते हैं.'' टीम के पास सैमसन से मध्यक्रम में बल्लेबाजी कराने का विकल्प होगा. केरल के इस बल्लेबाज ने अतीत में मध्यक्रम में बल्लेबाजी की है. अगरकर ने भी इसी ओर इशारा किया. भारत के इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, '' सैमसन इसलिए खेल (सलामी बल्लेबाजी के तौर पर) रहे थे क्योंकि उस समय शुभमन और यशस्वी (जायसवाल) उपलब्ध नहीं थे . अभिषेक ने ऐसा प्रदर्शन किया है कि उन्हें टीम से बाहर रखना मुश्किल है. वह गेंदबाजी में भी योगदान दे सकते हैं.'' उन्होंने कहा, '' गिल ने पिछली बार जब भारत के लिए टी20 क्रिकेट खेला था, तब वह उप-कप्तान थे. पिछले विश्व कप के बाद ही जाहिर तौर पर वह हमारी योजना का हिस्सा रहे हैं.'' उन्होंने कहा, '' अब जब वह उपलब्ध हैं, तो कम से कम उनके (सूर्यकुमार) पास दो विकल्प हैं. अब यह उनकी (टीम प्रबंधन की) समस्या है कि वह बल्लेबाजी क्रम का चयन कैसे करते हैं; हमारा काम 15 खिलाड़ियों का चयन करना था और हमने वह किया. टी20 क्रिकेट के मामले में हमारे पास विकल्प की कमी नहीं है और हम इससे बहुत खुश हैं.'' एशिया कप के तुरंत बाद अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला के होने के कारण बुमराह की उपलब्धता को लेकर कुछ संशय बना हुआ था. चयनकर्ताओं ने हालांकि बुमराह को चुनने का फैसला किया. वह पिछले साल हुए टी20 विश्व कप के बाद टीम में वापसी कर रहे हैं. बुमराह ने कार्यभार प्रबंधन (चोट और थकान से बचने के लिए) तहत इंग्लैंड दौरे पर पांच में से तीन टेस्ट मैच ही खेला था. अगरकर ने कहा कि उन्होंने बुमराह के कार्यभार प्रबंधन को लेकर कोई विशेष नियम नहीं बनाया है. उन्होंने कहा, ''फिलहाल कोई लिखित योजना नहीं है. इंग्लैंड श्रृंखला के बाद हमें अच्छा विश्राम मिला है. हम उनका ख्याल रखने की कोशिश कर रहे हैं.'' बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को भी टीम में शामिल किया गया है, जबकि जितेश शर्मा दूसरे विकेटकीपर बल्लेबाज होंगे. अगरकर ने कहा कि जितेश पिछले एक साल में एक टी20 बल्लेबाज के तौर पर काफी विकसित हुए हैं. आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए यह विकेटकीपर बल्लेबाज अच्छी लय में था और अक्सर निचले क्रम में बल्ले से अहम योगदान देता था. उन्होंने कहा,''जिस तरह से उन्होंने आईपीएल में प्रदर्शन किया वह प्रभावशाली था.'' यशस्वी जायसवाल चयनकर्ताओं द्वारा चुने गए पांच स्टैंडबाय (वैकल्पिक) खिलाड़ियों में शामिल है. अगरकर ने कहा, ''यह थोड़ा निराशाजनक है कि जायसवाल को मुख्य टीम से बाहर होना पड़ा, लेकिन उन्हें इंतजार करना होगा. अभिषेक शर्मा में शीर्ष क्रम में जैसा प्रदर्शन किया है उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है.'' भारतीय कोच गौतम गंभीर हरफनमौला खिलाड़ियों को तरजीह देना पसंद करते है लेकिन वाशिंगटन सुंदर 15 खिलाड़ियों की सूची में जगह बनाने में नाकाम रहे. कुलदीप और वरुण चक्रवर्ती ने इस प्रारूप में काफी अच्छी गेंदबाजी की है और टीम के पास बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर का भी विकल्प है. अक्षर का इस्तेमाल बल्लेबाजी क्रम में कहीं भी किया जा सकता है. अगरकर ने कहा, ''सुंदर हमेशा योजनाओं में शामिल रहते हैं. यह विश्व कप के लिए अंतिम टीम नहीं है. हमारे पास इस समय तीन स्पिनर हैं, क्या हमें चार की आवश्यकता है, यह हमेशा समीकरण में आ सकता है. हमारे पास एक अतिरिक्त बल्लेबाज के रूप में रिंकू है जिसकी हमें आवश्यकता हो सकती है.'' टीम में हरफनमौला खिलाड़ियों की जिम्मेदारी हार्दिक पांड्या, अक्षर और शिवम दूबे साझा करेंगे. अय्यर इस साल आईपीएल में शानदार लय में थे और उनकी कप्तानी में पंजाब किंग्स ने फाइनल तक का सफर तय किया था. अगरकर कहा, ''हमारे पास टी20 टीम में कुछ अच्छे विकल्प हैं. विकल्प में अधिकता के कारण कई बार टीम चुनना आसान नहीं होता. इस तरह की स्थिति में होना हालांकि अच्छा है.''

एशिया कप के लिए भारतीय टीम: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), अभिषेक शर्मा, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, जितेश शर्मा, शिवम दुबे, अर्शदीप सिंह, संजू सैमसन, हर्षित राणा, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव. **स्टैंडबाय खिलाड़ी:** प्रसिद्ध कृष्णा, वॉशिंगटन सुंदर, रियान पराग, ध्रुव जुरेल, यशस्वी जायसवाल.

चोपड़ा, साबले की अनुपस्थिति में श्रीशंकर, कुजूर, अनु राष्ट्रीय अंतर-राज्य में बिखेरेंगे चमक

चेन्नई: लंबी कूद के खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर, फर्राटा धावक अनिमेश कुजूर और भाला फेंक खिलाड़ी अन्नू रानी जैसे अनुभवी एथलीट बुधवार से शुरू होने वाली राष्ट्रीय अंतरराज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपनी छाप छोड़ने की कोशिश करेंगे. इस पांच दिवसीय चैंपियनशिप का आयोजन यहां के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में होगा. इससे भारतीय खिलाड़ियों के पास विश्व चैंपियनशिप में जगह बनाने का अंतिम मौका मिलेगा. तोक्यो में 13 से 21 सितंबर तक होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए ज्यादातर स्पर्धाओं की क्वालिफिकेशन की अंतिम तिथि 24 अगस्त है. इस आयोजन में हालांकि दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा, स्टीपलचेज धावक अविनाश साबले और पारुल चौधरी, बाधा धाविका ज्योति याराजी और कई राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक लंबी दूरी के धावक गुलबीर सिंह भाग नहीं लेंगे. चोपड़ा अपने विश्व चैंपियनशिप खिताब का बचाव करने की तैयारी में विदेश में अभ्यास और प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं. उन्होंने 28 अगस्त को ज्यूरिख में होने वाले डायमंड लीग फाइनल के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है. साबले चोट के कारण पूरे सत्र से बाहर है जबकि ज्योति, पारुल और गुलवीर विश्व चैंपियनशिप का टिकट पक्का करने के बाद विदेश में अभ्यास कर रहे हैं. श्रीशंकर चोट के वापसी के बाद शानदार लय में है लेकिन लंबे समय तक खेल से दूर रहने के कारण उन्हें रेस टू तोक्यो रैंकिंग नहीं मिली है. ऐसे में उन्हें विश्व चैंपियनशिप का टिकट पक्का करने के लिए 8.27 मीटर की बाधा को पार करनी होगी. मौजूदा सत्र में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 8.13 मीटर का रहा है. ओडिशा के धावक कुजूर के नाम 100 मीटर (10.18 सेकंड) और 200 मीटर (20.32 मीटर) का राष्ट्रीय रिकॉर्ड है और वह विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने की दौड़ में है. वह यहां सिर्फ 200 मीटर में चुनौती पेश करेंगे. वह इसमें रोड टू तोक्यो रैंकिंग में 42वें स्थान पर है. शीर्ष 48 स्थान वाले खिलाड़ी विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करेंगे. अनु रानी भी रोड टू तोक्यो रैंकिंग में 28वें स्थान पर है. भाला फेंक में शीर्ष 36 खिलाड़ी तोक्यो के लिए क्वालीफाई करेंगे. 32 साल की एशियाई खेलों की यह चैंपियन पिछले कुछ आयोजनों में 60 मीटर की दूरी तय कर रही है. चोपड़ा और किशोर जेना की अनुपस्थिति के बावजूद, पुरुष भाला फेंक स्पर्धा में कई युवा खिलाड़ी देखने को मिलेंगे, जिन्होंने पहले ही 80 मीटर का आंकड़ा पार कर लिया है. इनमें सचिन यादव, रोहित यादव, यशवीर सिंह, साहिल सिलवाल, विक्रांत मलिक और शिवम लोहकारे शामिल हैं. पुरुषों की त्रिकूद स्पर्धा में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक प्रवीण चित्रावल और अब्दुल्ला अबू बकर के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा होने की उम्मीद है, जबकि गोला फेंक खिलाड़ी तजिंदरपाल सिंह तूर अपनी लय को फिर से हासिल करने की उम्मीद करेंगे. चित्रावल ने विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया है.

महिला वनडे विश्व कप 2025

शैफाली वर्मा टीम से बाहर, रेनुका ठाकुर की हुई वापसी

नयी दिल्ली: महिला वनडे विश्व कप 2025 के लिए मंगलवार को भारतीय टीम का ऐलान कर दिया गया है. मंगलवार को चयनकर्ताओं ने 15 सदस्यीय टीम घोषित की, जिसमें युवा बल्लेबाज़ शैफाली वर्मा को बाहर का रास्ता दिखाया गया है, जबकि तेज़ गेंदबाज़ रेनुका ठाकुर की टीम में शानदार वापसी हुई है. टूर्नामेंट भारत में 30 सितंबर से 2 नवंबर तक खेला जाएगा. भारतीय महिला टीम अपने अभियान की शुरुआत श्रीलंका के खिलाफ करेगी. कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टीम संयोजन पर कहा, हमारे पास पावरप्ले में रेनुका और क्रांति हैं, स्लॉग ओवर्स में श्री चरणी, दीप्ति और राधा गेंदबाज़ी कर सकती हैं, जबकि मध्य ओवरों में स्नेह राणा हैं. हम ज्यादा बदलाव नहीं चाहते थे, निरंतरता बनाए रखना ही हमारा मकसद था. मुख्य चयनकर्ता नीतू डेविड ने रेनुका की वापसी पर कहा, रेनुका हमारे लिए बहुमूल्य खिलाड़ी रही हैं. चोट और निगल्स के कारण वह बाहर थीं, लेकिन अब पूरी तरह उपलब्ध हैं. यह बड़ा टूर्नामेंट है और टीम में उनका होना शानदार है. **भारत की 15 सदस्यीय टीम:** हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), प्रतिका रावल, हरलीन देओल, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यस्तिका भाटिया, दीप्ति शर्मा, अमनजोत कौर, राधा यादव, स्नेह राणा, अरुंधति रेड्डी, एन श्री चरणी, रेनुका सिंह ठाकुर, क्रांति गौड़. **स्टैंडबाय खिलाड़ी:** तेजल हासबनीस, प्रेमा रावत, प्रिया मिश्रा, उमा छेत्री, मिनू मणि और सयाली सतघरे.

दक्षिण अफ्रीका ने आस्ट्रेलिया को पहले वनडे में हराया

केर्न्स (आस्ट्रेलिया) : बायें हाथ के स्पिनर केशव महाराज के कैरियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (33 रन देकर पांच विकेट) की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने पहले एक दिवसीय क्रिकेट मैच में आस्ट्रेलिया को 98 रन से हरा दिया. महाराज ने स्पिन गेंदबाजी की मददगार पिच का पूरा फायदा उठाते हुए आस्ट्रेलिया को नौ ओवर बाकी रहते 198 रन पर समेटने में अहम भूमिका निभाई. इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने आठ विकेट पर 296 रन बनाये थे. आस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श ने 96 गेंद में 88 रन बनाये जबकि बेन ड्वारशुइस ने 33 रन का योगदान दिया. ट्रेविस हेड (27) ने आस्ट्रेलिया को आक्रामक शुरूआत दी और पहले सात ओवर में 60 रन बन गए. उन्होंने तेज गेंदबाज नांद्रे बर्गर को एक ही ओवर में पांच चौके लगाये. इसके बाद हालांकि मेजबान टीम ने छह विकेट 29 रन के भीतर गंवा दिये. आस्ट्रेलिया का स्कोर बिना किसी नुकसान के 60 रन से छह विकेट पर 89 रन हो गया. इनमें से पांच विकेट महाराज ने लिये. उन्होंने मार्नस लाबुशेन और एलेक्स कारी को पगबाधा आउट किया जबकि कैमरन ग्रीन, जोश इंगलिस और आरोन हार्डी क्लीन बोल्ड हुए. इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के लिये एडेन मार्क्रम ने 82, कप्तान तेम्बा बावुमा ने 65 और मैथ्यू ब्रीज्के ने 57 रन बनाये. विश्व कप 2023 सेमीफाइनल के बाद आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच यह पहला वनडे था. मार्च में चैम्पियंस ट्रॉफी में उनका मुकाबला बारिश में धुल गया था.

भारत का 2030 तक वैश्विक हाइड्रोजन निर्यात में 10 उप्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने का लक्ष्य: नाइक

नयी दिल्ली: नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्यमंत्री श्रीपद येसो नाइक ने मंगलवार को कहा कि भारत 2030 तक हरित हाइड्रोजन निर्यात का वैश्विक केंद्र बनने का लक्ष्य लेकर चल रहा है. देश की नजर वैश्विक मांग का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा हासिल करने पर है. नाइक ने फिक्की हरित हाइड्रोजन सम्मेलन, 2025 को संबोधित करते हुए कहा कि 19 कंपनियों को 8.62 लाख टन वार्षिक हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता प्रदान की गई है. उन्होंने कहा कि पांच राज्यों ने अपनी हरित हाइड्रोजन नीतियों को पहले ही अधिसूचित कर दिया है और कई अन्य इस दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं. ये राज्य भूमि आवंटन को सुगम बना रहे हैं, जल उपलब्धता सुनिश्चित कर रहे हैं, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा दे रहे हैं और विशेष रूप से हाइड्रोजन केंद्र के विकास के माध्यम से नवोन्मेष को प्रोत्साहित कर रहे हैं. नाइक ने बताया कि गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 100 से अधिक हरित हाइड्रोजन मानक और प्रोटोकॉल को अपनाया जा चुका है या उन पर काम जारी है. उन्होंने कहा, ''हम भारत को न केवल एक प्रमुख उत्पादक, बल्कि हरित हाइड्रोजन निर्यात का एक वैश्विक केंद्र भी बनाना चाहते हैं. इसका लक्ष्य वैश्विक मांग का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा हासिल करना है.'' कई कंपनियां लागत प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने और वैश्विक बाजार में भारत को एक भरोसेमंद निर्यातक के रूप में स्थापित करने के लिए वैश्विक साझेदारियां कर रही हैं. वैश्विक बाजार के 2030 तक 10 करोड़ टन से अधिक होने की संभावना है. उन्होंने लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहन और वित्तीय सुविधा प्रदान करने का संकेत देते हुए कहा, ''इसके लिए हमें नवोन्मेष जारी रखने, प्रमाणन और व्यापार प्रणाली को मजबूत करने, उठाव को निश्चित बनाने और परियोजना को व्यवहारिक बनाने के लिए कोष, हरित बॉन्ड और बहुपक्षीय बैंक समर्थन जैसे साधनों के माध्यम से हरित वित्त को रास्ता खोलने की आवश्यकता होगी.'' उल्लेखनीय है कि सरकार ने 2023 में 19,744 करोड़ रुपये के शुरुआती व्यय के साथ राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन की शुरुआत की. मंत्री ने कहा कि ग्रिड एकीकरण, भंडारण समाधान, भूमि उपलब्धता और लागत प्रतिस्पर्धात्मकता महत्वपूर्ण मुद्दे बने हुए हैं. लेकिन इन चुनौतियों का समाधान संभव है. उन्होंने कहा कि सौर पीवी, अपतटीय पवन और इलेक्ट्रोलाइजर दक्षता के क्षेत्र में, हरित हाइड्रोजन की लागत पहले से ही कम हो रही है और आगे भी कम होती रहेगी. नाइक ने कहा, ''हमने इस्पात, परिवहन और पोत परिवहन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में हरित हाइड्रोजन के उपयोग की संभावनाओं का पता लगाने के लिए पायलट परियोजनाएं शुरू की हैं.'' अनुसंधान एवं विकास के तहत कुल 23 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है. साथ ही उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए 100 से अधिक प्रस्तावों का मूल्यांकन किया जा रहा है. मंत्री ने बताया, ''हम भारत में हरित हाइड्रोजन परीक्षण सुविधाएं भी स्थापित कर रहे हैं. इस संबंध में तीन परियोजनाएं पहले ही प्रदान की जा चुकी हैं.'

कारोबार

जीएसटी में सुधार के प्रस्ताव से शेयर बाजार में लगातार चौथे दिन तेजी, सेंसेक्स 371 अंक चढ़ा

मुंबई: स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में तेजी रही. जीएसटी में प्रस्तावित सुधारों के साथ वैश्विक स्तर पर तनाव कम होने के संकेतों के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज तथा टाटा मोटर्स में बढ़त के साथ बीएसई सेंसेक्स 371 अंक के लाभ में रहा, जबकि एनएसई निफ्टी 25,000 अंक के करीब पहुंच गया. तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 370.64 अंक यानी 0.46 प्रतिशत बढ़कर 81,644.39 पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान, एक समय यह 482.13 अंक तक चढ़ गया था. पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 103.70 अंक यानी 0.42 प्रतिशत चढ़कर 24,980.65 अंक पर पहुंच गया. विश्लेषकों के अनुसार, दिवाली तक माल एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली में बड़े सुधारों की योजना और वैश्विक स्तर पर राजनीतिक चिंताओं में कमी से बाजार में धारणा मजबूत बनी रही. सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टाटा मोटर्स सबसे ज्यादा 3.5 प्रतिशत के लाभ में रही जबकि अदाणी पोर्ट्स में 3.16 प्रतिशत की तेजी आई. रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 2.82 प्रतिशत चढ़ा. इसके अलावा इटर्नल, टेक महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर और मारुति भी लाभ में रहीं. दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में बजाज फिनसर्व, पावर ग्रिड, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एचसीएल टेक शामिल हैं. जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''जीएसटी को तर्कसंगत बनाने और भारत की साख में हाल में सुधार से उत्साहित बाजार में तेजी जारी रही. रूस और यूक्रेन के बीच तनाव कम होने के संकेतों से भी धारणा मजबूत हुई है. इससे निकट भविष्य को लेकर दृष्टिकोण रचनात्मक रुख की ओर मुड़ रहा है.'' मझोली कंपनियों से जुड़ा बीएसई मिडकैप और छोटी कंपनियों का स्मॉलकैप सूचकांक दोनों 0.97 प्रतिशत चढ़े. बीएसई में सूचीबद्ध शेयरों में 2,630 शेयर लाभ में रहे, जबकि 1,437 में गिरावट आई. वहीं 165 शेयरों के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ. एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट के साथ बंद हुए. यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर कारोबार में तेजी का रुख रहा. अमेरिकी बाजार सोमवार को स्थिर रुख के साथ बंद हुए. वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.93 प्रतिशत टूटकर 65.98 डॉलर प्रति बैरल पर रहा. शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 550.85 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे. सेंसेक्स सोमवार को 676.09 अंक चढ़ा था जबकि निफ्टी में 245.65 अंक की तेजी रही थी.

मंत्रिमंडल ने कोटा-बूंदी में 1,507 करोड़ रुपये के खर्च से नए हवाई अड्डे के निर्माण को मंजूरी दी

नयी दिल्ली: केंद्र सरकार ने मंगलवार को राजस्थान के कोटा-बूंदी में 1,507 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से एक नए हवाई अड्डे के निर्माण को मंजूरी दी. सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल के इस फैसले की संवाददाताओं को जानकारी दी. मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी. वैष्णव ने कहा कि भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) इस परियोजना के लिए वित्त का इंतजाम आंतरिक स्रोतों से करेगा. हवाई अड्डे का निर्माण 24 माह में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है. उन्होंने कहा कि हवाई अड्डे के लिए राजस्थान सरकार 1,089 एकड़ (करीब 440 हेक्टेयर) जमीन निःशुल्क उपलब्ध कराएगी. इसकी क्षमता सालाना 20 लाख यात्रियों को संभालने की होगी. वैष्णव ने कि यह हवाई अड्डा क्षेत्रीय हवाई संपर्क को मजबूत करने के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा भी देगा. यह हवाई अड्डा कोटा-बूंदी में बनाया जाना है जो लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का संसदीय निर्वाचन क्षेत्र भी है. एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, प्रस्तावित हवाई अड्डे में 20,000 वर्गमीटर क्षेत्रफल का टर्मिनल भवन होगा जो प्रति घंटे 1,000 यात्रियों और सालाना 20 लाख यात्रियों को संभाल सकेगा. बयान के मुताबिक, कोटा में शहरीकरण और भूमि की कमी के कारण मौजूदा हवाई अड्डे का वाणिज्यिक परिचालन के लिए विस्तार कर पाना संभव नहीं है. मौजूदा हवाई अड्डे पर केवल छोटे विमानों (कोड बी श्रेणी) के परिचालन की ही सुविधा है. राजस्थान सरकार ने हवाई अड्डे के लिए विमानपत्तन प्राधिकरण को 440.06 हेक्टेयर जमीन सौंप दी है. इस पर पतले आकार वाले एयरबस 321 श्रेणी के विमानों का परिचालन किया जा सकेगा. चंबल नदी के किनारे बसे शहर कोटा को राजस्थान की औद्योगिक राजधानी एवं देश का शैक्षिक कोचिंग का गढ़ माना जाता है. ऐसे में हवाई अड्डा परियोजना क्षेत्र में बढ़ते यातायात की मांग को पूरा करने के लिहाज से अहम मानी जा रही है. वैष्णव ने कहा कि पिछले 11 साल में देश में परिचालन वाले हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़कर 2025 में 162 हो गई है. इस दौरान हवाई यात्रियों की संख्या भी 16.8 करोड़ से बढ़कर इस साल 41.2 करोड़ पर पहुंच गई है.

रुपया 40 पैसे की बढ़त के साथ 86.99 प्रति डॉलर पर

मुंबई: सकारात्मक घरेलू शेयर बाजारों के समर्थन से रुपया मंगलवार को 40 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.99 (अस्थायी) पर बंद हुआ. विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपये के सकारात्मक रुख के साथ कारोबार करने की उम्मीद है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच बैठक के बाद अमेरिका द्वारा अतिरिक्त शुल्क को लेकर चिंता कम होने से निवेशकों की धारणा को बल मिला है. अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.24 पर खुला. कारोबार के दौरान इसके 87.31 प्रति डॉलर के निचले स्तर और 86.92 प्रति डॉलर के उच्च स्तर को छुआ. अंत में यह 86.99 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव से 40 पैसे की बढ़त है. रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.39 पर बंद हुआ था. मिराए एसेट शेयरखान में जिंस एवं मुद्रा के शोध विशलेषक अनुज चौधरी ने कहा, '' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वतंत्रता दिवस के भाषण में की गई घोषणा के अनुसार जीएसटी पुनर्गठन को लेकर आशावाद के बीच भारतीय रुपया एक महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया. अमेरिका द्वारा अतिरिक्त शुल्क को लेकर चिंता कम होने से भी बाजार की धारणा को बल मिला है.'' चौधरी ने कहा कि हालांकि आयातकों द्वारा डॉलर की बढ़ी हुई मांग इस लाभ को सीमित कर सकती है. डॉलर-रुपये का हाजिर भाव 86.70 से 87.40 के बीच रहने का अनुमान है. इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 98.04 पर आ गया.

न्यूज कॉर्नर

बैलेंस बिगड़ने से पिकअप पलटी : बाइक सवार की नीचे दबने से मौत

जयपुरः मुहाना थाना इलाके में एक पिकअप के पलटने से उसके नीचे दबकर बाइक सवार युवक की मौत हो गई. पुलिस जानकारी में सामने आया कि मोड़ पर बैलेंस बिगड़ने से पिकअप पलट कर पास से निकल रहे बाइक सवार पर गिर गई. हादसे की सूचना मिलने पर सडक दुर्घटन थाना दक्षिण पुलिस मौके पर पहुंची और मंगलवार को शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया. पुलिस ने पिकअप को जब्त कर चालक की तलाश शुरू कर दी है. सडक दुर्घटन थाना (दक्षिण-सेकेंड) के प्रभारी एएसआई रामरतन ने बताया कि हादसे में गुर्जर की थड़ी के चम्पा नगर निवासी सूर्यप्रकाश (37) की मौत हो गई. जो सब्जी मंडी में किसी काम से गया था. जहां वह बाइक से मुहाना मंडी के गेट नंबर-1 के पास से जा रहा था. इस दौरान सब्जियों से भरी पिकअप भी मोड़ पर टर्न कर रही थी. इस दौरान बाइक लेकर पास से निकलते समय मोड़ पर बेकाबू पिकअप पलटी खा गई. पिकअप के पलटी खाने से बाइक सहित सूर्यप्रकाश नीचे दब गया. हादसे के बाद चालक भाग निकला. लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचित कर राहत कार्य शुरू किया. लोगों की मदद से पिकअप के नीचे फंसे सूर्य प्रकाश को बाहर निकाल कर गंभीर हालत में एसएमएस अस्पताल पहुंचाया. जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया. वहीं महिंद्रा सेज थाना क्षेत्र में रिद्धि-सिद्धि पेट्रोल पंप के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया. जहां ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक दीपक सैन (निवासी पालड़ी) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया.घायल युवक को गंभीर हालत में एसएमएस अस्पताल जयपुर में भर्ती कराया गया है. वहीं मृतक का शव बगरू उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है.

कॉलेज छात्रों की बाइक को स्कॉर्पियो ने मारी टक्कर, एक की मौत, तीन घायल

फतेहाबादः जिले के शहर भूना में बस स्टैंड के मुख्य गेट के सामने मंगलवार दोपहर बाद हुए सडक़ हादसे ने शहर में सनसनी फैला दी. कॉलेज की क्लास समाप्त कर चार छात्र बाइक पर सवार होकर घर लौट रहे थे, तभी बस स्टैंड के सामने फतेहाबाद की दिशा से आ रही तेज रफ्तार एक काले रंग की स्कॉर्पियो ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी. हादसा इतना भयानक था कि बाइक पर बैठे छात्र विजय कुमार वार्ड नंबर 5 भूना निवासी की मौके पर ही मौत हो गई. वहीं, उसके तीन साथी गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों में गांव डूल्ट का सुमित कुमार, भूना के साहिल और अमनदीप सिंह शामिल हैं. उन्हें तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भूना पहुंचाया गया. डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद सुमित की गंभीर हालत को देखते हुए उसे हिसार रेफर कर दिया, जबकि साहिल और अमनदीप का इलाज फिलहाल सीएचसी में चल रहा है. स्कॉर्पियो चालक मोटरसाइकिल को होते हुए कुला रोड की दिशा में भाग गया. घटनास्थल पर प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि स्कॉर्पियो के नंबर प्लेट भी नहीं थी और यह एक्सीडेंट था या कोई प्लानिंग, रंजिश से संबंधित मामला भी हो सकता है. दुर्घटना की सूचना मिलते ही सीएचसी में घायलों के परिजन, साथी छात्र और जानकार बड़ी संख्या में एकत्र हो गए. देखते ही देखते माहौल तनावपूर्ण हो गया. प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि छात्रों के साथियों ने मौके पर मौजूद दो युवकों पर 'रैकी कर स्कॉर्पियो सवार को जानकारी देने' का आरोप लगाते हुए उनकी पिटाई कर दी. इससे अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और हालात बिगडने लगे. सूचना पाकर एसएचओ ओमप्रकाश के नेतृत्व में पुलिस दल तुरंत अस्पताल पहुंचा और भीड़ को शांत करने का प्रयास किया. काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने दोनों पक्षों को अलग कर स्थिति पर काबू पाया. एसएचओ ओमप्रकाश ने बताया कि स्कॉर्पियो चालक की पहचान की जा रही है और जैसे ही उसकी पहचान सुनिश्चित होगी, गिरफ्तारी की कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी.

महिला के साथ दुष्कर्म के आरोप में मामला दर्ज

जींदः जुलाना पुलिस को जीरो एफआईआर मिली है, जिसके तहत जुलाना क्षेत्र के एक युवक ने महिला के साथ रेप किया है. महिला ने झज्जर जिले में शिकायत दी तो जुलाना थाना में जीरो एफआईआर पहुंची. पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है. एक महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह जुलाना थाना क्षेत्र के गांव निवासी एक युवक के साथ अपने घर से बिना बताए 20 अप्रैल 2025 को आ गई. आरोपी युवक ने 21 अप्रैल को उसके साथ जुलाना के एक होटल में रेप किया. उसके बाद दिल्ली के एक होटल में भी आरोपी ने अपने दोस्तों सहित उसके साथ रेप किया. आरोपी ने उसे व उसके बच्चे को जान से मारने की धमकी दी. पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.मंगलवार को जानकारी देते हुए जुलाना थाना प्रभारी रविंद्र कुमार ने बताया कि पुलिस को जीरो एफआईआर मिली थी कि एक महिला के साथ जुलाना थाना क्षेत्र के गांव के युवक ने रेप किया है. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है.

भाई ने लकड़ी से पीटकर की भाई की हत्या, इलाके में सनसनी

नगांव (असम)ः नगांव जिले के जाजरी के बगरिगुड़ी इलाके में बीती रात एक दिल दहला देने वाली घटना घटी. पारिवारिक विवाद के चलते छोटे भाई ने अपने बड़े भाई की लकड़ी से पीट-पीटकर हत्या कर दी.मृतक की पहचान सुरेन हीरा के रूप में हुई है. हत्या के आरोपित मृतक के भाई की पहचान पदुम हीरा के रूप में हुई है. घटना की सूचना मिलते ही जाजरी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.पुलिस ने रातभर अभियान चलाने के बाद मंगलवार तड़के फरार आरोपित पदुम हीरा को गिरफ्तार कर लिया. इस जघन्य हत्या से पूरे इलाके में सनसनी और आक्रोश का माहौल है.

गोमांस खाने और बुर्का पहनने से इंकार पर गर्भवती हिन्दू युवती की पिटाई

जोरहाट (असम)ः जिले के तिताबर में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है. नूर रहमान नामक एक युवक ने पहचान छिपाकर एक हिन्दू युवती पूजा राय से विवाह किया और बाद में उस पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने लगा. जानकारी के अनुसार, पेशे से कसाई नूर रहमान ने पूजा राय को प्रेमजाल में फंसाकर विवाह किया. शादी के बाद नूर और उसके परिवार ने युवती को जबरन धर्म परिवर्तन कराने, गोमांस खाने और बुर्का पहनने के लिए मजबूर किया. विरोध करने पर पूजा राय को लगातार शारीरिक और मानसिक यातनाएं दी जाती रहीं.गर्भवती होने के बावजूद, रविवार को नूर रहमान और उसके भाई सुमन ने पूजा राय को बेरहमी से पेट में लात मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया. परिजनों की मदद से युवती को जटिल स्थिति में जोरहाट मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया.इस घटना के बाद पीड़िता के परिवार की शिकायत पर तिताबर थाना पुलिस ने नूर रहमान और उसके भाई को गिरफ्तार कर लिया है.इधर, धर्म परिवर्तन के लिए प्रेमजाल में फंसाने और फिर उत्पीड़न की इस घटना से तिताबर क्षेत्र में भारी आक्रोश व्याप्त है. स्थानीय लोगों ने नूर रहमान को कड़ी और मिसाल पेश करने वाली सजा देने की मांग की है.

अमेरिका में होगी सैन्य योजनाकारों की बैठक, यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी पर होगा विचार

लंदनः यूक्रेन को लेकर बनी कोएलिशन ऑफ द विलिंग की वर्चुअल बैठक में भाग लेने वाले देशों ने सुरक्षा गारंटी और रूस पर संभावित नए प्रतिबंधों पर चर्चा की. बैठक की सह-अध्यक्षता ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने की. ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कार्यालय ने मंगलवार को जानकारी दी कि सदस्य देशों ने सहमति जताई कि उनकी योजना टीमें आने वाले दिनों में अमेरिकी प्रतिनिधियों से मिलेंगी, ताकि यूक्रेन को मजबूत सुरक्षा गारंटी देने और यदि युद्ध थमता है तो एक 'रीअश्योरेन्स फोर्स' (भरोसा दिलाने वाली सेना) की तैनाती योजना पर काम आगे बढ़ाया जा सके. प्रवक्ता ने बताया कि नेताओं ने इस पर भी विचार किया कि पुतिन पर और अधिक दबाव कैसे डाला जा सकता है, जिसमें नए आर्थिक प्रतिबंध भी शामिल हो सकते हैं, ताकि रूस अपनी अवैध आक्रमणकारी कार्रवाई को समाप्त करने के लिए तैयार हो. इस बैठक में 30 से अधिक अंतरराष्ट्रीय नेताओं ने भाग लिया. वहीं, यूक्रेन और उसके यूरोपीय सहयोगियों का मनोबल उस समय और बढ़ा, जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को आश्वस्त किया कि किसी भी शांति समझौते में अमेरिका यूक्रेन की सुरक्षा की गारंटी देने में मदद करेगा. हालांकि इस मदद की प्रकृति और सीमा अभी स्पष्ट नहीं है.

नक्सलियों ने फिर की एक ग्रामीण की हत्या, इधर 22 लाख के इनामी चार माओवादियों ने किया सरेंडर

कांकेरः कांकेर में नक्सलियों ने एक ग्रामीण की हत्या कर दी है. मिली जनकारी के अनुसार पुलिस मुखबिरी के शक में ग्रामीण की हत्या की गई है. मृतक ग्रामीण का नाम मनेश नरेटी बताया जा रहा है. नक्सलियों ने बैनर लगाकर हत्या की जिम्मेदारी ली है. इसके अलावा बिनागुंडा सरपंच समेत कई लोगों को धमकी भी दी गई है. 2024 में इसी इलाके में 29 नक्सली मारे गए थे.

इधर कोण्डागांव में 4 नक्सलियों ने सरेंडर किया है . चारों पर 22 लाख रुपए का इनाम था. एक नक्सली, नक्सलियों का डॉक्टर था. इन्होंने जिले के ड्झ के सामने सरेंडर किया है. मंगलवार को जिला कोण्डागांव में एक दंपत्ति समेत 4 नक्सलियों ने पुलिस अधीक्षक येदुवेल्ली अक्षय कुमार के समक्ष आत्मसमर्पण किया. आत्मसमर्पित नक्सलियों पर छत्तीसगढ़ शासन द्वारा कुल 22 लाख रुपये का इनाम घोषित था. इनमें 8 लाख रुपए का इनामी डीव्हीसीएम लक्ष्मण कोर्राम उर्फ जुन्नू, उसकी 5 लाख रुपए की इनामी पत्नी मड्डो उर्फ जरीना, 1 लाख रुपए का इनामी जनताना सरकार अध्यक्ष पांडूराम और 8 लाख रुपए का इनामी कंपनी नंबर 05 का सदस्य व नक्सली डॉक्टर सखाराम शामिल हैं.

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सुरक्षा बलों की लगातार कार्रवाई, संगठन के भीतर बढ़ते मतभेद, वरिष्ठ नक्सलियों के आत्मसमर्पण और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभाव से ये नक्सली

मुख्यधारा में लौटे हैं. आत्मसमर्पित नक्सली अब तक फायरिंग, हत्या, लूटपाट, अपहरण, आगजनी, शासकीय भवनों को नुकसान पहुंचाने जैसे गंभीर अपराधों में शामिल रहे हैं. वीओ 02 - आत्मसमर्पण करने वालों को छत्तीसगढ़ शासन की आत्मसमर्पण नीति के तहत 50-50 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई है. इसके साथ ही अन्य पुनर्वास सुविधाओं का लाभ भी उन्हें मिलेगा.

विशेष बात यह है कि शासन की विकास योजनाओं - सड़क, पानी, बिजली, मोबाइल नेटवर्क और सामुदायिक पुलिसिंग जैसे प्रयासों ने अंदरूनी इलाकों में नक्सलियों पर बड़ा असर डाला है. यही वजह है कि अब नक्सली सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन की राह चुन रहे हैं. आत्मसमर्पण से सुरक्षा बलों का मनोबल और ऊँचा हुआ है और क्षेत्र में शांति एवं विकास की राह और मजबूत होगी.बता दें कि इसके एक महीने पहले यानि 20 जुलाई को बीजापुर जिले में नक्सलियों ने एक बार फिर 2 गांव वालों की बेरहमी से हत्या की थी. यह वारदात रविवार और सोमवार की दरम्यानी रात तर्रेम थाना क्षेत्र के छुटवाई और बड़ा तर्रेम गांवों में हुई थी, जहां अज्ञात माओवादियों ने धारदार हथियारों से कवासी जोगा (55) और मंगलू कुरसम (50) की हत्या कर दी थी. बीजापुर एएसपी चंद्रकांत गवर्णा ने घटना की पुष्टि की थी.

इस घटना से जिले में दहशत का माहौल बन गया और यह नक्सल प्रभावित इलाकों में लगातार हो रही हत्याओं की श्रृंखला की अगली कड़ी बन गई थी. इस साल अब तक बस्तर क्षेत्र के 7 जिलों में नक्सली हिंसा में लगभग 28 लोगों की जान जा चुकी है. न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, बीजापुर जिले में ही बीते 2 महीनों में 10 से अधिक ग्रामीण नक्सलियों द्वारा मारे जा चुके हैं.

14 जुलाई को भी बीजापुर के फरसेगढ़ इलाके में शिक्षा दूत के रूप में कार्यरत 2 लोगों की हत्या कर दी गई थी. नक्सलियों को उन पर पुलिस मुखबिरी का शक था. इससे पहले 21 जून को पामेड़ थाना क्षेत्र में दो ग्रामीणों को मार डाला गया, वहीं 17 जून को पेद्दाकोरमा गांव में 13 वर्षीय बालक समेत 3 लोगों की रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी गई थी. जानकारी के अनुसार इन मृतकों में माओवादी दिनेश मोडियाम के दो रिश्तेदार थे, जिन्होंने मार्च में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया था.

भाजपा ने दिल्ली स्थित विचारक संस्था पर 'झूठे आंकड़े' देने का आरोप लगाया

नयी दिल्लीः भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार को कांग्रेस पर 'वोट चोरी' के बारे में निराधार दावे करने और दिल्ली स्थित एक विचारक संस्था के साथ मिलीभगत करके निर्वाचन आयोग को निशाना बनाने का आरोप लगाया. भाजपा ने दावा किया कि विचारक संस्था को राष्ट्रीय हित के खिलाफ काम करने वाले राजनीतिक दलों के माध्यम से देश में चुनावों में हस्तक्षेप करने के लिए विदेशी धन मिलता है.यह तब हुआ जब चुनाव विश्लेषक और 'सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज' (सीएसडीएस) के प्रोफेसर संजय कुमार ने रविवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में पिछले साल के महाराष्ट्र चुनावों से संबंधित राज्य की दो विधानसभा सीटों के मतदाता आंकड़े को साझा किया और मंगलवार को इसे हटा दिया. उन्होंने माइक्रोब्लॉगिंग मंच पर गलत आंकड़े पोस्ट करने के लिए माफी मांगी.पोस्ट में दावा किया गया था कि राज्य के चुनावों में दो विधानसभा सीटों पर मतदाताओं की संख्या में 2024 के आम चुनावों की तुलना में उल्लेखनीय कमी आई है. दोनों चुनाव लगभग छह महीने के अंतराल पर हुए थे.भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कुमार पर 'एक्स' पर गलत आंकड़े पोस्ट करने के लिए निशाना साधा और दावा किया कि विपक्ष ने निर्वाचन आयोग को निशाना बनाने के लिए इसका इस्तेमाल किया है, तथा इसे खतरनाक खेल करार दिया.

भाटिया ने आरोप लगाया, यह सर्वेक्षण संस्था (सीएसडीएस) राहुल गांधी जैसे नेताओं के हाथों की कठपुतली मात्र है, जो लोगों का विश्वास नहीं जीत पाए. उन्हें ऐसी संस्था चाहिए जो झूठे आंकड़े और तथ्य उपलब्ध करा सके ताकि वे निराधार आरोप लगा सकें.उन्होंने आगे आरोप लगाया, यह उन दलों के माध्यम से भारत में चुनावों में हस्तक्षेप करने के लिए विदेशी धन प्राप्त करता है जो राष्ट्रीय हित के खिलाफ काम करते हैं, हमारी सेना पर सवाल उठाते हैं.उन्होंने आरोप लगाया कि कुमार ने 'एक्स' पर जो झूठ पोस्ट किया था, वह 40 घंटे तक वहां रहा और अफवाहें फैलाता रहा.भाटिया ने आरोप लगाया, कांग्रेस नेता पवन खेड़ा इस पर ट्वीट करते हैं और फिर उसे डिलीट कर देते हैं. राहुल गांधी के निराधार आरोप भी सीएसडीएस के आंकड़ों पर आधारित हैं.उन्होंने कहा, यह एक आपराधिक लापरवाही है इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? क्या राहुल गांधी देश से माफी मांगेंगे?मंगलवार को अपनी पोस्ट हटाते हुए, कुमार ने 'एक्स' पर लिखा, महाराष्ट्र चुनावों से संबंधित ट्वीट्स के लिए मैं तहे दिल से माफी चाहता हूं. 2024 के लोकसभा और 2024 के विधानसभा चुनावों के आंकड़ों की तुलना करते समय त्रुटि हुई. पंक्ति में दिए गए आंकड़ों को हमारी डेटा टीम ने गलत पढ़ा था.उन्होंने कहा कि ट्वीट को अब हटा दिया गया है.

दिल्ली उच्च न्यायालय ने लक्सर समूह के संस्थापक की वसीयत को चुनौती देने वाली याचिका खारिज की

नयी दिल्लीः दिल्ली उच्च न्यायालय ने लक्सर समूह के दिवंगत संस्थापक दविंदर कुमार जैन की बेटी प्रिया जैन द्वारा दाखिल उस याचिका को खारिज कर दिया है जिसमें वर्ष 2004 की एक पारिवारिक वसीयत को चुनौती दी गई है. दविंदर कुमार जैन का मार्च, 2014 में निधन हो गया था.उच्च न्यायालय ने कहा कि असमान वसीयतों के कारणों को दर्ज करने की कोई कानूनी बाध्यता नहीं है. न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने उनकी अपील खारिज कर दी, जिसमें दावा किया गया था कि वसीयत 'जाली और मनगढ़ंत' है.

यह अपील एकल न्यायाधीश के आदेश के विरुद्ध दायर की गई थी, जिसमें कहा गया था कि वसीयत का निष्पादन भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम (आईएसए), 1925 की धारा 63 के अनुसार विधिवत सिद्ध होता है.पीठ ने मंगलवार को अपीलकर्ता के इस तर्क को खारिज कर दिया कि वसीयत जाली थी क्योंकि वह पंजीकृत नहीं थी.न्यायाधीश ने कहा, ''यह तर्क कि वसीयत का पंजीकृत होना आवश्यक है, अप्रासंगिक है. आईएसए की धारा 63 के तहत वसीयत का पंजीकृत होना आवश्यक नहीं है.''

पीठ ने कहा कि अपंजीकृत स्थिति, बिना किसी आरोप के सत्यापित करने वाले गवाह की गवाही के मद्देनजर संदेह पैदा नहीं करती, खासकर तब जब एक सत्यापित करने वाले गवाह ने वसीयत का समर्थन किया और उससे लंबी जिरह के बावजूद उसके बयान की विश्वसनीयता पर सवाल नहीं उठाया जा सका.पीठ ने कहा, ''वसीयत कानून के अनुसार विधिवत सिद्ध है, संदिग्ध परिस्थितियों से मुक्त है और वसीयतकर्ता की इच्छा को दर्शाती है.''उच्च न्यायालय ने कहा कि वसीयत प्राकृतिक उत्तराधिकार के सिद्धांतों से भटक गई है.

पीठ ने कहा, ''कानून किसी वसीयतकर्ता पर असमान वसीयतों के कारणों को दर्ज करने का कोई दायित्व नहीं डालता है, बशर्ते कि दस्तावेज़ अन्यथा विधिवत निष्पादित हो और संदिग्ध परिस्थितियों से मुक्त हो.''

ब्रिटेन के पूर्व पीएम सुनक को नस्ली आधार पर हत्या की धमकी देने के मामले में युवक दोषी करार

लंदनः ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के कार्यकाल के दौरान ऋषि सुनक को नस्ली आधार पर हत्या की धमकी भरा ई-मेल भेजने के मामले में 21 वर्षीय एक व्यक्ति को अदालत ने दोषी करार देते हुए 14 सप्ताह कारावास और दो वर्ष के लिए निरोधक आदेश की सजा सुनाई.ब्रिटेन की क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस (सीपीएस) ने बताया कि उत्तर-पश्चिम इंग्लैंड के मर्सीसाइड के बर्केनहेड निवासी लियाम शॉ ने यॉर्कशायर के रिचमंड और नॉर्थहेलर्टन से सांसद सुनक के सरकारी ईमेल पते पर दो धमकी भरे और आपत्तिजनक ईमेल भेजने का अपराध स्वीकार किया है.इन ईमेल को भारतीय मूल के ब्रिटिश नेता के निजी सहायक ने देखा और पुलिस को इसकी सूचना दी. सीपीएस मर्सी चेशायर के वरिष्ठ क्राउन अभियोजक मैथ्यू डिक्सन ने बताया, ''लियाम शॉ ने अपने फोन से एक अत्यंत महत्वपूर्ण सार्वजनिक पद पर बैठे व्यक्ति को नस्लवादी और धमकी भरे संदेश भेजे.''

'मोहब्बत की दुकान' नहीं, 'झूठ की दुकान और शोरूम' चला रहे राहुल गांधी : गौरव भाटिया

नई दिल्लीः भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कथित वोट चोरी के आरोपों पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला बोला है. भाटिया ने कहा कि राहुल 'मोहब्बत की दुकान' नहीं बल्कि 'झूठ की दुकान और शोरूम' चला रहे हैं.भाजपा प्रवक्ता भाटिया ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि कल सुप्रीम कोर्ट ने 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में कथित फ़र्ज़ी मतदान को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया. सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हमारे सामने ऐसी कोई ठोस सामग्री नहीं है जो बताती हो कि फ़र्ज़ी मतदान हुआ था. इसके अलावा, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह क़ानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग है. उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों से हम सभी ने देखा है कि एक तरफ संविधान की, सत्य की और भारत की जनता की सच्चाई की ताकत है और दूसरी तरफ अराजकता और विध्वंस करने वाला राहुल गांधी का मॉडल, जिसमें संवैधानिक संस्थाओं पर बेबुनियाद आरोप लगाना और जब आरोप का प्रमाण मांगा जाए तो भाग जाना. वोट चोरी का आरोप तमाम विपक्षी दल लगा रहे हैं, ईवीएम खराब है, वीवी पैट से मिलान ठीक नहीं होता है. तो ये राहुल और विपक्ष सिर्फ बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं. उन्होंने कहा कि राहुल 3 फरवरी को कहते हैं कि महाराष्ट्र में 70 लाख वोट बढ़े हैं और 9 जुलाई 2025 को बिहार में कहते हैं कि एक करोड़ वोट बढ़े हैं. राहुल गांधी ये बताएं कि वो कहना क्या चाहते हैं. उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने एक संस्था 'सीएसडीएस' के आधार पर भारत की संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग पर सवाल उठाए. सीएसडीएस के संजय कुमार ने 2024 के

लोकसभा चुनाव और 2024 के विधानसभा चुनाव की तुलना करते हुए आंकड़े पोस्ट किए थे, जिन्हें बाद में उन्होंने हटा दिया और सार्वजनिक रूप से माफ़ी भी मांगी, लेकिन इस बीच चुनाव आयोग और भारतीय लोकतंत्र की छवि धूमिल हुई. सवाल यह है कि क्या राहुल इसके लिए माफ़ी मांगेंगे? राहुल ने अपने बहुत करीबी जॉर्ज सोरोस से गुरु मंत्र लिया है कि हिंदुस्तान में समाज को बांटो तभी सत्ता मिलेगी. राहुल ने इसी मंत्र को अपनाया है और वो देश में झूठ पर झूठ परोस रहे हैं. उन्होंने कहा कि चुनावों में दखलंदाज़ी के लिए भारत में विदेशी धन लाया जाता है. इसका उद्देश्य कांग्रेस जैसी पार्टियों को मज़बूत करना है जो हमारी सशस्त्र सेनाओं पर सवाल उठाती हैं और हमारी जैसी पार्टियों को कमज़ोर करना है जो 'राष्ट्र प्रथम' की विचारधारा को बढ़ावा देती हैं.

महाराष्ट्र में भारी बारिश से 12 लोगों की मौत, कई जिलों में जनजीवन प्रभावित

मुंबई में मीठी नदी में बाढ़ से कई इलाके जलमग्र, लोकल सेवा बाधित

मुंबईः महाराष्ट्र के मुंबई सहित कई जिलों में पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से जहां जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है वहीं विभिन्न घटनाओं में अब तक 12 लोगों की मौत हो गई है. साथ ही सैकड़ों घर गिर गए हैं और 5 लाख एकड़ जमीन पर फसल बर्बाद हो गई है. मुंबई में मीठी नदी में बाढ़ आ जाने से जहां कई इलाके जलमग्न हो गए हैं, वहीं रेलवे पटरियों पर जलभराव होने से मुंबई की लाइफ लाइन लोकल रेलवे सेवा बाधित हो गई है. सड़क यातायात भी प्रभावित हुआ है. इसी तरह बारिश की वजह से दृश्यमानता (विजिबिलटी)कम होने से हवाई सेवा पर असर पड़ा है.

राज्य के आपातकालीन विभाग के मंत्री गिरीष महाजन ने कहा कि उन्होंने मंगलवार को अधिकारियों के साथ बैठक कर बारिश से हुए नुकसान का जायजा लेने का आदेश दिया है. उन्होंने कहा कि राज्य में बारिश की वजह से आम जनजीवन पर व्यापक असर है. बरसात से विभिन्न घटनाओं में अब तक 12 लोगों की मौत हो गई है और सैकड़ों जानवर मर गए हैं. लोकल ट्रेनों के साथ सड़क यातायात

व्यवस्था भी चरमरा गई है. बारिश के कारण जगह जगह बसें फंस गई है. हवाएं सेवाओं में भी देरी हो रही है. मुंबई में मीठी नदी के आस पास बसे लोगों को सुरक्षित स्थल पर पहुंचाने के लिए एनडीआरएफ और जिला प्रशासन की टीम तैनात कर दी गई है.मंत्री गिरीश महाजन ने कहा कि नांदेड़, कोल्हापुर, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग , नासिक, सातारा, रायगढ़ आदि जिलों में भी नदियों का जलस्तर बढ़ा है, इन जिलों में जिला प्रशासन, एनडीआरएफ की टीमें काम कर रही हैं.मुंबई में आज सुबह से ही मूसलाधार बारिश हो रही है. इसके साथ ही समुद्र में ज्वार आया हुआ है. इससे मुंबई शहर का पानी समुद्र में नहीं जा पा रहा है. इससे अचानक मीठी नदी ने खतरे के निशान को पार कर लिया है. इससे कुर्ला, पवई, बांद्रा कुर्ला काम्प्लेक्स आदि इलाकों में पहले मजले तक पानी पहुंच गया है. क्रांति नगर पूरा मीठी नदी की बाढ़ से घिर गया है. यहां एनडीआरएफ और जिला प्रशासन ने अब तक 225 लोगों को सुरक्षित स्थल पर पहुंचा दिया है. यहां राहत और बचाव कार्य तीव्र गति से जारी है.

यही नही भारी बारिश से अंधेरी सबवे, मिलन सबवे, मालाड सबवे भर गया है , जिससे इन इन सबवे को बंद कर दिया गया है. भारी बारिश से पालघर जिले के वसई में मीठागार नामक इलाके में 145 परिवार पानी में घिर गए हैं, इसी तरह नालासोपारा और विरार में भी सैकड़ों इमारतों के आस पास बड़े पैमाने पर जलभराव हो गया है. इसी तरह ठाणे जिले के मुंब्रा, भिवंडी, मीरा भाईंदर आदि इलाकों में जलभराव हो गया है, इससे नागरिकों को बेहद मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है.

विजय गोयल ने कुत्ता प्रेमियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई

नयी दिल्लीः पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता विजय गोयल ने मंगलवार को आरोप लगाया कि ''स्वयंभू'' कुत्ता प्रेमी आवारा कुत्तों को आश्रय स्थलों में स्थानांतरित करने के उच्चतम न्यायालय के आदेश के क्रियान्वयन में बाधा डाल रहे हैं. गोयल ने कहा कि वह कुत्ता प्रेमियों के खिलाफ अवमानना याचिका दायर करेंगे. 'नो डॉग्स ऑन स्ट्रीट्स' अभियान के आयोजक गोयल ने रोहिणी के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) के समक्ष भी एक शिकायत दर्ज कराई, जिसमें कहा गया कि एक आवारा कुत्ते को छुड़ाए जाने की घटना के दौरान एमसीडी (दिल्ली नगर निगम) के कर्मचारियों के साथ कुत्ता प्रेमियों ने कथित रूप से दुर्व्यवहार किया.गोयल ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''यह केवल अदालत की अवमानना ही नहीं, बल्कि सरकारी कर्मचारियों को उनके कर्तवय का निर्वहन करने से रोकने का भी मामला है. जिन लोगों ने एमसीडी कर्मचारियों के साथ मारपीट की और कुत्ते को छुड़वाया, उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए.''उन्होंने कहा कि न्यायालय ने हाल में जनहित में एक आदेश जारी किया है जिसमें आवारा कुत्तों को ऐसे आश्रय स्थलों में भेजने का आदेश दिया गया है, जहां उन्हें खाना दिया जाएगा एवं उनकी देखभाल दी जाएगी.

सुडोकू-18

							1	3
	8				9		2	
		6		8		4		
	3		7		1	2		5
2	1	5	8	6	4	9	3	7
4		9	5		2		8	
				1		5		
	9		3				7	
8	4							

9X9 के उपरोक्त खानों में एक से नौ तक के अंक ऐसे भरें ताकि हर कॉलम और उसके हर छोटे खाने में एक नंबर ही आयें.

उत्तर अगले अंक में

सूडोकू -17 का उत्तर

9	7	2	1	8	3	6	4	5
1	5	3	6	4	9	8	2	7
6	8	4	2	7	5	1	3	9
2	3	8	9	1	7	4	5	6
7	1	5	4	6	2	9	8	3
4	9	6	5	3	8	7	1	2
8	2	7	3	9	1	5	6	4
3	4	1	7	5	6	2	9	8
5	6	9	8	2	4	3	7	1

युवा शक्ति माथापच्ची- 30

1		■	2	3		■	4	■
	■	5			■	6		
7				■	8	■		■
	■		■	9		■	10	
■	11		12			13		■
14		■	15		■		■	16
■		■		■	17			
18			■	19			■	
■		■	20			■	21	

● **बाएं से दाएं**

1. विश्व, संसार, संसार के लोग, 2. शांति, 5. विशेष ज्ञान, उपकरणों की आंतरिक जानकारी, 6. प्रकाश, ज्योति, आभा, 7. देवताओं द्वारा अभीष्ट/ सिद्धि देना, 9. दरिद्र, कृपण, सुस्त, 10. सामान, 11. बहुत विनती करवाना, 14. समान, तुल्य, दो से विभाज्य, 15. छाती, सिलाई करना, 17. दु:ख, प्रलय, 18. भ्रमणकारी, भाट, कीर्ति गाने वाला, 19. मेहराब, धनुष, 20. शुद्ध, स्वच्छ, अभ्रख, 21. आक्षेप, व्यंग्य.

● **उपर से नीचे**

1. ईंधन, लकड़ी, 2. जड़ता, मूर्खता, ज्ञानहीनता, 3. विचार, अंत:करण, 4. प्रसिद्धि पाना, नौसादर, फाड़नेवाला, 8. पकड़ने का ढंग, अपहरण, अपहृत व्यक्ति, 9. रंग लगाना, रंग में डुबाना, प्रेम में फंसाना, आसक्त होना, 11. नाम रखने का कार्य, 12. रसयुक्त, बांका, 13. विमान, 16. बचाकर निकलता, 17. नीरज, पंकज, 19. काम, भाग्य, प्रारब्ध.

उत्तर कल के अंक में

माथापच्ची- 29 का हल

अ	ना	म	■	वि	रा	ज	मा	न
प	■	न	म	क	■	ड	■	र
ना	ग	■	■	रा	■	वा	ह	क
ना	म	नि	क	ल	वा	ना	■	ट
■	ला	■	म	■	द	■	गं	■
क	■	त	ला	श	क	र	वा	ना
म	धु	प	■	र	■	■	र	ग
जो	■	स्व	■	का	लि	ख	■	रि
र	ज	नी	क	र	■	त	म	क

बिगमिंट फेरस वीक के पहले दिन इस्पात उद्योग और इसके भविष्य पर चर्चा

लौह अयस्क उपलब्ध कराना सरकार की नैतिक जिम्मेदारी : विवेक अडूकीया

युवाशक्ति न्यूज

कोलकाता: महानगर के जे डब्ल्यू मैरियट होटल में बिगमिंट फेरस वीक का आयोजन हुआ, ये आयोजन 19 से शुरू हो कर 21 अगस्त तक चलेगा. कार्यक्रम के पहले दिन सुबह डिकोडिंग ग्लोबल स्टील डिमांड : सेटिंग द स्ट्रेटजिक कंटेस्ट विषय पर डुफेरको एशिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक सुभेंदु बोस ने व्याख्यान दिया. इसके बाद भारत में इस्पात का भविष्य: 2030 तक क्षमता वृद्धि और मांग के कारकों का मानचित्रण विषय पर टाटा स्टील के लॉन्ग प्रोडक्ट्स के उपाध्यक्ष आशीष अनुपम और क्रेसरो रिसर्च एंड कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड के साझेदार सचिन शेट्टी (मॉडरेटर) ने अपना वक्तव्य रखा. सुबह 11.00 बजे उद्घाटन सत्र का विषय था- भारत के बुनियादी ढाँचे के भविष्य का निर्माण: विकास अनुमान, कच्चे माल की अनिवार्यताएं और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता, जिस पर अर्थशास्त्री और नीति आयोग, भारत सरकार के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार और एनएमडीसी लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अमिताभ मुखर्जी ने वक्तव्य रखा. उद्घाटन सत्र के दूसरे चरण में भारत के बुनियादी ढांचे के भविष्य का निर्माण: विकास अनुमान, कच्चे माल की अनिवार्यताएं और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता विषय पर व्याख्यान हुआ, जिसमें एमबी स्पंज एंड पावर लिमिटेड और डब्ल्यूबीएसआईएमए के प्रबंध निदेशक एवं अध्यक्ष शंकर लाल अग्रवाल और अडूकीया इंडस्ट्रीज और एसआरएमए के प्रबंध निदेशक एवं अध्यक्ष विवेक अडूकीया और शाकंभरी समूह के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक दीपक अग्रवाल ने अपने विचार रखे. दोपहर में अर्थशास्त्री डॉ. राजीव कुमार ने वृहद बदलाव और बाजार संचालक: व्यापार, शुल्क और बदलती दुनिया में भारत की स्थिति विषय पर अपना जानकारीपूर्ण व्याख्यान दिया. इसके बाद अल्ट्रामैक्स टीएमटी बार बनाने वाली अडूकीया इंडस्ट्रीज द्वारा प्रायोजित नेटवर्किंग लंच हुआ. इसके बाद -क्या भारत 2030 तक अपनी अनुमानित लौह अयस्क की माँग को पूरा कर पाएगा ? विषय पर एनएमडीसी लिमिटेड के निदेशक (उत्पादन) जॉयदीप दासगुप्ता, जेएसडब्ल्यू स्टील के कार्यकारी उपाध्यक्ष, कच्चा माल एवं परिचालन व्यय पुनीत जगतरामका, टाटा स्टील लिमिटेड की समूह प्रमुख - कच्चा माल खरीद सुश्री अमिता खुराना, रश्मि समूह के संयुक्त उपाध्यक्ष - वाणिज्यिक एवं कच्चा माल संजीव अग्रवाल, बिगमिंट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ध्रुव गोयल ने अपने विचार रखे. समारोह में स्टील री-रोलिंग मिल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के चेयरमैन, विवेक अडूकीया ने 'बिग मिंट फेरस वीक' कार्यक्रम में भारतीय स्टील उद्योग, खासकर सेकेंडरी स्टील सेक्टर के महत्व पर प्रकाश डाला. कोलकाता में दूसरी बार आयोजित हो रहे इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में श्रीलंका, सिंगापुर, ईरान, रूस, चीन, नेपाल, भूटान सहित विश्व के विभिन्न देशों और पूरे भारत से लगभग 800 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं.श्री अडूकीया ने बताया कि यह समागम प्रधानमंत्री के 2030 तक भारत के 300 मिलियन टन स्टील उत्पादन के लक्ष्य को प्राप्त करने के रोडमैप पर चर्चा करने और समस्याओं के समाधान खोजने का एक महत्वपूर्ण मंच है.

उन्होंने कहा कि एक टन स्टील बनाने में चार टन कच्चा माल (रॉ मटेरियल) लगता है, ऐसे में लॉजिस्टिक्स की व्यवस्था को बढ़ाना बेहद आवश्यक है. उन्होंने सरकार द्वारा रेलवे के माध्यम से शुरू की गई गति शक्ति योजना का स्वागत किया, जिसके तहत कई नई रेलवे साइडिंग आई हैं. यह योजना कच्चे माल की सुचारू आपूर्ति में सहायक होगी.

सरकार का लक्ष्य 2030 तक 300 मिलियन टन स्टील का उत्पादन : दीपक अग्रवाल

लोहा अयस्क की उपलब्धता पर जोर

श्री अडूकीया ने सेकेंडरी स्टील सेक्टर के लिए लौह अयस्क (आयरन ओर) की पर्याप्त और समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि यदि सस्ता लौह अयस्क उपलब्ध कराया जाता है, तो ही गरीब जनता और आम लोगों के लिए सस्ता स्टील मुहैया कराया जा सकता है, और यह काम हमारा सेकेंडरी स्टील सेक्टर ही कर सकता है. उन्होंने बताया कि वर्तमान में लौह अयस्क की समस्या बनी हुई है. पूर्वी भारत में मुख्य रूप से ओडिशा और झारखंड में लौह अयस्क का खनन होता है. हालांकि, झारखंड में कुछ राजनीतिक कारणों और अदालती मामलों के चलते लौह अयस्क का खनन रुका हुआ है. उन्होंने केंद्र सरकार की खान मंत्रालय और इस्पात मंत्रालय से आग्रह किया कि वे झारखंड सरकार के साथ बातचीत कर इस मामले को सुलझाएं ताकि इंडस्ट्री को झारखंड और ओडिशा दोनों से कच्चा माल मिल सके और देश में सस्ता स्टील का उत्पादन बढ़ सके. श्री अडूकीया ने जोर दिया कि 300 मिलियन टन स्टील के लक्ष्य को प्राप्त करने में सेकेंडरी स्टील सेक्टर का 50% योगदान रहेगा, और लौह अयस्क की उपलब्धता सुनिश्चित करना सरकार की नैतिक जिम्मेदारी है. इससे देश और राज्य सरकारों को राजस्व में भी वृद्धि होगी.

दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के अध्यक्ष, एस. सुरेश कुमार, आईएएस ने औद्योगिक विकास में डीवीसी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला. उन्होंने बताया कि डीवीसी उद्योगों को लगातार मदद कर रहा है और भविष्य में भी यह सहयोग जारी रहेगा. कुमार ने इस बात पर जोर दिया कि समय के साथ उद्योगों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए डीवीसी तैयार है. भारत में स्टील उद्योग के भविष्य के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने इसके उज्ज्वल भविष्य की बात कही. डीवीसी की वर्तमान बिजली उत्पादन क्षमता 6500 मेगावाट है और इसे बढ़ाने की योजना है. शाकंभरी ग्रुप के सीएमडी दीपक अग्रवाल ने कहा कि सरकार का लक्ष्य 2030 तक 300 मिलियन टन स्टील का उत्पादन करना है, जिसमें सेकेंडरी स्टील की भूमिका अहम होगी. अग्रवाल ने बताया कि सेकेंडरी स्टील उद्योग को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, और इस मंच के माध्यम से विशेषज्ञ राय लेकर इन चुनौतियों से कैसे निपटा जाए और सरकार तक अपनी बात कैसे पहुंचाई जाए, इस पर चर्चा की जा रही है. उनका मानना है कि सरकार को सेकेंडरी स्टील की समस्याओं को समझना चाहिए ताकि वे अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकें और सेकेंडरी स्टील उद्योग इसमें महत्वपूर्ण योगदान दे सके. उन्होंने विशेष रूप से कच्चे माल, खासकर आयरन ओर फाइन्स के निर्यात पर चिंता व्यक्त की, जिससे घरेलू स्तर पर कच्चे माल की कमी हो रही है. उन्होंने सरकार से मांग की है कि आयरन ओर फाइन्स के निर्यात पर ड्यूटी लगाई जाए और इन फाइन्स को गुणवत्ता सुधारने के लिए प्लांट लगाकर इस्तेमाल किया जाए, जिससे सस्ता स्टील का उत्पादन हो सके. अग्रवाल ने जोर दिया कि जब हम सस्ता स्टील बनाएंगे तभी भारत विश्व में नंबर वन स्टील उत्पादक बन पाएगा. दीपक अग्रवाल ने सरकार से यह भी मांग की कि उनकी इंडस्ट्री को सुरक्षित रखने के लिए कच्चे माल को उचित मूल्य पर उपलब्ध कराया जाए.

प्रधानमंत्री के 'वोकल फॉर लोकल' के नारे और कच्चे माल के निर्यात के बीच विरोधाभास पर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि यह दोहरा चरित्र नहीं है, बल्कि सरकार अपनी नीतियों पर काम कर रही है और 2030 तक 300 मिलियन टन स्टील उत्पादन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उचित कदम उठाएगी.

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सेकेंडरी स्टील टेक्नोलॉजी (एनआईएसएसटी) के निदेशक परमजीत सिंह ने बताया कि स्टील सेक्टर एक हार्ड-टू-अबेट सेक्टर है, जिसका अर्थ है कि इसमें उत्सर्जन को कम करना एक बड़ी चुनौती है. उन्होंने कहा कि भारत सरकार का मुख्य ध्यान 2070 तक उत्सर्जन को कम करने पर है, जिसके लिए नई प्रौद्योगिकियों, प्रक्रियाओं और प्रशिक्षित मैनपावर की आवश्यकता होगी. लोकल फॉर वोकल अभियान पर बात करते हुए, परमजीत सिंह ने लौह अयस्क के निर्यात पर भी चिंता व्यक्त की. अखिल भारतीय इंडक्शन फर्नेस एसोसिएशन के अध्यक्ष योगेश मनधानी ने 'बिगमिंट वीक' के आयोजकों को इस तरह के महत्वपूर्ण आयोजन के लिए बधाई दी, खासकर पूर्वी क्षेत्र में इसे आयोजित करने के लिए. उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आज सबसे बड़ी चुनौती ग्रीन इनिशिएटिव और ग्रीन स्टील के उत्पादन की है. उन्होंने कहा कि मौजूदा बीआईएस नियमों में सुधार की आवश्यकता है और ये सुधार पर्यावरण के अनुकूल होने चाहिए. उन्होंने बताया कि यह मांग जल्द ही मंत्रालय तक पहुंचाई जाएगी. मनधानी ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि फर्नेस एसोसिएशन , जो 1800 सदस्यों का प्रतिनिधित्व करता है, ने हाल ही में 13 तारीख को स्टील मंत्रालय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में अपनी आवाज उठाई थी. उन्होंने कहा कि सेकेंडरी स्टील सेक्टर, जिसे अब फोकस स्टील या सस्टेनेबल स्टील कहा जाता है, भारतीय स्टील उत्पादन का 47% हिस्सा बनाता है. यह सेक्टर देश के छोटे शहरों, गांवों और कस्बों में फैला हुआ है, जो अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण योगदान देता है.

राप्रोक्योर के संस्थापक सिद्धार्थ मालू ने युवा शक्ति से बातचीत में कहा कि स्टील उद्योग पूर्वी भारत और देश की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है. उन्होंने बिगमिंट को नेटवर्किंग और ज्ञान के लिए एक बेहतरीन मंच बताया. मालू ने विकसित भारत के लिए प्रति व्यक्ति स्टील खपत बढ़ाने पर ज़ोर दिया, क्योंकि भारत भले ही तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक है, पर खपत में पीछे है. उन्होंने सरकार के प्रयासों की सराहना की और विश्वास व्यक्त किया कि 2047 तक विकसित भारत और 2030 का स्टील विजन हासिल होगा. अंत में, मालू ने 'युवा शक्ति' के समर्पण की सराहना की और युवाओं को ऐसे कार्यों में शामिल होने का आह्वान किया.

कार्यक्रम में राघव प्रोडक्टिविटी एनहांसर्स लिमिटेड के सीईओ राघव काबरा और निदेशक संजीव कुमार पटवारी, मन शक्ति के सीएमडी विनोद कुमार अग्रवाल, शारदा श्री इस्पात लिमिटेड के उपाध्यक्ष विजय शारदा, स्ट्रैटमोंट के वत्सल अग्रवाल, सरावगी मेटल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक दिनेश कुमार सरावगी, सनराइज कोक इंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड के रंजीत कुमार कर्ण, एएसटीईसी ग्रुप के निदेशक अक्षत सैनी, एशियन क्रेन प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एस. हरविंदर सिंह सोहल, सूर्या इलेक्ट्रिक के निदेशक विशाल शर्मा और हिमांशु शर्मा, आहुजा इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन के एकजोत सिंह आहुजा, लॉयड्स मेटल्स एंड एनर्जी लिमिटेड के एजीएम, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस संकल्प पोतदार, अफ्रीकन इंडस्ट्रीज ग्रुप की सुश्री गरिमा गुप्ता, फाइव्स कम्बस्चन सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक- व्यापार विकास विक्रम शर्मा, गुरु कृपा ऑटोमेशन के तरलोचन सिंह, नाउ परचेज प्रबंधक- नए व्यापार पहल, श्रेणी और आयात देबोज्योति चौधरी, माई वर्ल्ड कंसल्टेंसी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड की भूविज्ञान अन्वेषण, खान योजना और संसाधन मॉडलिंग विभाग की सुश्री लीतुन सामल, अशोक जैन सेठी, जीआर स्पंज और पावर के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक रमेश अग्रवाल, अंत्योदय उजास प्राइवेट लिमिटेड (अडानी सोलर, टाटा ब्लूस्कोप स्टील) मालकॉम इंडिया लिमिटेड के सीएमओ उत्कर्ष अग्रहरि और प्रबंधक- ब्रांडिंग सुश्री सोफिया चट्टोपाध्याय, राप्रोक्योर के संस्थापक सिद्धार्थ मालू, कथुरिया रोलमिल प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक नरेश कथुरिया, बिहारी लाल इंजीनियरिंग लिमिटेड के उपाध्यक्ष विपणन राजेश माहेश्वरी, ली जून के बिक्री निदेशक पीटर चेन, अमित केडिया, अशोक जैन सेठी भी उपस्थित थे.

आचार्य श्री महाप्रज्ञ दिव्य आध्यात्मिक विभूति: शेखावत

युवा शक्ति न्यूज

नयी दिल्ली : आचार्य श्री महाप्रज्ञ के 105वें जन्म दिवस पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि स्वरुप भारत सरकार ने चांदी का सिक्का जारी कर दिव्य आत्मा के प्रति कृतज्ञता का भाव प्रकट किया. भारत की राजधानी दिल्ली में आचार्य श्री महाश्रमणजी के सुशिष्य डॉ. मुनिश्री अभिजीत कुमारजी एवं मुनि श्री जागृतकुमारजी के पावन सान्निध्य में पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स में लोकार्पण का भव्य कार्यक्रम आयोजित हुआ. मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के संस्कृति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत एवं विशिष्ट अतिथि राज्यसभा सांसद श्री लहर सिंह सिरोहिया की गरिमामय उपस्थिति रही. श्री गजेंद्रजी शेखावत ने अपने उद्बोधन म आचार्य श्री महाप्रज्ञ को इस युग की महान विभूति बताते हुए कहा कि उन जैसे युगपुरुष का अवतरण इस धरा का सौभाग्य था. उन्होंने देश और दुनिया को अहिंसा का प्रायोगिक दर्शन दिया और

आचार्य श्री महाप्रज्ञ पर चांदी का सिक्का जारी

आचार्य श्री महाप्रज्ञ के 105वें जन्म दिवस पर भारत सरकार के संस्कृति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत एवं सम्मानित अतिथि.

उनके द्वारा प्रणित प्रेक्षाध्यान योग की अचूक एवं प्रभावी ध्यान प्रक्रिया है. श्री शेखावत ने तेरापंथ धर्मसंघ की गुरु निष्ठा एवं अनुशासन की भूरि-भूरि प्रशंसा की.

मुनिश्री अभिजीत कुमारजी द्वारा प्रेरणा प्राप्त कर उन्होंने अहमदाबाद में आचार्य प्रवर के दर्शन करने की भावना भी व्यक्त की. श्री लहर सिंह सिरोहिया ने कहा कि आचार्य श्री महाप्रज्ञ की शिक्षाएं सदैव समाज का मार्ग प्रशस्त करती रहेगी. मुनिश्री जागृत कुमार ने परिषद को प्रेक्षाध्यान के प्रयोग करवा कर प्रेक्षा प्रणेता के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित किए. मुनिश्री अभिजीतकुमारजी ने अपने अनेक संस्मरण साझा करते हुए आचार्य श्री महाप्रज्ञ को श्रद्धा पुष्प अर्पित करते हुए आचार्य श्री महाप्रज्ञ के निःशेषम् के सूत्र को अपने जीवन में अपनाने पर बल दिया. जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा के अध्यक्ष श्री सुखराज सेठिया ने अतिथियों का स्वागत किया. पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स के सहयोग से दिल्ली सभा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में भगवान महावीर मेमोरियल समिति दिल्ली के अध्यक्ष श्री कन्हैयालाल पटवारी, जैन श्वेतांबर तेरापंथी महासभा के प्रबंध न्यासी श्री महेंद्र नाहटा, अणुव्रत विश्वभारती के प्रबंध न्यासी श्री तेजकरण सुराणा, जैन विश्वभारती के उपाध्यक्ष श्री पन्नालाल बैद ने भी अपने विचार व्यक्त किए. साउथ दिल्ली तेरापंथ महिला मंडल द्वारा मंगलाचरण एवं पूर्वी दिल्ली कन्या मंडल द्वारा महाप्रज्ञ अष्टकम् की सुंदर प्रस्तुति दी गई. सुमधुर गायिका अभिलाषा बांठिया ने अपनी मनभावन प्रस्तुति से पूरे वातावरण को महाप्रज्ञ मय बना दिया. आभार ज्ञापन श्रीमती सोनाली पटावरी ने किया. अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की उपाध्यक्ष श्रीमती सुमन नाहटा, पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष श्री हेमंत पटावरी, श्री बजरंग बोथरा, श्री जोधराज बैद, श्री ललित नाहटा आदि अनेक गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामय उपस्थिति रही. कार्यक्रम का कुशल संचालन श्रीमती सुनीता जैन ने किया.

शब्दों में हुंकार, काव्य में क्रांति: तीन स्वर एक भारत

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: स्वतंत्रता दिवस की 79वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर समर्पण ट्रस्ट एवं अंतर्राष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन (कोलकाता) द्वारा आयोजित तीन स्वर - एक भारत काव्य संध्या राष्ट्रभक्ति, ओज, चेतना और सांस्कृतिक एकात्मता का एक ऐसा जीवंत संगम बन गई, जिसकी अनुगूंज देर तक श्रोताओं के मन में प्रतिध्वनित होती रही. यह आयोजन केवल कविता पाठ का कार्यक्रम नहीं था, यह एक विचार का उद्घोष था- एक पुकार थी उस भारत की, जिसकी आत्मा शब्दों के माध्यम से गूंज उठी.

ईस्टर्न ज़ोनल कल्चरल सेंटर, साल्टलेक, कोलकाता में आयोजित यह साहित्यिक संध्या केवल काव्य का मंच नहीं थी, वह भारतमाता को समर्पित एक विचार-यज्ञ थी, जहाँ कवि नहीं, जैसे समय के सिपाही बोल रहे थे- कविता नहीं, जैसे राष्ट्र की चेतना स्वर पा रही थी. इस आयोजन का शुभारंभ प्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी श्री अशोक बाजोरिया द्वारा भगवान गणेश की प्रतिमा पर माल्यार्पण और अन्य अतिथियों द्वारा तुलसी पौधे में जलार्पण के साथ हुआ- जो प्रतीक था प्रकृति, संस्कृति और चेतना के समन्वय का. ट्रस्ट एवं सम्मेलन के सभापति श्री दिनेश बजाज ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि भाषाई अस्मिता और सांस्कृतिक खिंचाव के इस समय में तीन स्वर-एक भारत वास्तव में एक प्रासंगिक

जहाँ कविता बनी राष्ट्र की चेतना, और शब्द बने भारत माँ

सांस्कृतिक संदेश है- एकता में विविधता का सशक्त उदाहरण. इस आयोजन में नाइजर के कौंसुल श्री राजेंद्र खंडेलवाल, बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर शिक्षण विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सोमा बंद्योपाध्याय, पीपीपी ग्रुप के राजेश सोंथलिया और थंडरबोल्ट कोलकाता के पवन पाटोदिया सहित अनेक विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे. संस्था के सदस्य मनीष बजाज ने संस्था की विविध गतिविधियों की जानकारी दी. कार्यक्रम में जिन तीन

राष्ट्रस्वरधारी कवियों ने मंच साझा किया, वे केवल कवि नहीं, राष्ट्र की आत्मा के प्रवक्ता प्रतीत हुए. डॉ. राहुल अवस्थी ने जब कहा कि भीख मांगने से अधिकार मिलता नहीं है,अधिकार तो स्वर्ग में भी बंटते नहींयदि सदन में भगत सिंह बम दागते नहीं, तो क्रांति के धमाकों के बग़ैर ये जागते नहीं! तो उनके स्वर में क्रांति, चेतावनी और इतिहास की गर्जना एक साथ गूंज रही थी. योगेंद्र शर्मा की कविताओं ने भारतभूमि के सांस्कृतिक गौरव को दिव्यता में परिवर्तित कर दिया- उनकी पंक्तियों में तक्षशिला, अमरनाथ और शिवपुराण जैसे प्रतीक केवल इतिहास नहीं, जीवंत धरोहर बन उठे.जिस धरती का चरणामृत ही रामसेतु का सृजन करें, अमरनाथ बन महादेव जिसके मस्तक पर शोभित हैं, शिवपुराण जिसका गान करें, वह भारतमाता वंदनीय है, पूजनीय है! वहीं राष्ट्रपुत्री समीक्षा सिंह ने हिंदुत्व, सत्य और बलिदान की ऐसी निर्भीक वाणी में कविताएँ पढ़ीं, जिसने श्रोताओं को भीतर तक झकझोर दिया. जब उन्होंने कहा पीर लिखूंगी हर हिन्दू की, हर जेहादी कृत्य लिखूंगी, भाड़ में जाये भाईचारा- मैं केवल सत्य लिखूंगी तो यह स्वर केवल स्त्री का नहीं, यह राष्ट्रमाता की अस्मिता की रक्षा की प्रतिज्ञा थी. ट्रस्ट के महासचिव श्री प्रदीप ढेडिया ने इस मौके पर कहा कि यह आयोजन केवल काव्य संध्या नहीं, बल्कि एक पीढ़ी को राष्ट्रप्रेम, आत्मचिंतन और सांस्कृतिक चेतना से जोड़ने का संकल्प है. उन्होंने कहा कि जब कविता उच्चारण न होकर हुंकार बन जाए, तो वह राष्ट्रचेतना का स्वर बन जाती है- यही इस आयोजन की आत्मा थी. कार्यक्रम के समापन तक सभागार भारत माता की जय, जय हिंद, वंदे मातरम् और जय श्रीराम जैसे घोषों से गूंजता रहा, और श्रोता देर तक अपने स्थान पर स्थिर रहे, मानो यह कोई आध्यात्मिक अनुष्ठान हो. ट्रस्ट के अध्यक्ष निरंजन अग्रवाल ने कहा कि तीन स्वर- एक भारत ने यह सिद्ध कर दिया कि कविता केवल मनोरंजन नहीं, वह राष्ट्रनिर्माण का उपकरण बन सकती है- और जब तीन ओजस्वी स्वर एक भारत की संकल्पना के लिए उठते हैं, तब शब्द केवल अक्षर नहीं रहते, वे इतिहास रचते हैं. कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार डॉ, जय

प्रकाश मिश्र एवं धन्यवाद ज्ञापन संस्था के सदस्य पंकज भालोटिया ने किया. आनंद इवेंट्स द्वारा कार्यक्रम का प्रबंधन किया गया. इस काव्यात्मक संध्या की गरिमा को बढ़ाने में जिन गणमान्यजनों की उपस्थिति रही, उनमें प्रमुख थे- ईश्वरी प्रसाद टांटिया, अभ्युदय दुगड़, दुर्गा व्यास, गिरधर राय, पद्मश्री पोद्दार, राजित भूतोडिया, अशोक ढेडिया, बसुमती डागा, राज कुमार शर्मा, लक्ष्मण अग्रवाल, अमन ढेढ़िया, गणेश अग्रवाल, संजय जैन, प्रीति ढेडिया, ज्योति खेमका, प्रदीप अग्रवाल, विशाल केडिया, हरी सोनी, पंकज अग्रवाल, राजीव जायसवाल, धर्मेंद्र जायसवाल, पारष मिश्रा, विनोद शर्मा.

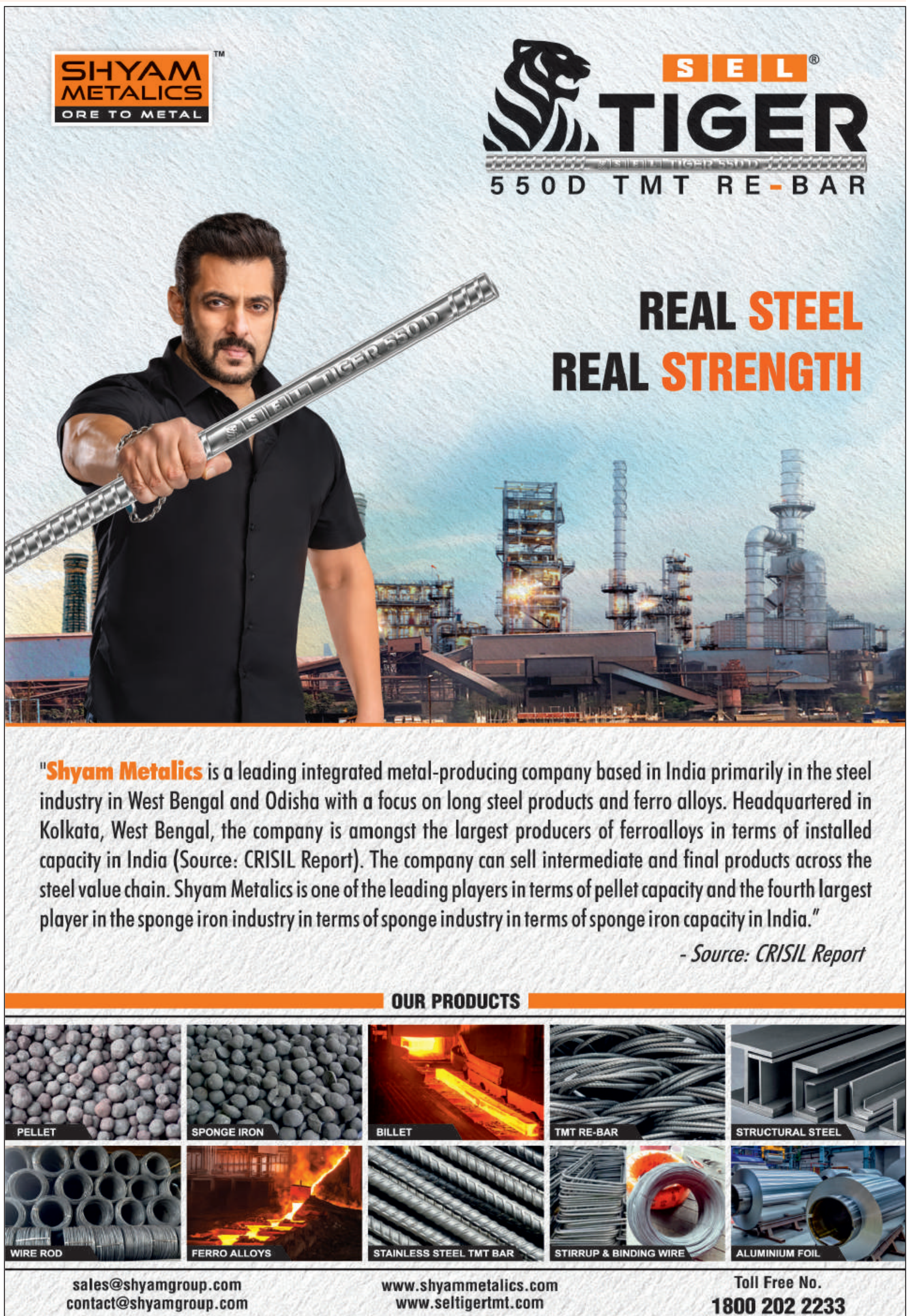

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधांशु शेखर द्वारा दी इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, एक्सप्रेस हाउस, एन एच 6 मौजा–प्रशस्थ व अंकुरहाटी,पोस्ट– सलप, थाना–डोमजूर, जिला–हावड़ा–711409 से मुद्रित एवं 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता–700 007 से प्रकाशित. प्रधान संपादक : **सुधांशु शेखर,**
प्रबंध कार्यालय : 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता–700 007, RNI No. WBHIN/2007/22434 फोन : 9831494084, टेलीफैक्स : 22743382 ई–मेल : yuvashakti@hotmail.com प्रकाशन संबंधी समस्त विवादों का निपटारा कोलकाता न्यायालय के अधीन